● वर्ष-4
● अंक-125
रायपुर, शनिवार
04 जनवरी 2025
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6» ओटीटी वर्सेज थिएटर....

देश में कहीं से भी निकालें अपनी पेंशन की राशि

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने देशभर के पेंशनधारकों को बड़ा तोहफा दिया है। अब वे देश में किसी भी शाखा से अपनी पेंशन की राशि निकाल सकेंगे। ईपीएफओ ने कर्मचारी पेंशन योजना 1995 के तहत नई केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली (सीपीपीएस) को देशभर में लागू करने का काम पूरा कर लिया है। इसके तहत दिसंबर 2024 के लिए ईपीएफओ के सभी 122 पेंशन वितरण क्षेत्रीय कार्यालयों से संबंधित 68 लाख से अधिक पेंशनभोगियों को लगभग 1,570 करोड़ रुपये की पेंशन वितरित की गई।

दो पायलट प्रोजेक्ट के बाद देशभर में लागू हुई केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली

केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली (सीपीपीएस) का पहला पायलट प्रोजेक्ट अक्तूबर 2024 में करनाल, जम्मू और श्रीनगर क्षेत्रीय कार्यालयों में 49,000 से अधिक ईपीएस पेंशनभोगियों को लगभग 11 करोड़ रुपये के पेंशन वितरण के साथ सफलतापूर्वक पूरा हुआ था।

दूसरा पायलट प्रोजेक्ट नवंबर 2024 में 24 क्षेत्रीय कार्यालयों में लिया गया, जिसमें 9.3 लाख से अधिक पेंशनभोगियों को लगभग 213 करोड़ रुपये की पेंशन वितरित की गई। इसकी घोषणा करते हुए केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा, ईपीएफओ के सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली (सीपीपीएस) का पूर्ण कार्यान्वयन एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है।

देश में कहीं भी, किसी भी बैंक, किसी भी शाखा से पेंशन निकासी की सुविधा

उन्होंने कहा, यह परिवर्तनकारी पहल के तहत पेंशनभोगी देश में कहीं भी, किसी भी बैंक, किसी भी शाखा से अपनी पेंशन आसानी से हासिल कर सकेंगे। उन्हें भौतिक सत्यापन के लिए किसी शाखा पर जाने की जरूरत नहीं होगी।

केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली के लागू हो जाने के बाद अब पूरे देश में किसी भी शाखा पर बिना पेंशन भुगतान आदेश (पीपीओ) के स्थानांतरण के भी पेंशन निकासी संभव होगा। इस व्यवस्था से उन पेंशनधारकों को सबसे अधिक मदद मिलेगी जो रिटायरमेंट के बाद अपने गृह शहर चले जाते है। ईपीएफओ ने कहा है कि वह पेंशनधारकों की सुविधा में सुधार के लिए लगातार काम कर रहा है। सीपीपीएस को देशभर में लागू करना, इसी दिशा में उठाया गया प्रमुख सुधारात्मक कदम है।

मालदीव और पाकिस्तान पर अमेरिकी अखबार वॉशिंगटन पोस्ट की खबरों पर विदेश मंत्रालय ने कहा

वॉशिंगटन पोस्ट का रवैया भारत विरोधी

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने शुक्रवार को फिर बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग के मुद्दे पर प्रतिक्रिया दी। मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, एक हफ्ते पहले मैंने पुष्टि की थी कि हमें बांग्लादेशी अधिकारियों की ओर से हसीना के संदर्भ में एक संचार मिला था। इसके अलावा, इस समय मुझे इस मुद्दे पर कुछ और बात जोड़ने की जरूरत नहीं है। मालदीव और पाकिस्तान पर अमेरिकी अखबार वॉशिंगटन पोस्ट की खबरों पर विदेश मंत्रालय ने कहा, हाल ही में मीडिया में प्रकाशित खबरों के संबंध में हम इतना ही कहना चाहते हैं कि यह अखबार और रिपोर्टर दोनों ही भारत के प्रति एक शत्रुतापूर्ण रवैया रखते हैं। इसको आप उनकी गतिविधियों और खबरों एक पैटर्न में देख सकते हैं। ऐसे में उनकी विश्वसनीयता कितनी है, इसके आकलन का काम हम आप (मीडिया) पर छोड़ते हैं। जहां तक हमारा सवाल है, हमको उनमें कोई विश्वसनीयता नजर नहीं आती। जायसवाल ने कहा, जहां तक पाकिस्तान का सवाल है, मैं आपको हिलेरी क्लिंटन की कही बात याद दिलाना चाहता हूं कि अगर आप अपने घर में सांप पालते हैं तो यह उम्मीद नहीं कर सकते कि वे केवल आपके पड़ोसियों को ही काटेंगे। हिलेरी क्लिंटन ने यह टिप्पणी 2011 में की थी, जब वह अमेरिका की

विदेश मंत्री थी। वॉशिंगटन पोस्ट की एक खबर में भारत को मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के महाभियोग के जरिए हटाने की साजिश से जोड़ा गया था। जबकि दूसरी खबर में पाकिस्तान में आतंकवादियों के खिलाफ भारतीय एजेंटों की कथित हमलों की बात कही गई थी।

मालदीव से जुड़ी रिपोर्ट में अखबार ने एक डेमोक्रेटिक रिन्यूवल इनिशिएटिव नामक दस्तावेज का हवाला देते हुए दावा किया था कि विपक्षी नेताओं ने राष्ट्रपति मुइज्जू को हटाने के लिए उनके ही पार्टी के चालीस सांसदों को रिश्वत की पेशकश की थी। रिपोर्ट में कहा गया था कि महीनों तक गोपनीय बातचीत के बावजूद साजिशकर्ता को महाभियोग के लिए पर्याप्त वोट न मिल सके।

चीन के काउंटी पर भारत का विरोध

सीमावर्ती इलाके में चीन के नए काउंटियां बनाने पर मंत्रालय ने कहा, हमने चीन के होटन प्रान्त में दो नए काउंटियों की स्थापना से जुड़ी घोषणा देखी है। इन तथाकथित काउंटियों के कुछ हिस्से भारत के केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में आते हैं। हमने इस भारतीय क्षेत्र पर अवैध चीनी कब्जे को कभी स्वीकार नहीं किया है। नए काउंटियों के निर्माण से न तो इस क्षेत्र पर हमारी संप्रभुता के बारे में भारत की दीर्घकालिक और स्थापित स्थिति पर कोई असर पड़ेगा और न ही चीन के अवैध और जबरन कब्जे को कोई वैधता मिल पाएगी। हमने कूटनीतिक चैनलों के माध्यम से चीनी पक्ष के सामने इस मामले पर अपना विरोध दर्ज कराया है।

हाल ही में तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर बांध बनाने की चीन की योजना पर भारत ने कहा कि वह अपने हितों की रक्षा के लिए लगातार निगरानी रखेगा और जरूरी कदम उठाएगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, हम लगातार निगरानी रखते हुए अपने हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे। मंत्रालय ने चीन से अपील की कि ब्रह्मपुत्र नदी के निचले हिस्से के राज्यों के हितों को ऊपर होने वाली गतिविधियों से नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए।

शरणार्थी कहकर कनाडा में भारतीयों का अपमान

कनाडा में भारतीयों के प्रति नस्लभेदी रवैया एक बार फिर चर्चा का विषय बन गया है। कनाडा में भारतीयों के अपमान का नया मामला सामने आया है। भारतीय छात्रों का रिफ्यूजी कहकर अपमान किया जा रहा है। इस तरह के लगातार बढ़ते मामलो पर विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया प्रभासाक्षी ने जाननी चाही। जिस पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि कनाडा के अंदर करीब चार लाख तीस हजार से ज्यादा भारतीय छात्र हैं। शायद दुनिया में इतनी तादाद में हमारे छात्र कोई और देश में न है। इससे हम लोगों को कनाडा और भारत के लोगों के बीच के संबंध और जो हमारा आर्थिक संबंध है उसको काफी मजबूती मिलती है। हम चाहेंगे कि ये रिश्ते मजबूत हो। हमारे छात्रों को कोई कठिनाई न हो। उनकी देखभाल के लिए हमारे कांस्लेट वहां पर मौजूद हैं। ये छिटपुट घटनाएं हुई होंगी उसको हम लोग देखरेख करने के लिए हाई कमीशन और कांस्लेट लगातार तैयार हैं।

सौजन्य मुलाकात

राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज राजभवन में विधायक श्री अजय चंद्राकर और विधायक श्री धरमलाल कौशिक ने सौजन्य भेंट की। उन्होंने राज्यपाल श्री डेका को नववर्ष की शुभकामनाएं दी। श्री डेका ने भी उन्हें नववर्ष की शुभकामनाएं दी।

नागरिकों को जागरूक करने 11 जनवरी से शुरू होगा

भाजपा का देशव्यापी संविधान गौरव अभियान

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 26 जनवरी यानी गणतंत्र दिवस से पहले संविधान के प्रति सम्मान और उसके मूल्य को बढ़ावा देने के लिए एक पखवाड़े तक चलने वाला अभियान शुरू करेगी। इस अभियान का उद्देश्य संविधान के निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर की भूमिका के बारे में जागरूकता फैलाना है। यह अभियान विपक्षी पार्टियों द्वारा भाजपा पर संविधान को कमजोर करने के आरोपों के बीच शुरू किया जा रहा है। पार्टी ने इसे संविधान गौरव अभियान का नाम दिया है, जो 11 जनवरी से शुरू होगा। आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि संविधान गौरव अभियान का

विशेष ध्यान उन जिलों पर केंद्रित होगा, जहां अनुसूचित जातियों की संख्या अधिक है। भाजपा ने इस अभियान की अगुवाई के लिए अपने तीन राष्ट्रीय महासचिवों विनोद तावड़े, तरुण चुघ और दुष्यंत कुमार गौतम को नियुक्त किया है। तावड़े को अभियान का संयोजक बनाया गया है। पार्टी पूरे देश में 50 से अधिक कार्यक्रमों का आयोजन करेगी और स्थानीय स्तर पर भी कई कार्यक्रम होंगे।

इस अभियान के तहत पार्टी विशेष रूप से छात्रों तक पहुंचेगी और संविधान के मूल्यों को समझाएगी। पार्टी के नेताओं का कहना है कि अभियान में डॉ. आंबेडकर के योगदान को भी प्रमुखता से उजागर किया जाएगा। मोदी सरकार ने हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान के टैगलाइन के साथ संविधान की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर एक अन्य अभियान भी शुरू किया है।

प्रमुख समाचार

चंदन गुप्ता मर्डर केस में सभी 28 दोषियों को उम्रकैद

लखनऊ। कासगंज के चर्चित चंदन गुप्ता हत्याकांड मामले में लखनऊ की एनआईए स्पेशल कोर्ट ने शुक्रवार को सजा का ऐलान कर दिया है।एनआईए स्पेशल कोर्ट ने चंदन गुप्ता हत्याकांड के सभी 28 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इस मामले में छह साल बाद फैसला आया

है। इससे पहले, गुरुवार को एनआईए स्पेशल कोर्ट ने चंदन गुप्ता हत्या मामले 28 आरोपियों को दोषी करार दिया था, जबकि दो को बरी कर दिया था। दरअसल, उत्तर प्रदेश के कासगंज में 26 जनवरी 2018 को तिरंगा यात्रा निकाली गई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 26 जनवरी 2018 की सुबह जब यात्रा निकाली गई तो चंदन गुप्ता अपने भाई विवेक गुप्ता और अन्य साथियों के साथ था। जैसे ही यह तिरंगा यात्रा कासगंज के तहसील रोड स्थित जीजीआईसी गेट के पास पहुंची तो सलीम, वसीम, नसीम और अन्य लोगों ने उनका रास्ता रोक लिया था। हालांकि, जब चंदन की ओर से जुलूस रोकने पर आपत्ति दर्ज कराई गई तो मौके पर हालात बिगड़ गए और आरोपियों के समूह ने उन पर पथराव कर दिया।यही नहीं, जुलूस के दौरान फायरिंग भी की गई।

रामदेव, आचार्य बालकृष्ण समेत आठ को कोर्ट से नोटिस

सहारनपुर। पतंजलि आयुर्वेदिक लिमिटेड यूनिट-3 के डिप्टी मैनेजर को बंधक बनाकर मारपीट करने और डरा-धमकाकर संपत्ति हड़पने के मामले में अदालत ने आठ लोगों के खिलाफ नोटिस जारी किए हैं। जिनके खिलाफ नोटिस जारी हुए हैं, उसमें बाबा रामदेव के सहयोगी आचार्य

बालकृष्ण, बाबा रामदेव के भाई रामभरत भी शामिल हैं। अदालत ने 24 जनवरी सुनवाई की तारीख दी है। सरसावा थाना क्षेत्र के गांव सौराना निवासी अश्वनी कुमार ने अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट तृतीय प्रियंका वर्मा की अदालत में प्रार्थनापत्र देकर बताया था कि वह पतंजलि आयुर्वेदिक लिमिटेड में डिप्टी मैनेजर के पद पर कार्यरत थे। आरोप था कि कंपनी के अधिकारी काफी समय से गलत कार्यों के लिए दबाव बना रहे थे। अश्वनी कुमार दबाव में नहीं आए। साजिश के तहत सात अक्टूबर 2024 को उनके साथ मारपीट कर मोबाइल छीन लिया और कमरे में बंद कर दिया। कोरे कागजातों पर हस्ताक्षर भी कराए गए। अश्वनी कुमार की मां ने मिलने के लिए संपर्क किया, तो उनके साथ भी अभद्रता की गई।

आपदा दिल्ली में नहीं, भाजपा में आई : केजरीवाल

नई दिल्ली। आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को पीएम मोदी की आपदा सरकार टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दी है। केजरीवाल ने कहा कि जो लोग लोगों के लिए काम करते हैं वे कभी दूसरों का दुरुपयोग नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने आज दिल्ली आकर 43 मिनट का भाषण

दिया, 39 मिनट तक उन्होंने दिल्ली की प्रचंड बहुमत से बनी सरकार को गालियां दीं। केजरीवाल ने कहा कि उन्हें यह बताने में दो से तीन घंटे लगेंगे कि दिल्ली सरकार ने दस साल में कितने काम किए हैं, लेकिन बीजेपी ने ऐसा कुछ नहीं किया है जिसे प्रधानमंत्री आज कह सकें। केजरीवाल ने कहा कि जो काम करता है उसे डांटना नहीं चाहिए, जो नहीं करता उसे डांटना चाहिए। प्रधानमंत्री ने 2020 में संकल्प पत्र दिया था, अब तक पांच साल में केवल 4700 घर बने हैं। उन्होंने कहा कि अगर उन्होंने इन 10 सालों में काम किया होता तो शायद आज उन्हें दिल्ली की जनता को इतनी गालियां देने की जरूरत नहीं पड़ती। जो काम करता है, वह गाली नहीं देता। जो काम नहीं करता, वह गालियों के बल पर चुनाव लड़ता है।

इलेक्ट्रिक वाहनों पर सब्सिडी खत्म करने पर सहमत

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि बैठक में उपस्थित इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) कंपनियां सर्वसम्मति से इस बात पर सहमत हुई हैं कि मौजूदा सब्सिडी व्यवस्था खत्म होने के बाद उन्हें सब्सिडी की

जरूरत नहीं होगी। ईवी क्षेत्र के हितधारकों ने नई दिल्ली में मंत्री के साथ बैटरी चार्जिंग और स्वैपिंग बुनियादी ढांचे के विकास से संबंधित मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। मंत्री ने यह भी कहा कि कंपनियां अपने खुद के व्यवसाय मॉडल चुनने के लिए स्वतंत्र हैं। उन्होंने कहा कि चाहे वे बैटरी स्वैपिंग के लिए संसाधनों को साझा करना और सहयोग करना पसंद करें। या अपनी खुद की बैटरी वाले वाहन बेचना पसंद करें, यह निर्णय पूरी तरह से उन पर निर्भर है। सब्सिडी पर कंपनियों के विचार के बारे में पूछे जाने पर गोयल ने संवाददाताओं से कहा, इस बात पर सभी एकमत थे कि एक बार मौजूदा सब्सिडी व्यवस्था समाप्त हो जाने के बाद, किसी को भी आगे सब्सिडी बढ़ाने की जरूरत नहीं है... प्रत्येक क्षेत्र के पास एक या दूसरा मॉडल है जो उसे आत्मनिर्भर बनाता है।

पाकिस्तान ने छेड़ा दोस्ती वाला तराना, भारत ने दिखाया आईना

नई दिल्ली। भारत के साथ संबंधों के बारे में पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार के बयान टैंगो में दो की जरूरत है पर भारत का भी जवाब सामने आया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने पाक विदेश मंत्री के टैंगों वाले बयान पर कहा कि वहां प्रासंगिक टी शब्द टेररिज्म है, न कि टैंगो। आपको बता दें कि पाकिस्तान के उप प्रधान मंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार भारत से दोनों देशों के बीच संबंधों में सुधार करने का आग्रह किया और कहा कि टैंगो में दो की जरूरत होती है। भारत के साथ पाकिस्तान के व्यापार संबंधों के बारे में बोलते हुए, डार ने संबंधों को बेहतर बनाने में मदद के लिए एक माहौल बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इशाक डार की टिप्पणी एक संवाददाता सम्मेलन में आई जहां वह आर्थिक स्थिरता लाने और पाकिस्तान के राजनयिक संबंधों को बढ़ाने के सरकारी प्रयासों पर चर्चा कर रहे थे। उच्च मुद्रास्फीति और संरचनात्मक मुद्दों के साथ-साथ राजनीतिक अस्थिरता के कारण आबादी की भोजन और ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने से संबंधित कई संकट पैदा हो गए हैं। पाकिस्तान को अरबों डॉलर के ऋण के लिए अक्सर अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) या सऊदी अरब और चीन जैसे मित्र देशों से संपर्क करना पड़ता है।

अस्पतालों-श्मशान में भयंकर भीड़

चीन में बढ़ रहा है ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस का खतरा

नई दिल्ली। साल 2019 के आखिरी महीनों में दुनियाभर में फैली कोरोना महामारी अब भले ही स्थिर हो गई है पर विशेषज्ञ कहते हैं वायरस की प्रकृति को देखते हुए इसे अभी भी पूरी तरह से खत्म नहीं माना जा सकता है। कोरोना के जारी जोखिमों के बीच चीन से प्राप्त हो रही जानकारियां एक बार फिर से विशेषज्ञों की चिंता बढ़ा रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स से पता चलता है कि कोरोना के बाद चीन में एक और संक्रामक रोग के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि अस्पताल और श्मशान घाटों में भारी भीड़ देखी जा रही है। इन खबरों ने सवाल खड़े कर दिए है कि क्या कोरोना की ही तरह चीन से एक और महामारी दुनियाभर में फैलने वाली है?

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में चीन के अस्पतालों में भारी भीड़ दिखाई दे रही है। अस्पतालों के साथ श्मशान घाट भी पैक हैं, कमोबेश उसी तरह के हालात जैसे कोरोना के पीक के समय देखा गया था। कुछ रिपोर्ट्स में चीन में इस स्थिति के लिए ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) को मुख्य कारण बताया जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक एचएमपीवी के साथ इन्फ्लूएंजा ए, माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया के कारण भी यहां लोगों को बीमार पाया जा रहा है।

बीमारी को लेकर अलर्ट

कई मीडिया रिपोर्ट्स और सोशल मीडिया पर चीन में एक नई महामारी के बढ़ते खतरे को लेकर चर्चा की जाती रही है। हालांकि इसको लेकर न तो चीन सरकार न ही विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएओ) ने कोई अलर्ट जारी किया है या फिर कोई आधिकारिक

जानकारी दी है।

ज्यादातर रिपोर्ट्स चीन में इस तरह के भयावह हालात के लिए ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) को जिम्मेदार मान रहे हैं। बच्चों की सेहत पर इसके गंभीर दुष्प्रभावों को लेकर भी अलर्ट किया जा रहा है। आइए जानते हैं कि ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस क्या है और इसके किस प्रकार के दुष्प्रभाव हो सकते हैं?

ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस क्या है?

पिछले हफ्ते, चीन के रोग नियंत्रण प्राधिकरण ने कहा, देश में निमोनिया जैसे लक्षणों वाली बीमारी बढ़ रही है जिसपर निगरानी के लिए टीम गठित की गई है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में दिसंबर के मध्य तक श्वसन संबंधित संक्रमण के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। 14 वर्ष से कम उम्र के लोगों में इसके लक्षण अधिक देखे जा रहे हैं जिसके लिए एचएमपीवी को जिम्मेदार माना जा रहा है।

ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस का संक्रमण सर्दी-जुकाम जैसे लक्षण पैदा करता है। इसके कारण आमतौर पर ऊपरी श्वसन तंत्र का संक्रमण होता है। कुछ लोगों में इसे निमोनिया, अस्थमा या क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) को ट्रिगर करने वाला भी माना जाता है। पांच साल से कम आयु वालों में ये इसका खतरा अधिक होता है, हालांकि वयस्क भी इसका शिकार हो सकते हैं।

क्या हैं इसके लक्षण?

मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस के कारण आमतौर पर सर्दी-जुकाम जैसे लक्षण ही होते हैं, लेकिन कुछ लोगों में इसके कारण गंभीर बीमारी भी हो सकती है। विशेषतौर पर छोटे बच्चों, 65 वर्ष से अधिक उम्र के या फिर कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों में गंभीर लक्षणों का जोखिम अधिक होता है।

ज्यादातर लोगों में संक्रमण के कारण बुखार, खांसी, नाक बहने, गले में खराश, घरघराहट, सांस लेने में तकलीफ (डिस्पेनिया) जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। कुछ रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि एचएमपीवी में म्यूटेशन के कारण नया स्ट्रेन सामने आया है जिस वजह से हालात बिगड़ते देखे जा रहे हैं।

संक्रमण से कैसे करें बचाव?

रिपोर्ट्स से पता चलता है कि एचएमपीवी और कोरोना कई मामलों में मिलते-जुलते हो सकते हैं। कोरोना की ही तरह एचएमपीवी के भी संक्रमित व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलने का खतरा हो सकता है। खांसने और छींकने से निकलने वाले ड्रॉपलेट्स, संक्रमित सतहों को छूने से इस संक्रमण का खतरा हो सकता है। संक्रामक रोग से बचाव के लिए विशेष सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता होती है। बचाव के लिए कुछ उपाय करें।

अपने हाथों को साबुन और पानी से धोते रहें। अल्कोहल-आधारित हैंड सेनिटाइजर का इस्तेमाल करें।

छींकते-खांसते समय अपनी नाक-मुंह को ढकें और हाथों को साफ करें।

जिन लोगों में इस बीमारी के लक्षण हों उनसे दूरी बनाकर रखें और निकट संपर्क से बचें।

इम्युनिटी को मजबूत बनाने का प्रयास करें। कमजोर इम्युनिटी वाले लोगों में इसका खतरा अधिक देखा जाता रहा है।

चुनाव बहिष्कार की दी चेतावनी

मलगांव पंचायत की विलोपन रद्द करने की मांग, ग्रामीणों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

कोरबा। ऊर्जाधानी भूविस्थापित किसान कल्याण समिति ने कोयला खनन के लिए अर्जित ग्रामो मलगांव, अमगांव और सुवाभोड़ी के विलोपन की कार्रवाई की निंदा करते हुए विलोपन को रद्द करने की मांग की है। समिति के अध्यक्ष सपुरन कुलदीप ने पंचायत चुनाव के ठीक पहले की गई कार्रवाई पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पुनर्वास नीतियों के अनुरूप भूविस्थापितों को लाभ नहीं दिया जा रहा। जोर जबरदस्ती विस्थापन के लिये लोगों को भयभीत किया जा रहा है।

एसईसीएल प्रबन्धन प्रशासन की मदद लेकर आंदोलनकारियों के खिलाफ षड्यंत्र पूर्वक कार्यवाही कर रही है। जेल भेजने करोड़ों रुपये नुकसान की भरपाई का नोटिस भेजने जैसी घिनौनी कृत्य कर विरोध को कुचलने की साजिश हो रही है। वहीं दूसरी ओर शासन के द्वारा गांव का विलोपन किया जा रहा है। जबकि 30 सालों से रोजगार के इंतजार में भटक रहे युवा अब बूढ़े हो चले हैं। मुआवजा और बसाहट जैसी मूलभूत सुविधा से वंचित विस्थापितों की गुहार कोई सुनने को तैयार नहीं है और पूरी तानाशाही रवैये से इख्तियार किये जा रहे हैं।

संगठन की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि मलगांव सहित अन्य पंचायत को विलोपित किए जाने के खिलाफ मुख्य सचिव को शिकायत करते हुऐ विलोपन रदद् करने और इन ग्रामो के भू -अर्जन और पुनर्वास की समस्त प्रक्रिया को पूरा कराने की मांग की गई है।

गौरतलब है कि कटघोरा विकासखंड के ग्राम पंचायत मलगांव और अमगांव में बीते कुछ दिनों से पंचायत विलोपित किए जाने के खिलाफ सुगबुगाहट चल रही थी। ग्रामीणों ने पंचायत को विलोपित नहीं करने की मांग शुरू कर दी। वे अपनी इस मांग को लेकर भारी संख्या में कोरबा पहुंचे। ग्रामीण भारी संख्या में रैली निकालकर कलेक्ट्रेट कार्यालय के सामने जा पहुंचे। इस बात की सूचना पुलिस व प्रशासन को भी नहीं थी, लिहाजा ग्रामीण परिसर के भीतर तक पहुंच गए। उन्होंने मुख्य द्वार के सामने बैठकर नारीबाजी शुरू कर दी।

ग्रामीणों का कहना था कि 2025 में पंचायत चुनाव कराए जाएं। पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाइश देने का प्रयास किया लेकिन वे कलेक्टर से ही मुलाकात कर अपनी समस्या का निराकरण करने की मांग पर अड़े रहे। इस बात की जानकारी कलेक्टर अजीत वसंत तक पहुंच गई। वे अपने चेंबर से निकलकर सीधे ग्रामीणों के पास पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों को समझाइश देकर शांत कराया। इसके बाद ग्रामीणों ने कलेक्टर को अपनी मांग से संबंधित ज्ञापन सौंपा। इसके साथ ही घेराव समाप्त हो गया।

ग्राम मलगांव के ग्रामीणों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा उन्होंने अपने ज्ञापन में स्पष्ट रूप से चेतावनी देते हुए कहा है कि पंचायत विलोपन के आदेश को निरस्त किया जाए। यदि उनकी मांगे पूरी नहीं हुई तो वे आगामी चुनाव का बहिष्कार करेंगे। ग्रामीणों की मांग है कि बसाहट देकर ग्राम पंचायत घोषित करें। 18 वर्ष उम्र के युवक-युवतियों को बसाहट की पात्रता प्रदान करें। बेरोजगारों को रोजगार दिया जाए। रोजगार, बसाहट और मुआवजा सहित मूलभूत सुविधा देने के बाद ही गांव खाली कराये। आगामी पंचायत चुनाव भी कराए जाए।

असामाजिक तत्वों ने मचाया उत्पात

चालक के साथ की जमकर पिटाई

कोरबा। दो दिन पूर्व कोरबा शहर के राताखार मोहल्ले के समीप एक बाइक सवार की सड़क दुर्घटना में मृत्यु के बाद असामाजिक तत्वों ने उत्पात मचा दिया था। कई गाड़ियों को आग के हवाले कर देने वाले युवकों ने ट्रक चालकों और आने-जाने वालों के साथ मारपीट कर आतंक का वातावरण निर्मित कर दिया था। असामाजिक तत्वों ने पुलिस के सामने ही एक चालक को बुरी तरह पीटा। जान बचाकर चालक को वहां से भागना पड़ा। इस घटना का किसी ने वीडियो बना लिया जो वायरल हो रहा है। वीडियो में स्पष्ट दिख रहा है की कई घंटे तक कैसे असामाजिक तत्वों ने कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ाई थी।

बताया जा रहा है कि राताखार निवासी 15 वर्षीय टिका दुबे अपने दो दोस्तों के साथ कहीं घूमने गया हुआ था इंस्टाग्राम कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत नहर किनारे राताखार के पास एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने अपनी चपेट में ले लिया और उसकी घटना से मौत हो गई इस हफ्ते के बाद लोगों ने चक्का जाम कर दिया और दो वाहनों में आज भी लगा दी इसके बाद आग पर काबू पाने पहुंचे दमकल वाहन पर भी तोड़फोड़ किया गया वहीं मथुरा में कुछ लोग घायल भी हो गए यह सब कुछ पुलिस के मौजूदगी में हो रहा था लेकिन वह भी मजबूर थे काफी देर रात तक चली इस घटना के बाद कहीं जाकर मामला शांत हुआ इस मामले में ट्रक चालक की बेरहमी से पिटाई

की जा रही है जिसका वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है इस घटना के बाद कोरबा ट्रक मालिक एसोसिएशन ने कलेक्टर और एसपी को ज्ञापन सौंप कर उत्पाद मचाने वाले और मारपीट करने वाले लोगों पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की मांग की है ताकि इस तरह की घटना दोबारा कोरबा में ना हो सके। ट्रक मालिक एसोसिएशन का कहना है कि ट्रक चालकों और मालिकों को सुरक्षा प्रदान किया जाए इसके अलावा ऐसी स्थिति में निपटने के लिए उन्हें तत्काल सुरक्षा प्रदान किया जाए।

कोरबा में सड़क हादसे के बाद मारपीट और आगजनी के मामले में सीएसपी भूषण एक्का ने बताया कि पुलिस ने एक दर्जन से अधिक उत्पातियों पर अपराध पंजीबद्ध किया है। पुलिस ने गैर जमानतीय धारा के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपियों की पहचान सोशल मीडिया में वायरल वीडियो से की जा रही। दो दिन पहले हादसे में एक्टिवा सवार युवक की सड़क हादसे में मौत के बाद असमाजिक तत्वों ने दो ट्रेलर वाहनों में लगा दी थी।

रायगढ़ में आंदोलन, बस्ती में पहुंचे जंगली हाथी

रातभर हो रही बिजली की कटौती, गुस्साए लोगों ने किया चक्का जाम

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में शुक्रवार की सुबह आधे दर्जन से भी अधिक जंगली हाथियों को बस्ती के करीब पहुंचते हुए देखा। वहीं लगातार बिजली कटौती करने से परेशान होकर लोगों ने घरघोड़ा-छाल मार्ग पर चक्का जाम शुरू कर दिया है। जिससे सड़क के दोनों तरफ वाहनों की कतार लगनी शुरू हो रही है।

मिली जानकारी के मुताबिक, घरघोड़ा-छाल मुख्य मार्ग में चक्का जाम कर रहे ग्रामीणों ने बताया कि घरघोड़ा क्षेत्र के कई गांवों में इन दिनों हाथियों का दल विचरण करने के चलते एक हफ्ते से अधिक समय से बिजली विभाग और वन विभाग के द्वारा रात-रात भर लाइन कटौती कर रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया की रात नौ बजे के आस पास कई गांवों की विद्युत लाइन काट दी जा रही है। फिर अगले दिन 7/8 बजे लाइन को जोड़ा जाता है।

ग्रामीणों ने यह भी बताया कि घरघोड़ा क्षेत्र के आसपास के गांव खोखरोआमा, भेंगारी, चारमार, देऊरमाल, डोंगाभौना, सिंघीझाप, बिलासखार, डेहरीडीह, पानीखेत गांव में रोजाना जंगली हाथी घुसकर जमकर तबाही मचा रहे हैं। हाथियों के गांव के करीब आते ही पुरे गांव की लाइन काट दी जाती है। जिससे पुरे गांव में अंधेरा होने के चलते ग्रामीणों में भी भारी दहशत का माहौल बना रहता है। रात के अंधेरे में हाथियों की चिंघाड़ से ग्रामीण सहमे हुए रहते हैं।

विद्युत लाइन काटने की बात को लेकर चक्का जाम करने वाले ग्रामीणों ने बताया कि घरघोड़ा क्षेत्र के टेंडानावापारा चौक में आधा दर्जन से अधिक गांव के ग्रामीणों के द्वारा चक्का जाम किया जा रहा है। सप्ताह भर से अधिक समय से लगातार लाइन काटने की वजह से ग्रामीणों ने बैठक कर आज आंदोलन करने का फैसला किया था। जिसके फलस्वरुप आंदोलन किया जा रहा है। इस मामले को लेकर घरघोड़ा एसडीएम को भी ज्ञापन देने की बात कही जा रही है।

जंगल में नर हाथी की मौत मामले में दो और गिरफ्तार

बलरामपुर-रामानुजगंज। बलरामपुर-रामानुजगंज वन परिक्षेत्र के छतवा जंगल में नर हाथी का शव बीते माह 19 दिसंबर को मिला था। इस मामले में वन विभाग ने दो आरोपियों हरि सिंह और परमेश्वर सिंह को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया था। जबकि दो और फरार आरोपियों की तलाश की जा रही थी। गुरुवार को इस मामले में वन विभाग को सफलता मिली है।

वन विभाग ने गुरुवार को गोवर्धन उर्फ राकेश कोरवा (36) और बालदेव सिंह (48) को गिरफ्तार कर वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 2,9,50,51 और 52 के तहत मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय में प्रस्तुत कर जेल दाखिल कराया गया।

वन विभाग अधिकारियों ने बताया कि यदि वन्य प्राणियों की अवैध शिकार से संबंधित कोई भी जानकारी मिलती है तो तत्काल वन विभाग को सूचना दें ताकि उचित कार्रवाई कर वन्य प्राणियों के अवैध शिकार पर अंकुश लगाया जा सकें।

बेमेतरा कलेक्टर का औचक निरीक्षण

अनुपस्थित अफसर कर्मचारियों को थमाया नोटिस

बेमेतरा। बेमेतरा कलेक्टर रणबीर शर्मा ने शुक्रवार सुबह 10 बजे बेमेतरा जिला संयुक्त कार्यालय की शाखाओं का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान ऑफिस में अनुपस्थित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।साथ ही साथ समय पर ना आने वाले कर्मचारियों को चेतावनी भी दी है।

आपको बता दें कि बेमेतरा जिला संयुक्त कार्यालय में अधिकारी कर्मचारियों के कार्यालय में समय में नहीं आने की शिकायत लगातार मिल रही थी। जिसे लेकर कलेक्टर ने संयुक्त जिला कार्यालय के शाखाओं का औचक निरीक्षण किया है। जहां समय सीमा के कार्यालय नहीं आने वाले अधिकारियों को नोटिस जारी किया। वहीं समय सीमा में कार्यालय आने को लेकर चेतावनी दी है। वहीं कलेक्टर रणबीर शर्मा ने समय से दफ्तर नहीं आने वाले अधिकारियों पर नाराजगी जताई है।

बेमेतरा कलेक्टर रणबीर शर्मा ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि सुबह 10 बजे से लेकर शाम 5 बजे तक का ऑफिस का समय है। लेकिन कई अधिकारी कर्मचारी समय से ऑफिस नहीं आते थे। जिसे लेकर मैंने कलेक्ट्रोरेट के शाखाओं का औचक परीक्षण किया है ।जहां 37 अधिकारी कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए हैं। जिन्हें कारण बताओं नोटिस जारी किया गया है। वहीं उन्हें समय सीमा में दफ्तर आने की चेतावनी दी गई है।

संयुक्त कार्यालय के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कर्मचारियों के कार्यालय में आने और जाने के समय का निरीक्षण किया। उन्होंने उपस्थिति रिकॉर्ड की जांच की और यह सुनिश्चित किया कि सभी कर्मचारी समय पर कार्यालय में उपस्थित रहें। इसके साथ ही उन्होंने लंच ब्रेक की अवधि और उसके दौरान कर्मचारियों की उपस्थिति की भी जानकारी ली। कलेक्टर ने निर्देश दिया कि लंच ब्रेक के बाद सभी कर्मचारी समय पर वापस कार्यस्थल पर उपस्थित हों, ताकि सरकारी कामकाज में कोई रुकावट न हो।

कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान कर्मचारियों की उपस्थिति पंजी का भी अवलोकन किया। उन्होंने उपस्थिति पंजी में दर्ज कर्मचारियों के समय पर आने और जाने की जानकारी ली। कलेक्टर ने ये सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि सभी कर्मचारी नियमित रूप से अपनी उपस्थिति सही समय पर दर्ज करें। साथ ही कहा कि अनुशासनहीनता या देरी पर सख्त कार्रवाई की जाएगी, ताकि कार्यालय में कामकाज सुचारू रूप से चले।

स्कूल से नादारद प्रधान पाठक की सेवाएं समाप्त

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही। जिला शिक्षा अधिकारी ने अनाधिकृत रूप से लंबे समय से अनुपस्थित रहने वाले चार कर्मचारियों की सेवाएं कलेक्टर के अनुमोदन से समाप्त कर दी हैं। इन कर्मचारियों में प्राथमिक शाला डोंगरगढ़ी के प्रधान पाठक गौरीशंकर दिनकर, प्राथमिक शाला कोटमीकला की सहायक शिक्षक निवेदिता लदेर, प्राथमिक शाला बारीउमराव की सहायक शिक्षक रानू मसराम और शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोरजा के सहायक ग्रेड 3 अग्रणी तिवारी शामिल हैं। बता दें उन्हें अंतिम अवसर प्रदान करते हुए 10 दिन के भीतर जवाब प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया था।

बता दें कि इन कर्मचारियों ने 10 दिनों तक कोई उत्तर नहीं मिलने की वजह से अब नवा रायपुर स्थित सामान्य प्रशासन विभाग (नियम शाखा) के निर्देशानुसार, इन कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त कर दी है और उन्हें तत्काल पदमुक्त कर दिया गया है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

कलेक्टर अग्रवाल ने सम्हाला प्रशासक का प्रभार

राजनांदगांव। राज्य सरकार के आदेश पर कलेक्टर संजय अग्रवाल ने नगर निगम राजनांदगांव में शुक्रवार को सुबह 11.30 बजे के आसपास बतौर प्रशासक की कुर्सी सम्हाल ली और इसी के साथ ही महापौर हेमा देशमुख के कार्यकाल का समापन हो गया। कलेक्टर के प्रशासक नियुक्त होने के साथ ही राजनीतिक रूप से निगम में दखलंदाजी भी खत्म हो गई। पदभार ग्रहण करते ही कलेक्टर ने शहर की सड़कें, नालियां, साफ-सफाई और गर्मी में पेयजल से निपटने के प्लान पर की जानकारी मांगी। बीते दिनों राज्य सरकार ने राजनांदगांव नगर निगम समेत प्रदेशभर के नगर निगम में जिला कलेक्टरों को प्रशासक नियुक्त करने का आदेश जारी किया था। इस आशय के आदेश के तहत आज कलेक्टर ने प्रशासक के तौर पर निगम का जिम्मा अपने हाथ में ले लिया। बतौर प्रशासक श्री अग्रवाल ने नगर निगम के अधीन शहर में चल रहे अधोसंरचना के कार्यों का ब्यौरा भी मांगा है। विशेषकर उन्होंने सडकें, नालियां और साफ-सफाई की मौजूदा स्थिति को लेकर स्पष्ट जानकारी मांगी है।

सोशल मीडिया में चाकू के साथ फोटो अपलोड करना पड़ा भारी

बलौदाबाजार- भाटापारा। भाटापारा में सोशल मीडिया में धारदार चाकू के साथ फोटो अपलोड करना भारी पड़ गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस को मुखबिर के द्वारा सूचना मिली कि के.के. वार्ड भाटापारा में एक आरोपी अपने पास एक धारदार चाकू रखा हुआ है। साथ ही उसने धारदार चाकू के साथ सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर अपना फोटो भी अपलोड किया हुआ है। सूचना पर थाना शहर पुलिस द्वारा के.के.वार्ड भाटापारा में दबिश देकर आरोपी ओम ध्रुव को हिरासत में लिया गया, जिससे पूछताछ करने पर आरोपी द्वारा धारदार चाकू अपने पास रखने एवं उसके साथ फोटो सोशल मीडिया इंस्टाग्राम में अपलोड करना स्वीकार किया गया। धारा 25 आर्म्स एक्ट का प्रकरण पंजीबध्द कर आरोपी को गिरफ्तार करते हुए न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

शिक्षकों से गाली-गलौज करने वाले न्यायिक रिमांड पर

बिलासपुर। ग्राम बघेलकापा के शासकीय स्कूल में गुरुवार को स्कूल परिसर में शिक्षकों से गाली-गलौज और मारपीट करने वाले चार आरोपियों को थाना कोटा पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपी भूपेश बघेल (24), सोमेश्वर दिनकर (28), समेर दिनकर (18) और राहुल मरावी (18) शराब के नशे में स्कूल के अंदर घुस आए। उन्होंने शिक्षकों से बदसलूकी की और मारपीट शुरू कर दी। घटना की सूचना पर प्रार्थिया द्वारा थाना कोटा में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। थाना कोटा पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए धारा 296, 351(2), 333, 3(5) बी.एन.एस. और धारा 170, 126, 135 (3) बी.एन.एस.एस. के तहत मामला पंजीबद्ध किया। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

संत थवाईत राज्य संयोजक नियुक्त

कवर्धा। दक्षिण एशिया बिरादरी संगठन के विगत दिनों हरिद्वार में आयोजित सम्मिट में संगठन का पुर्नगठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष दीपक मालवीय ने छत्तीसगढ़ राज्य के लिए वरिष्ठ सदस्य संत थवाईत को राज्य संयोजक नियुक्त किया। विदित हो कि थवाईत इस संगठन से विगत तीस वर्षों से जुड़े हुए है, इस संगठन का उद्देश्य दक्षिण एशियाई देशों के बीच शांति सामंजस्य, सहअस्तित्व ,मैत्री एवं सहयोग बढ़ाने के साथ साथ इन देशों की समस्याओं को वैश्विक स्तर पर सामने लाकर सम्बंधित देशों की सरकारों से दूर कराने के लिए नीति निर्माण सुझाव और परामर्श देना है। थवाईत की इस नियुक्ति पर चाम्पा के प्रोफसर भूपेंद्र पटेल, कटघोरा कालेज के प्रोफेसर, शिवदयाल पटेल, दुर्ग के रवि देशमुख, राजनांदगांव के आशीष वर्मा ,रायगढ़ के बाबूभाई श्रीवास रायपुर के संजीव थवाईत सहित प्रदेश भर के सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बधाई प्रेषित करते हुए संगठन के विस्तार कार्य को गति देने की अपेक्षा किये हैं।

कुल्हाड़ी से हमला कर पति ने की पत्नी की हत्या

बालोद। गुरुर थाना क्षेत्र के कंवर चौकी के अंतर्गत सांगली गांव में पति ने अपने ही पत्नी पर कुल्हाड़ी से सिर पर वार कर फरार हो गया। जब तक उसे गांव वाले अस्पताल पहुंचाते तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। गुरुर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर उसकी खोजबीन में जुट गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपी पति केवल साहू शुक्रवार की अलसुबह 5 बजे के आसपास अपनी पत्नी मृतिका ईश्वरी साहू पर कुल्हाड़ी से सिर पर हमला कर फरार हो गया। आसपास के गांव वाले जब उसके घर के पास से गुजर रहे थे ता लहुलुहान हालत में उसे देखकर तत्काल अस्पताल लेकर गए लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसने दम तोड़ दिया और डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर गुरुर पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर मृतिका के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर जांच में जुट गई है। पुलिस आरोपी पति केवल साहू की तलाश में जुट गई है। फिलहाल हत्या के पीछे का कारण पता नहीं चल सका है।

पुराने वर्ष की विदाई और नए वर्ष के आगाज में 52 लाख की बिकी शराब

बलरामपुर रामानुजगंज। बलरामपुर रामानुजगंज जिले में पुराने वर्ष के विदाई एवं नए वर्ष के स्वागत में 31 दिसंबर एवं 1 जनवरी को 52 लाख का मदिरापान लोगों ने किया। 31 जनवरी को 25 लाख 70 हजार रुपए शराब की बिक्री रही वहीं 1 जनवरी को 26 लाख 99 हजार शराब की बिक्री रही।

जिले में पांच अंग्रेजी शराब दुकान रामानुजगंज, वाड्रफनगर,बलरामपुर,कुसमी, राजपुर में है। जिले में सबसे अधिक शराब की बिक्री राजपुर अंग्रेजी शराब दुकान में हुई यहां 31 दिसम्बर को 8 लाख 25 हजार की शराब बिक्री, 31 दिसंबर को एवं 8 लाख 52 हजार की शराब की बिक्री हुई। सबसे कम रामानुजगंज में शराब की बिक्री रही क्योंकि यहां पर पड़ोसी राज्य झारखंड के गोदरमाना में छत्तीसगढ़ से सस्ती शराब मिल जाती है यहां पर 31 दिसंबर को 2 लाख 95 हजार की बिक्री रही वहीं दूसरे दिन 1 जनवरी 2 लाख 95 हजार की ही शराब की बिक्री हुई। राजपुर के बाद सबसे अधिक शराब की बिक्री में कुसमी रहा जहां 31 जनवरी को 5 लाख 72 हजार रुपये शराब की बिक्री हुई वहीं 1 जनवरी को 6 लाख ?20 हजार की शराब की बिक्री हुई। जिला मुख्यालय में 31 दिसंबर को शराब की बिक्री चार लाख 85 हजार रुपय वही 1 जनवरी को 5 लाख 36 हजार रुपये की रही।

सभी ब्रांड अंग्रेजी शराब के रहे उपलब्ध

जिले के सभी अंग्रेजी दुकानों में राम बोथ का वाइन व्हिस्की के सभी ब्रांड उपलब्ध रहे पिछले वर्ष जहां आईबी एवं आईएस उपलब्ध नहीं था वही इस बार पर्याप्त मात्रा में सभी शराब दुकानों में उपलब्ध रहा वहीं रेड लेबल एवं जानी वाकर जैसे महंगे शराब भी शराब दुकानों में उपलब्ध रहे। ?3000 तक के शराब सभी दुकानों में रहे।

पिछले वर्ष की तुलना में 19 लाख की अधिक बिक्री

पिछले वर्ष 31 दिसंबर को 16 लख रुपए की अंग्रेजी शराब की बिक्री हुई थी वही 1 जनवरी को 17 लख रुपए की अंग्रेजी शराब की बिक्री हुई थी परंतु इस बार पिछले वर्ष की तुलना में दो दिनों में 19 लाख रुपए की अधिक शराब की बिक्री हुई।

सामान्य दिनों से ढाई गुना ज्यादा रही बिक्री

31 दिसंबर एवं 1 जनवरी को सामान्य दिनों से ढाई गुना ज्यादा बिक्री रही जहां पहले सामान्य दिनों में 10 लख रुपए प्रतिदिन जिले के सभी शराब दुकानों को मिलाकर बिक्री होती थी वही 31 जनवरी एवं 1 जनवरी को ढाई गुना ज्यादा बिक्री हुई।

जिला आबकारी अधिकारी सुनील सूर्यवंशी ने बताया कि जिले के सभी शराब दुकानों हर प्रकार के ब्रांड की शराब उपलब्ध थी पिछले वर्ष की तुलना 31 दिसंबर एवं 1 जनवरी को 19 लख रुपए की अधिक शराब की बिक्री हुई।

जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़, 1 माओवादी ढेर

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले के इंदागांव थाना क्षेत्र में सुरक्षा बल के जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। कंडेशर गांव में बस्तर बटालियन और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में एक नक्सली ढेर हुआ है। गरियाबंद पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने इस मुठभेड़ की पुष्टि की है। गरियाबंद पुलिस अधीक्षक के मुताबिक मुठभेड़ अब भी जारी है। कुछ अन्य नक्सलियों के मारे जाने या घायल होने की भी सूचना है।

साल 2025 की पहली मुठभेड़ : छत्तीसगढ़ में यह साल 2025 की पहली मुठभेड़ है। छत्तीसगढ़ में नक्सल मोर्चे पर सुरक्षा बलों को साल 2024 में बड़ी कामयाबी भी मिली है।

सुरक्षा बल के जवान लगातार बड़े नक्सल ऑपरेशन को अंजाम दे रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी साल 2024 में अपने छत्तीसगढ़ दौरे पर कह चुके हैं कि 31 मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ पूरी तरह नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा।

बस्तर में साल 2024 में नक्सल ऑपरेशन : छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में बीता साल 2024 नक्सलियों पर भारी रहा। अकेले बीजापुर में ही साल 2024 में माओवादियों के खिलाफ फोर्स ने कुल 406 नक्सल ऑपरेशन को अंजाम दिया। इन मुठभेड़ों में 50 से ज्यादा नक्सली मारे गए। कई नक्सली गिरफ्तार हुए और कई माओवादियों ने सरेंडर किया। साल 2024 में बीजापुर में 13 नए कैंप खोले गए।

बात करें सुकमा की तो यहां साल 2024 में 326 माओवादियों ने सरेंडर किया। सुरक्षाबल के जवानों ने 26 हार्डकोर नक्सलियों को मार गिराया। 292 नक्सलियों की गिरफ्तारी हुई। साल 2024 में सुकमा में 11 नए सुरक्षा कैंप खोले गए।

संक्षिप्त समाचार

दल्लीराजहरा नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी भूपेन्द्र निलंबित

रायपुर। राज्य शासन ने दल्लीराजहरा नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी भूपेन्द्र वार्डेकर को निलंबित कर दिया है। कोंडागांव नगर पालिका में प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी की पदस्थापना के दौरान अध्यक्ष कक्ष के रिनोवेशन कार्य एवं फर्नीचर खरीदी में गंभीर अनियमितता पाए जाने पर गंभीर कदाचार मानते हुए राज्य शासन ने उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी। निलंबन अवधि में श्री वार्डेकर का मुख्यालय नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के क्षेत्रीय संयुक्त संचालक कार्यालय, जगदलपुर नियत किया गया है। मंत्रालय द्वारा जारी निलंबन आदेश की प्रति नगरीय प्रशासन विभाग के संचालक को प्रेषित करते हुए राज्य शासन ने श्री भूपेन्द्र वार्डेकर के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए समय-सीमा में आरोप पत्रादि का प्रारूप विभाग को भेजने के निर्देश दिए हैं।

26 पुलिस कर्मियों का हुआ तबादला

बिलासपुर। पुलिस विभाग में एसपी रजनेश सिंह ने बेहतर कार्यकुशलता और व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए 26 पुलिस कर्मियों का तबादला कर दिया है। इस फेरबदल में एक एएसआई, पांच प्रधान आरक्षकों और अन्य पुलिस कर्मी शामिल है। जारी आदेश के तहत एएसआई अशोक मिश्रा को पुलिस सहायता केंद्र केंदा से पुलिस लाइन भेजा गया है। प्रधान आरक्षक पंकज राय को पुलिस लाइन से कोटा थाने में तैनात किया गया है, जबकि लक्ष्मण सिंह को पचपेड़ी से पुलिस लाइन में स्थानांतरित किया गया है। कान्हा अंचल को भी पुलिस लाइन से पचपेड़ी भेजा गया है। इसके अलावा, प्रवीण पाण्डेय को हिर्री से जूनापारा चौकी में तैनात किया गया है, जबकि रगेश चंद्र पटनायक को पुलिस नियंत्रण कक्ष से कोनी थाने में भेजा गया है। आरक्षक गोविंद शर्मा को पुलिस लाइन से तारबाहर थाने में स्थानांतरित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय लोचन प्रसाद पाण्डेय की जयंती पर उन्हें किया याद

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध साहित्यकार स्वर्गीय श्री लोचन प्रसाद पाण्डेय की 4 जनवरी को जयंती पर उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को याद करते हुए सादर नमन किया है। श्री साय ने कहा कि बिलासपुर जिले के छोटे से गांव बालपुर में जन्मे पाण्डेय जी ने अपनी लेखनी से साहित्य के क्षेत्र में विशेष प्रतिष्ठा हासिल की। उन्होंने छत्तीसगढ़ी, हिन्दी और उड़िया में कई रचनाएं लिखी। श्री लोचन प्रसाद पाण्डेय ने अपनी रचनाओं के माध्यम से संयम और चरित्रोत्थान के लिए पाठकों को प्रेरित किया। श्री साय ने कहा कि साहित्य वाचस्पति सम्मान से विभूषित श्री लोचन प्रसाद पाण्डेय का नाम छत्तीसगढ़ के साहित्य गौरव के रूप में हमेशा आदर से लिया जाएगा।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देने महंत पहुंचे नई दिल्ली निवास

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत शुक्रवार को नई दिल्ली में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. डॉ. मनमोहन सिंह के सरकारी निवास पर पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। डॉ. महंत ने डॉ. मनमोहन सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर अपनी ओर से भाव पूर्ण श्रद्धांजलि ब्यक्त की। स्व. डॉ. सिंह के निधन पर आयोजित शांति पाठ में भी शामिल हुए। इस दुख की घड़ी में परिजनों से मिलकर ढांढस बंधाया। इस अवसर पर पीसीसी के उपाध्यक्ष व पूर्व विधायक गुरुमुख सिंह होरा भी उपस्थित थे।

चाकू से जानलेवा हमला करने वाला संजय रात्रे गिरफ्तार

रायपुर। न्यू ईयर पार्टी में डांस करने के दौरान धक्का लगने की बात पर चाकू से जानलेवा हमला करने वाला संजय रात्रे को न्यू राजेंद्र नगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक इन्द्रात्मा नगर पुरैना गली नंबर 3 निवासी अरूण सोना 31 दिसंबर की रात अपने साथियों के साथ नव वर्ष की पार्टी का आयोजन कर साउंड बॉक्स में गाना बजा रहे थे। अरूण व संजय रात्रे, योगेश साहू, नरेश कुमार साहू सहित अन्य कई लोग डांस कर रहे थे। इसी दौरान योगेश साहू का धक्का संजय रात्रे को लग गया था। इस पर वह गाली गलौच करने लगा जिसे शांत कराया गया। पार्टी खत्म होने के बाद सभी अपने घर जा रहे थे कि संजय रात्रे पुन~ योगेश साहू को अश्लील गाली गलौच देते हुए जान से मारने की धमकी देकर अपने पास रखे चाकू से योगेश साहू के पेट में वार कर प्राणघातक हमला किया। इस पर अरूण की रिपोर्ट पर धारा 109, 296, 351(2) बीएनएस का अपराध दर्ज कर संजय की तलाश कर रही थी। मुखबिर की सूचना पर संजय रात्रे को डबरी पारा शिव मंदिर के पास पुरैना से गिरफ्तार कर लिया गया।

दंतेवाड़ा जिला अस्पताल में डॉ. अभय तोमर को बनाया गया नया सिविल सर्जन

दंतेवाड़ा। जिला अस्पताल में फंगस वाली ओटी में मोतियाबिंद के किए गये ऑपरेशन में 17 मरीजों को इन्फेक्शन हुआ था। इस नेत्रकाण्ड में अब तक अस्पताल के 7 कर्मचारियों पर गाज गिर चुकी है। नेत्रकाण्ड के दो महीने बाद प्रभारी सिविल सर्जन डॉ गंगेश को हटाया गया, और उसकी जगह डॉ. अभय तोमर को नया सिविल सर्जन बनाया है। डॉ. अभय तोमर इसके पहले बीजापुर और सुकमा में बतौर सिविल सर्जन अपनी सेवाएं दे चुके हैं। बीजापुर जिला अस्पताल और सुकमा में तोमर के कार्यकाल में एंक्रास और कायाकल्प जैसे कई पुरस्कार अर्जित किए हैं। डॉ. अभय तोमर के अनुभव का लाभ दंतेवाड़ा जिला अस्पताल को होगा।

12 से 26 फरवरी तक आयोजित होगा राजिम कुंभ कल्प

छत्तीसगढ़ की समृद्ध परंपराओं और संस्कृति को प्रदर्शित करने का माध्यम बनेगा राजिम कुंभ कल्प : मुख्यमंत्री साय

- **साय ने राजिम कुंभ कल्प की तैयारियों के सम्बन्ध में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक कर दिए जरूरी निर्देश**

रायपुर। छत्तीसगढ़ के प्रयाग के रूप में प्रसिद्ध राजिम में 12 फरवरी से 26 फरवरी 2025 तक कुंभ कल्प का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष यह अद्भुत धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन 52 एकड़ के नए प्रस्तावित मेला स्थल में संपन्न होगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने मंत्रालय महानदी भवन स्थित बैठक कक्ष में आज राजिम कुंभ कल्प के तैयारियों के संबंध में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने शाही स्नान, गंगा आरती, संत समागम समेत कुंभ कल्प के प्रमुख आयोजनों और श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राजिम कुंभ कल्प 2025 धर्म, आस्था और संस्कृति का अद्भुत समागम होगा और यह छत्तीसगढ़ की समृद्ध परंपराओं और संस्कृति को प्रदर्शित करने का भी सुंदर माध्यम है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि श्रद्धालुओं को यहां अविस्मरणीय अनुभव प्राप्त हो और यह आयोजन हमारी गौरवशाली विरासत को देश-दुनिया तक पहुंचाएं। मुख्यमंत्री साय ने राजिम कुंभ कल्प के आयोजन में शामिल समस्त विभागों और प्रशासनिक अमले को आपस में समन्वय स्थापित कर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने श्रद्धालुओं के आवागमन की व्यवस्था, सुरक्षा संबंधी उपाय और स्वच्छता के लिए विशेष ध्यान देने को कहा। श्री साय ने कहा कि हम सबकी

जिम्मेदारी है कि इस आयोजन को सफल बनाएं और छत्तीसगढ़ की पहचान के रूप में इसे स्थापित करें। उन्होंने 12 फरवरी को आयोजित माघी पुन्नी स्नान, 21 फरवरी जानकी जयंती के अवसर पर संत समागम और 26 फरवरी को होने वाले शाही स्नान की तैयारी पर विशेष ध्यान देने को कहा।

मुख्यमंत्री साय को अपर मुख्य सचिव श्री सुब्रत साहू ने राजिम कुंभ कल्प 2025 के आयोजन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने पीपीटी के माध्यम से आयोजन स्थल में विभिन्न गतिविधियों के लिए निर्धारित स्थानों के बारे में बताया। कुंभ कल्प में नागरिक सुविधाओं, साधु संतों के आवागमन, शाही स्नान और गंगा आरती को लेकर विभाग के तैयारियों के बारे में जानकारी दी।

उल्लेखनीय है कि 12 फरवरी को माघी पूर्णिमा के पावन अवसर पर राजिम कुंभ कल्प का शुभारंभ होगा और 26 फरवरी महाशिवरात्रि को इसका समापन होगा। राजिम कुंभ कल्प पैरी, महानदी और सोंढूर नदी के संगम पर आयोजित होगा। श्रद्धालु इन पवित्र नदियों में स्नान कर पुण्य लाभ प्राप्त करेंगे। राजिम कुंभ कल्प के संपूर्ण आयोजन के लिए पर्यटन विभाग को नोडल बनाया गया है। 15 दिनों तक चलने वाले इस कुंभ कल्प में पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी साधु संतों का विराट समागम होगा। माघी पुन्नी स्नान, शाही स्नान, जानकी जयंती के अवसर पर संत समागम विशेष रूप से आयोजित होगा। प्रतिदिन सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन, मेला, मड़ई, मीना बाजार और विभागीय प्रदर्शनी भी कुंभ कल्प का विशेष आकर्षण के रूप में शामिल हैं। बैठक में विधायक श्री रोहित साहू, मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव श्री राहुल भगत, सचिव धर्मस्व श्री अन्बलगन पी., संचालक संस्कृति श्री विवेक आचार्य, आईजी रायपुर श्री अमरेश मिश्रा, कलेक्टर गरियाबंद श्री दीपक अग्रवाल सहित अन्य विभागीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

ईडी की कार्रवाई पर गरमाई सियासत

शिव डहरिया ने कहा- लखमा जैसे ईमानदार कहीं नहीं मिलेंगे

रायपुर। विधायक देवेंद्र यादव के बाद कवासी लखमा की गिरफ्तारी की संभावना बढ़ गई है। श्वष्ठ की कार्रवाई पर पूर्व मंत्री शिव डहरिया ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, श्वष्ठ चाहती तो कार्रवाई पहले भी कर सकती है, लेकिन चुनाव से ठीक पहले बस्तर के मजबूत कड़ी को तोड़ने की कोशिश है। लखमा जैसे ईमानदार आदमी कही नहीं मिलेंगे। आदिवासी आदमी है, वो निर्दोष साबित होंगे। इस मामले में उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) एक केंद्रीय जांच एजेंसी है। चाहे वह छोटा आदमी हो या बड़ा आदमी हो, एजेंसी समान रूप से जांच करती है।

डहरिया ने कहा, विधानसभा में लखमा जी अच्छा बोलते हैं। प्रदेश के आदिवासी और गरीब तबके की आवाज उठाते हैं। कांग्रेस के नेताओं को टारगेट किया जा रहा है। ये कांग्रेस पार्टी को तोड़ने की साजिश है। गिरफ्तारी के बाद पार्टी की रणनीति पर डहरिया ने कहा, बिना जांच के कोई एजेंसी किसी को दोषी नहीं बता सकती। यदि ऐसा होता है तो पार्टी के वरिष्ठ नेता तय करेंगे आगे क्या करना है।

कांग्रेस के बयान पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) एक केंद्रीय जांच एजेंसी है। जो जानकारी है वो जानकारी उपलब्ध करानी चाहिए। चाहे वह छोटा आदमी हो या बड़ा आदमी हो, एजेंसी समान रूप से जांच करती है। जांच के जो तथ्य है, उसे स्पष्ट रूप से बताना चाहिए। लखमा के बयान पर पलटवार करते हुए उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि कवासी लखमा को ईडी ने पूछताछ के लिए बुलाया है तो जांच में सहयोग करें। अगर आप निर्दोष हैं तो उस तरह की बात कीजिए। ईडी सभी बातों पर विचार करेगी। डिप्टी सीएम साव ने भूपेश बघेल के बयान पर कहा कि छत्तीसगढ़ का एक-एक व्यक्ति इस बात को जानता है कि प्रदेश में शराब घोटाला हो रहा था। कैसे शराब दुकानों में दो-दो काउंटर बने थे। नकली होलोग्राम का उपयोग किया गया था। कांग्रेस सरकार में एक आर्गनाइज क्रिमिनल सिंडिकेट बनाकर शराब घोटाले को अंजाम दिया गया। ये छत्तीसगढ़ के आम लोग जानते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में ये जांच कांग्रेस सरकार के रहते हुए शुरू हुई थी। जांच एक सतत प्रकिया है। केंद्रीय जांच एजेंसी की प्रकिया पर सभी को भरोसा करना चाहिए। जो तथ्य हैं वह ईडी को बताना चाहिए। बता दें कि छत्तीसगढ़ के चर्चित शराब घोटाला मामले में पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा के साथ उनके बेटे कवासी हरीश और तत्कालीन ओएसडी जयंत देवांगन से ईडी ने पूछताछ शुरू कर दी है। 28 दिसंबर को कवासी लखमा के साथ-साथ उनके पुत्र के निवास में छापा मारा था, जिसमें ईडी ने नकद लेन-देन के सबूत मिलने की जानकारी दी थी, जिसके साथ ही संपत्ति की जानकारी देने आज तक का समय दिया था।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला : ईडी ऑफिस पहुंचे कवासी लखमा

छापेमारी में मिले थे लेन-देन के सबूत

रायपुर। छत्तीसगढ़ के चर्चित शराब घोटाला मामले में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में आबकारी मंत्री रहे कवासी लखमा के साथ उनके बेटे कवासी हरीश और तत्कालीन ओएसडी जयंत देवांगन से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पूछताछ शुरू कर दी है। कवासी लखमा के साथ उनके पुत्र कवासी हरीश और तत्कालीन ओएसडी देवांगन को ईडी ने पूछताछ के लिए तलब किया था।

बता दें कि ईडी ने 28 दिसंबर को कवासी लखमा के साथ-साथ उनके पुत्र के निवास में छापा मारा था, जिसमें ईडी ने नकद लेन-देन के सबूत मिलने की जानकारी दी थी, जिसके साथ ही संपत्ति की जानकारी देने शुक्रवार तक का समय दिया था।

ईडी दफ्तर के लिए रवाना होने से पहले कवासी लखमा ने गिरफ्तार किए जाने के सवाल पर कहा था कि जो भी कानून का फैसला होगा मंजूर है। कानून से बाहर नहीं जाऊंगा। इसके साथ ही उन्होंने सरकार जानबूझकर फंसाने का आरोप लगाते हुए कहा कि जब तक मेरी सांस रहेगी बस्तर का आवाज़ उठाऊंगा।

कवासी ने कहा कि विधानसभा में मैंने बस्तर का आवाज़ उठाई, इस वजह से इस तरह की कार्रवाई हो रही है। लगातार चुनाव जीत रहा हूं। बीजेपी न तो जिला पंचायत जीत पाई, और न ही नगर पंचायत। इसी वजह से मुझे दबाया जा रहा है। वहीं कवासी हरीश ने कहा कि मेरे पास से कुछ नहीं मिला। सभी को पता है छापा क्यों पड़ा। मैं बाद में अपनी बात कहूंगा।

शॉर्ट सर्किट से गोदाम में लगी भीषण आग

खैरागढ़। जिला मुख्यालय से लगभग दस किलोमीटर दूर स्थित ग्राम अवेली स्थित एक गोदाम में बीती रात आग लग गई, जिससे लाखों का नुकसान हो गया।

आग की वजह से गोदाम में रखा कृषि उपयोगी सामान, जैसे बीज, खाद और कृषि उपकरण आदि पूरी तरह से जलकर खाक हो गए हैं। आज सुबह गांव वालों ने जब गोदाम में आग देखी तब उन्होंने तत्काल जिला मुख्यालय संपर्क कर दमकल विभाग को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची दमकल गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

जानकारी के मुताबिक, गोदाम में सिचाईं करने के लिए प्लास्टिक के पाइप और उर्वरक भी रखे थे, जिसकी वजह से आग और भड़क गई। गोदाम से उठता काले धुँवे के गुब्बार को देख आसपास के सभी लोग सहम गए। गोदाम के मालिक लीलाराम देवांगन ने बताया कि अंदर लाखों रुपये का सामान रखा हुआ था, जो पूरी तरह नष्ट हो गया।

बता दें कि गोदाम में आग लगने का मुख्य कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, लेकिन फिलहाल घटना की विस्तृत जांच की जा रही है। बहरहाल, स्थानीय प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया है और आग से प्रभावित परिवार को उचित सहायता का आश्वासन दिया है।

दुर्ग-विशाखापट्टनम वंदे भारत को नहीं मिल रहे यात्री

रायपुर। प्रीमियम वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों में से एक, दुर्ग-विशाखापट्टनम वंदे भारत एक्सप्रेस, यात्रियों की कमी के कारण रेलवे के लिए घाटे का सौदा बनती जा रही है। 16 कोच वाली इस ट्रेन में औसतन 70त्न सीटें खाली रहती हैं। यात्रियों की संख्या में लगातार हो रही कमी को देखते हुए रेलवे ने कोच की संख्या घटाकर 8 करने का फैसला लिया है।

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में 16 डिब्बों वाली इस ट्रेन में प्रतिदिन केवल 30त्न सीटों की ही बुकिंग हो पाती है। इससे रेलवे को भारी नुकसान हो रहा है। एक महीने पहले रेलवे बोर्ड को डिब्बों की संख्या घटाने का प्रस्ताव भेजा गया था, जिसे जल्द ही मंजूरी मिलने की उम्मीद है।

डिब्बों की संख्या घटाने के लिए 8 डिब्बों वाले नए रैक की व्यवस्था की जाएगी। मौजूदा 16 डिब्बों वाले रैक को वापस भेजा जाएगा क्योंकि वंदे भारत ट्रेनों के डिब्बों को अलग नहीं किया जा सकता। अधिकारियों का मानना है कि डिब्बों की संख्या कम करने से यात्रियों की संख्या में सुधार हो सकता है और ट्रेन को लाभदायक बनाया जा सकता है।

वर्तमान में इस ट्रेन में 16 डिब्बे हैं, जिनमें 2 एग्जीक्यूटिव क्लास और 14 चेयर कार डिब्बे शामिल हैं। कुल मिलाकर ट्रेन 1128 यात्रियों को बैठने की सुविधा प्रदान करती है। लेकिन ऊंचे किराए के चलते अधिकांश यात्री इस ट्रेन में यात्रा करने से बच रहे हैं। रायपुर और विशाखापट्टनम दोनों दिशाओं में यात्रियों की कमी स्पष्ट रूप से नजर आ रही है।

दुर्ग-विशाखापट्टनम वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरुआत पिछले साल 16 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्चुअल हरी झंडी दिखाने के साथ हुई थी। यह ट्रेन 20 सितंबर से नियमित रूप से सप्ताह में छह दिन (गुरुवार को छोड़कर) संचालित हो रही है।

यह छत्तीसगढ़ को मिली दूसरी वंदे भारत ट्रेन है। इससे पहले दिसंबर 2022 में बिलासपुर-नागपुर वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरुआत हुई थी। उस ट्रेन में भी यात्रियों की कमी के कारण डिब्बों की संख्या घटाकर आधी कर दी गई थी।

यात्रियों की घटती संख्या और ऊंचे किराए के चलते वंदे भारत जैसी प्रीमियम ट्रेनें रेलवे के लिए चुनौती बनती जा रही हैं। हालांकि, डिब्बों की संख्या कम करने से रेलवे को घाटे से उबारने में मदद मिल सकती है।

रेलवे अधिकारियों ने उम्मीद जताई है कि डिब्बों की संख्या घटाने और प्रचार-प्रसार बढ़ाने से इस ट्रेन में यात्रियों की संख्या में सुधार हो सकता है। यात्रियों के लिए किराए में संभावित छूट या सुविधाओं में सुधार जैसे कदम भी इस दिशा में कारगर साबित हो सकते हैं।

दुर्ग-विशाखापट्टनम वंदे भारत एक्सप्रेस का यह मामला यह दर्शाता है कि प्रीमियम सेवाओं को सफल बनाने के लिए न केवल उच्च गुणवत्ता की जरूरत है, बल्कि यात्रियों की आवश्यकताओं और उनकी भुगतान क्षमता को भी ध्यान में रखना अनिवार्य है।

बीएड शिक्षकों के आंदोलन पर पुलिस की सख्ती

रायपुर। राजधानी में सहायक शिक्षकों के बीएड आंदोलन के खिलाफ प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। भाजपा के प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में घुसपैठ और चक्काजाम के आरोप में अब तक 40 प्रदर्शनकारी शिक्षकों को हिरासत में लिया जा चुका है। बुधवार को 30 शिक्षकों को जेल भेजा गया था, जबकि गुरुवार को 10 और शिक्षकों पर प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। प्रशासन ने इन शिक्षकों को भी जल्द जेल भेजने की तैयारी की है। गिरफ्तारी के बाद शिक्षकों के परिजन बेहद परेशान हैं। परिजनों ने आरोप लगाया है कि उन्हें अपने बच्चों की स्थिति के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं मिल रही है। कई परिवारों को यह भी नहीं पता कि उनके बच्चे हिरासत में हैं या नहीं। परिजनों का कहना है कि प्रशासन की ओर से सही जानकारी नहीं मिलने से उनकी बेचैनी बढ़ रही है। बीएड योग्यताधारी सहायक शिक्षकों का कहना है कि उन्हें नौकरी से हटाना अन्यायपूर्ण है। उनका दावा है कि उन्होंने शांतिपूर्ण प्रदर्शन से अपनी बात रखने की कोशिश की, लेकिन प्रशासन द्वारा उनकी मांगों को नजरअंदाज किए जाने के बाद वे उग्र प्रदर्शन करने पर मजबूर हुए। शिक्षकों ने भाजपा प्रदेश कार्यालय के पास धरना दिया और परिसर में घुसने की कोशिश की। उनका कहना है कि नौकरी से हटाए जाने का फैसला उनके और उनके परिवारों के भविष्य पर संकट पैदा कर रहा है। धरने और घुसपैठ के दौरान स्थिति बिगड़ने पर माना पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। इन पर बिना अनुमति रैली निकालने और तोड़फोड़ करने का आरोप लगाया गया।

दयानंद ने रायपुर में मंडल रेल प्रबंधक का पदभार किया ग्रहण

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर रेल मंडल के नये मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद ने गुरुवार को नये मंडल रेल प्रबंधक के रुप में पदभार ग्रहण किया। दयानंद 1997 बैच के भारतीय रेलवे यातायात सेवा (इंडियन रेलवे ट्रैफिक सर्विस) के अधिकारी हैं। श्री दयानंद इससे पहले दक्षिण पूर्व रेलवे - कोलकाता में मुख्य वाणिज्य प्रबंधक फ्रेट एवं मार्केटिंग (सीसीएम -एफएम) के पद पर कार्यरत थे।

श्री दयानंद का 1 जनवरी रायपुर आगमन हुआ, सीधे मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय पहुंचकर रायपुर रेल मंडल के विषय में जानकारी प्राप्त की एवं पूर्व मंडल रेल प्रबंधक श्री संजीव कुमार के साथ औपचारिक भेंट करने के पश्चात कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। श्री दयानंद ने सभी कर्मचारियों से शिष्टाचार मुलाकात कर कर्मचारियों से परिचय प्राप्त करते हुए सभी को नव वर्ष की शुभकामनाएं दी साथ ही उत्साह उमंग एवं विश्वास के साथ कार्य कर जनता एवं राष्ट्र सेवा के लिए आह्वान किया।

श्री दयानंद को भारतीय रेलवे के प्रमुख मंडलों में धनबाद एवं दीनदयाल उपाध्याय नगर मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में वाणिज्य एवं माल लदान कार्य के गहन अनुभव के साथ कोलकाता महानगर में भी कार्य करने का अनुभव प्राप्त है। मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद अपनी रेल सेवा के दौरान पूर्व रेलवे - हावड़ा, पूर्व मध्य रेलवे - हाजीपुर एवं दक्षिण पूर्व रेलवे- हावड़ा में पदस्थ रहे। पूर्व मध्य रेलवे-हाजीपुर ज़ोन के धनबाद एवं दीनदयाल उपाध्याय, समस्तीपुर, सोनपुर, मंडलो में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक एवं वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक एवं पूर्व मध्य रेलवे - हाजीपुर ज़ोन में मुख्य वाणिज्य प्रबंधक (फ्रेट एवं मार्केटिंग) और मुख्य वाणिज्य प्रबंधक (यात्री सेवा) एवं पूर्व रेलवे - हावड़ा में मुख्य वाणिज्य प्रबंधक (फ्रेट एवं मार्केटिंग) पदों पर पदस्थ रहें हैं।

अपनी कार्यशैली के लिए वे रेलवे से पुरस्कृत हुए हैं। इनसीड (आईएनएसईएडी) बहु-परिसर अंतर्राष्ट्रीय व्यापार स्कूल और अनुसंधान संस्थान से मलेशिया एवं सिंगापुर में ट्रेनिंग हुई है एग्जीक्यूटिव मैनेजमेंट ट्रेनिंग भी की है। सांस्कृतिक क्षेत्र में मंडल स्तर पर टीम का नेतृत्व किया है यह पर्यावरण प्रेमी भी है इन्हें हॉर्टिकल्चर में विशेष रुझान है साथ ही खेलकूद गतिविधियों में भी विशेष योगदान रहा है। इनकी प्रारंभिक शिक्षा रांची में सेंट जेवियर स्कूल से हुई है। स्नातकोत्तर शिक्षा किरोड़ीमल कॉलेज दिल्ली में हुई है।

मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद ने अपर मंडल रेल प्रबंधक सहित सभी शाखाधिकारियों के साथ अनौपचारिक बैठक कर परिचय प्राप्त किया एवं मंडल में चल रहे कार्यों तथा परियोजनाओं की जानकारी ली। यात्री सुविधाओ मे वृद्धि करने, माल-लदान को बढ़ाने, राजस्व आय बढ़ाने, ट्रेनों की संरक्षा और यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने, परिचालन क्षमता में बढ़ोत्तरी करने और यात्री सुविधाओं को बेहतर करने पर विशेष जोर दिया।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग कोण्डागांव जिला- कोण्डागांव (छत्तीसगढ़)
Email - ID: ee-res.kondagaon@nic.in, Fax & Ph. No.-07786-242243

मैनुअल पद्धति से जोनल निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक- 30 (द्वितीय दौर)
जोनल निविदा आमंत्रण

क्रमांक/30/व.ले.लि./नि.प्र. / ग्रा.यां. सेवा/ 2024-25 कोण्डागांव, दिनांक 01/01/2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत डी एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैनुअल जोनल निविदा आमंत्रित की जाती है सभी कार्यों की जोनल निविदा प्रपत्र कार्यालय में जमा करने की अंतिम तिथि 10.01.2025 शाम 3.00 बजे तक।

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रुपये लाख में)
1	2	3
1	रू. 25.00 लाख से कम लागत के विभिन्न निर्माण भवन/ मंच/ पुलिया/ बाउंड्रीवाल/नाली/ सड़क एवं अन्य प्रकार के निर्माण कार्य- वि.ख. केशकाल वि.ख. बड़ेराजपुर	 50.00 50.00

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाइट http://res.cg.gov.in दिनांक 02.01.2025 से देखी एवं डाऊनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा
संभाग कोण्डागांव

जी-242505021/4

शहर हो या देहात
सूचना क्रांति की सौगात
Credible Chhattisgarh
विश्वसनीय छत्तीसगढ़

ताइवान पर कब्जे के लिए चीन युद्ध का ऐलान करने वाला है?

अभिनय आकाश

दिन बदलते हैं, साल बदलते हैं और देखते देखते दशक बीत जाते हैं। लेकिन दुनिया में कुछ ऐसे विवाद हैं जो ज्यों का त्यों ही रहते हैं। 2025 में दुनिया के सामने कई युद्धों को रोकने की चुनौती होगी। ऐसा ही एक मोर्चा रूस और यूक्रेन के बीच का है, जहां नए साल के पहले दिन भी हमलों का सिलसिला जारी रहा। रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर 100 से ज्यादा ड्रोन से हमले किए। रूस और यूक्रेन के बीच के युद्ध को फरवरी में तीन साल हो जाएंगे। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप दावा कर चुके हैं कि वो सत्ता में आने के 24 घंटे के अंदर रूस यूक्रेन युद्ध रुकवा देंगे। वो यूक्रेन को अमेरिका की ओर से वित्तीय सहायता देने के भी पक्ष में नहीं है। ये यूक्रेन को बातचीत की मेज पर आने का दबाव बढ़ाए। इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोदमोमीर जेलेंस्की का मानना है कि अमेरिका उनका साथ नहीं छोड़ेगा। वो ये भी मानते हैं कि ट्रंप युद्ध रुकवाने की क्षमता रखते हैं। वहीं पश्चिम एशिया में सुलग रही युद्ध की आग थम नहीं रही है। हालांकि डोनाल्ड ट्रंप ये मानते रहे हैं कि रूस यूक्रेन युद्ध के मुकाबले पश्चिम एशिया की समस्या सुलझाना ज्यादा आसान है। 7 अक्टूबर 2024 से शुरू हुआ इजरायल हमास युद्ध अब तक 47हजार से ज्यादा लोगों की जान ले चुका है। सबसे ज्यादा नुकसान आम लोगों और हमास लड़ाकों के नेटवर्क को हुआ है। हिजबुल्लाह को भी इजरायल भारी नुकसान पहुंचा चुका है। यमन से सटे हूती लड़ाकों पर हमले और इजरायल के जवाबी हमले जारी है। इन सब के बीच ईरान और इजरायल एक दूसरे पर दो दौर के हमले कर चुके हैं। 2025 की एक चुनौती ये भी है कि दुनिया में युद्ध का एक और मोर्चा न खुल जाए। वन चाइना पॉलिसी के तहत चीन ताइवान को अपना अभिन्न हिस्सा मानता है। लेकिन ताइवान कहता है कि हम एक आजाद मुल्क हैं। इसी मामले को लेकर दोनों के बीच करीब सात दशक से तनातनी चली आ रही है। अगर मामले को करीब से देखें तो चीन ही इसमें 20 साबित हुआ है। कैसे वो भी आपको बता देते हैं। दुनिया में बारह मुल्क ऐसे हैं जो ताइवान को एक संप्रभु देश मानते हैं। भारत और अमेरिका भी ताइवान को संप्रभु देश नहीं मानते हैं। कुछ बरस पहले तक ये संख्या 20 थी लेकिन चीन की दबाव की वजह से ये संख्या लगातार कम होती जा रही है। चीन ने ऐसा कोई मौका नहीं छोड़ा है कि वो ताइवान को अपने साथ एक करके रहेगा। नए साल के मौके पर शी जिनपिंग ने एक बार फिर कहा कि ताइवान को चीन में मिलने से कोई नहीं रोक सकता है। शी जिनपिंग ने सरकारी टीवी चैनल पर प्रसारित अपने नए साल-2025 के संबोधन में कहा कि ताइवान जलडमरूमध्य के दोनों किनारों पर रहने वाले हम चीनी एक ही परिवार के हैं। कोई भी हमारे बीच नातेदारी के बंधन को कभी भी खत्म नहीं कर सकता है। चीन स्व-शासित द्वीप ताइवान को अपनी मुख्य भूमि का हिस्सा होने का दावा करता है और एक अनिवार्य राजनयिक नीति के रूप में ताइवान को अपने हिस्से के रूप में मान्यता देते हुए वन चाइना पॉलिसी की बात करता है। अपने तीसरे पंचवर्षीय कार्यकाल के तहत शासन कर रहे शी ने हाल के वर्षों में ताइवान को चीन के साथ फिर से मिलाने के प्रयासों को तेज करने के लिए इसे एक प्रमुख सैन्य और राजनयिक पहल बनाया। ऐसे में ये चिंता है कि 2025 में चीन ताइवान को लेकर अपना आक्रमक रुख और बढ़ा सकता है। चीन के राष्ट्रपति की धमकी के बाद ताइवान के राष्ट्रपति का भी बयान आया। उन्होंने कहा कि ताइवान जितना सुरक्षित रहेगा, ये दुनिया उतनी ही सुरक्षित रहेगी।

सुनहरी तस्वीर के साथ चुनौतियों की रेखाएं

आलोक मेहता

2025 लंदन से आये एक मित्र ने पिछले दिनों मुझसे जानना चाहा कि 2025 में भारत की राजनीतिक, आर्थिक स्थिति और शक्ति कैसी होगी? मेरा उत्तर था, ' अब तो ब्रिटेन, अमेरिका ही नहीं, चीन और ईरान जैसे देश भी ज्योतिषियों की भविष्यवाणियों पर या कंप्यूटर टेक्नोलॉजी एआइ पर भरोसा करने लगे हैं। हम उनकी तरह हिसाब नहीं लगाते। मेरा तो अनुभव यह है कि पिछले दशकों में भारत या विदेश में की गयी भविष्यवाणियां कभी सही, कभी गलत साबित हुई हैं। लेकिन भारत की वर्तमान प्रगति को देखते हुए कह सकता हूं कि 2025 में भारत की राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक शक्ति न केवल बढ़ेगी, वरन दुनिया के लिए महत्वपूर्ण निर्णायक भूमिका निभाएगी'।

जहां तक भविष्यवाणियों की बात है, फ्रांस के 16वीं सदी के प्रसिद्ध ज्योतिष नास्त्रेदमस की कई भविष्यवाणियां सच हो चुकी हैं, जिनमें हिटलर के उदय और 9/11 के हमलों जैसी घटनाएं शामिल हैं। कोविड पर किया गया उनका दावा भी सही साबित हुआ। साल 2025 को लेकर भी उन्होंने कुछ भविष्यवाणी कर रखी हैं। नास्त्रेदमस की मानें, तो यह साल पूरे विश्व के लिए काफी मुश्किलों भरा रहने वाला है। उन्होंने भविष्यवाणियों 2025 में तीसरे विश्वयुद्ध को लेकर चेतावनी दी है। उनका दावा है कि यह युद्ध तबाही की वजह बन सकता है। उनकी भविष्यवाणी में दुनियाभर में आर्थिक संकट की ओर इशारा है। इस आर्थिक संकट से मेक्सिको, लैटिन अमेरिकी देश और यूरोप जूझता नजर आ सकता है।

दूसरी तरफ भारत के प्रसिद्ध स्वामी और ज्योतिर्विद योगेश्वरानंद की भविष्यवाणी है कि मई, 2025 भारत के भविष्य के लिए टर्निंग पॉइंट साबित होगा। उन्होंने इस साल की एक दुर्लभ खगोलीय घटना के बारे में कुछ दिलचस्प भविष्यवाणियां साझा कीं, जो देश में बड़े बदलाव ला सकती है। उससे भारत की तस्वीर हमेशा के लिए बदल जाएगी और स्वर्णिम युग की शुरुआत होगी। आशावादी होने के कारण हम जैसे पत्रकार यह कह सकते हैं कि सारी कमियों, गड़बड़ियों, हिंसा, आंदोलन और भ्रष्टाचार आदि के बावजूद भारत कमजोर नहीं होने वाला है।

वर्ष की शुरुआत ही प्रयाग के महाकुंभ पर्व से हो रही है, जो धार्मिक सांस्कृतिक आस्था के साथ करोड़ों लोगों को जोड़ने वाला है। संचार, परिवहन तथा अन्य संसाधन बढ़ने से महाकुंभ अधिक भव्य हो रहा है। दुनिया भर से भी लोग प्रयाग के साथ काशी, अयोध्या, मथुरा, आगरा, दिल्ली, सोमनाथ द्वारका, पुरी और तिरुपति पहुंचने वाले हैं। इसी तरह गणतंत्र दिवस पर रूसी राष्ट्रपति या अन्य राष्ट्राध्यक्ष के परेड समारोह में भारत की बढ़ती आधुनिक सैन्य शक्ति और देश में तेजी से हो रही आर्थिक प्रगति, सामाजिक, सांस्कृतिक विविधता के साथ एकता के दर्शन दुनिया को होंगे।

पिछले 10 वर्षों और खासकर 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार, संसद और सुप्रीम कोर्ट द्वारा लिए गए ऐतिहासिक फैसलों का लाभ इस साल दिखने लगेगा। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रादेशिक स्वायत्तता और प्रतियोगिता के कारण बेटियों को पढ़ाने, बढ़ाने और 'आयुष्मान भारत' जैसी स्वास्थ्य की लाभकारी योजनाओं का लाभ मिलता दिखायी देगा। लोग इस पर ध्यान नहीं देते कि संपन्न, विकसित देश अमेरिका के सर्वशक्तिमान राष्ट्रपति भी ओबामा केयर स्वास्थ्य योजना लागू नहीं कर सके हैं। इसी तरह ब्रिटेन में तो सामान्य जनता की नेशनल हेल्थ सर्विस बुरी तरह चरमरायी हुई है। बीमार होने पर एन एच एस के अस्पताल में डॉक्टर से समय कई दिन बाद मिलता है और गंभीर ऑपरेशन के लिए महीनों की प्रतीक्षा सूची रहती है।

भारत में सरकारी या निजी अस्पतालों अथवा छोटे क्लिनिकों के अलावा आयुर्वेदिक, प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र उपलब्ध हैं। अब तो ब्रिटेन के किंग चार्ल्स के परिवार को भी प्राकृतिक चिकित्सा के लिए दो साल से भारत आना पड़ रहा है। वर्ष 2025 में नये स्कूलों के अलावा नये कॉलेज, यूनिवर्सिटी के साथ कौशल विकास के शिक्षा केंद्रों से लाखों युवाओं के भविष्य के रास्ते खुलेंगे। स्वरोजगार, स्टार्ट अप, लघु, मध्यम या बड़े उद्योगों में अरबों रुपयों की देशी-विदेशी पूंजी लगने से भारत की आर्थिक प्रगति विश्व को प्रभावित करने वाली है। नये वर्ष का प्रारंभ दिल्ली विधानसभा चुनाव से हो रहा है और साल की अंतिम तिमाही में बिहार विधानसभा के चुनाव होने हैं।

केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली और विशाल बिहार के दो चुनाव कई मायने में देश के राजनैतिक दलों की दशा-दिशा और भविष्य तय करने वाले हैं। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी और बिहार में लालू प्रसाद यादव के राजद और नीतीश कुमार के जेडीयू की जय-पराजय से पार्टियों का भविष्य तय होगा। वहीं राहुल गांधी की कांग्रेस को दिल्ली तथा बिहार में अस्तित्व की लड़ाई लड़नी होगी, जो फिलहाल अंधेरी गुफा दिख रही है। वहीं भारतीय जनता पार्टी के सामने नया अध्यक्ष तय करने के साथ इन दो राज्यों में हरियाणा और महाराष्ट्र की तरह भारी सफलता लाकर दिखाने की चुनौती होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने जिस तरह जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को खत्म करने और संसद, विधानसभाओं में महिला आरक्षण के ऐतिहासिक कदम उठाए, उसी तरह समान नागरिक संहिता और 'एक देश-एक चुनाव' के अपने लक्ष्य को अधिकाधिक समर्थन जुटाकर, संसद से स्वीकृति लेकर नया इतिहास बनाने की चुनौती रहने वाली है। इन निर्णयों के दूरगामी परिणाम होंगे।

विश्व में अमेरिका के नये राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ भारत के समान स्तर पर घनिष्ठ संबंधों का असर इस साल दिखेगा। इसका पड़ोसी चीन और पाकिस्तान के साथ रिश्तों पर गहरा प्रभाव होगा। आर्थिक जगत में विश्व बैंक सहित कई अंतरराष्ट्रीय संगठन 2025 से आने वाले 10 साल और 2047 तक भारत की आर्थिक शक्ति बढ़ने की आशा व्यक्त कर रहे हैं। एक दिलचस्प बात यह है कि आजकल भारत सरकार से बेरुखी रखने वाले नोबेल विजेता अर्थशास्त्री ने कई वर्ष पहले ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में यह दावा किया था कि 'यूरोपीय देशों को आर्थिक विकास के लिए भारत से बहुत कुछ सीखना चाहिए, खासकर वित्तीय घाटे को संतुलित करने के प्रयास यूरोप, अमेरिका के लिए सबक हो सकते हैं।' इसलिए इस साल भारत को केवल सपने नहीं देखना है, सपनों को साकार भी करना है। इसके लिए केवल राजनीतिक दलों और चुनावी व्यवस्था में ही नहीं, न्यायिक व्यवस्था और मीडिया में नयी आचार संहिता (कोड ऑफ इथिक्स) निर्धारित कर उसका पालन भी करना होगा। लोकतंत्र में विश्वसनीयता सबसे बड़ी शक्ति है। विश्व गुरु बनने की क्षमता को साबित करने का समय आ रहा है।

पुराण दिग्दर्शन .... तीसरा अध्याय

वेदों में अष्टादश पुराणों के नाम

(गतांक से आगे...)

कई पुराणों को भी कठिन समझ कर खेती से गुजारा करते हैं और जो निरे निठल्ले पढ़ने पढ़ाने और खेती बाड़ी करने के परिश्रम से दिल चुराते हैं, वे नारि मुई गृह संपति नासी।

मूंड मुंडाये भये सन्यासी के अनुसार ढोंगी भगत बनकर अपना उल्लू सीधा करते हैं। इस श्लोक में भागवत बांचने का तो नाम तक नहीं। यहां तो भागवता: लिखा है, जिसका अर्थ है भगवत उपासका: और लक्षणा से बगुला भक्त। इसके अतिरिक्त दुराग्रह के आवेश में आकर आपको यह भी ध्यान नहीं रहा कि मेरे इस आक्षेप का भागवतपुराण के व्यासकृत न होने से क्या सम्बन्ध है?

क्योंकि पाठकों के दुर्गुणों का आरोप व्यास जी के ऊपर कैसे हो सकता है, इसलिए यह थाक्षेप व्यर्थ है।

(12) पुराणों में देवी, देवताओं, ऋषियों, मुनियों और अवतारों पर सैकड़ों मिथ्या कलङ्क लगाये गये हैं, परन्तु बुद्ध पर कोई कलङ्क नहीं। इससे विदित होता है कि पुराण बौद्धों के बनाये हुये हैं, व्यासकृत नहीं।

(13) पुराणों में वस्तुत: ऋषि-मुनियों पर मिथ्या कलङ्क लगाये हैं, या यह किसी के कलिकल्मषकलुषित हृदय की कालिमामात्र है, इस बात का विचार संदेहाभासनिवारणाध्याय में विस्तार से किया जायेगा।

यहां केवल इतना कह देना आवश्यक होगा, कि आपकी इस कल्पना का खण्डन तो भाषाविज्ञान ही कर देता है, क्योंकि बौद्ध और जैनियों के समय में भारत में प्राकृत भाषाओं और पाली का साम्राज्य था, उनके कथानक ग्रन्थ ही इसका प्रमाण हैं; फिर इतने विस्तृत ग्रन्थों को बौद्धों की कृति कैसे मान लिया जावे?

क्रमश: ...

खड़ी बोली काव्य के स्तम्भ पंडित लोचन प्रसाद पाण्डेय

डॉ. बलदेव

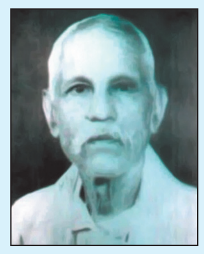

लोचन प्रसाद पाण्डेय का जन्म 4 जनवरी, सन 1887 ई. में मध्य प्रदेश के बिलासपुर जिले में बालपुर नामक ग्राम में हुआ था। बिलासपुर अब छत्तीसगढ़ राज्य का हिस्सा है। लोचन प्रसाद पाण्डेय के पिता पंडित चिन्तामणि पाण्डेय विद्याव्यसनी थे। उन्होंने अपने गाँव में बालकों की शिक्षा के लिए एक पाठशाला खुलवाई थी।

खड़ी बोली के विकास में जिन साहित्य मनीषियों ने अपना सर्वस्व अर्पित किया था, उनके बीच साहित्य वाचस्पति पं. लोचनप्रसाद पांडेय का नाम अत्यंत श्रद्धापूर्वक लिया जाता है। आचार्य नंददुलारे वाजपेयी ने म.प्र. की काव्य प्रवृत्तियां शीर्षक लेख में उनकी महत्ता इन शब्दों में व्यक्त की है- श्री लोचन प्रसाद पाण्डेय और उनके अनुज श्री मुकुटधर पाण्डेय हिन्दी काव्य में उसी प्रकार समादृत हैं, जिस प्रकार उत्तर प्रदेश में मैथिलीशरण गुप्त और उनके छोटे भाई सियारामशरण गुप्त'। आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने अपने हिन्दी साहित्य के इतिहास में आधुनिक काल की नई धारा के प्रथम उत्थान में भारतेन्दु, प्रतापनारायण मिश्र, प्रेमधन, ठा. जगमोहन सिंह और अम्बिका प्रसाद व्यास को प्रमुख कवियों के रूप में स्वीकार किया है। नई धारा के द्वितीय उत्थान के कवियों में उन्होंने श्रीधर पाठक, हरिऔध, पं. महावीरप्रसाद द्विवेदी, मैथिलीशरण गुप्त, पं. रामचरित उपाध्याय, गिरधर शर्मा नवरत्न और लोचनप्रसाद पाण्डेय की गणना की है। द्विवेदी मण्डल के बाहर के कवि थे पूर्ण शंकर सनेही, दीन, रूपनारायण पाण्डेय, रामनरेश त्रिपाठी और कविरत्न। उपर्युक्त कवियों को आधुनिक युग का कर्णधार माना जाना चाहिए। पाण्डेयजी का काव्य मूल्यांकन खड़ी बोली काव्य आंदोलन के संदर्भ में ही करना चाहिए। खड़ी बोली का यह आंदोलन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

बीसवीं सदी के प्रथम दशक में खड़ी बोली और ब्रज का संघर्ष जोरों पर था। भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने नये विषयों, नई शैली और भाषा योजना द्वारा नवयुग का शंखनाद किया। वे गद्य में तो खड़ी बोली के पक्षपाती थे, परन्तु पद्य रचना में ब्रज माधुरी का मोह छोड़ नहीं सके। एक जगह उन्होंने स्वयं स्वीकार किया है, चाहने पर भी उनसे खड़ी बोली में सरस कविता नहीं बनती लेकिन भारतेन्दु युग में श्रीधर पाठक ने अंग्रेजी की अनूदित रचनाओं द्वारा काव्य रचना के लिए खड़ी बोली का द्वार खोल दिया। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी, गुप्त, अयोध्या सिंह उपाध्याय, पं. रामचरित उपाध्याय तथा लोचनप्रसाद पाण्डेय ने उन्हीं का अनुगमन किया।

आचार्य द्विवेदी और उनकी शिष्य मण्डली जिस प्रकार खड़ी बोली का प्रबल समर्थक थी, उसी प्रकार पूर्ण, कविरत्न, शंकर, सनेही और दीन ब्रजभाषा के कट्टर समर्थक और खड़ी बोली पद्य रचना के घोर विरोधी थे। पं. लोचनप्रसाद पाण्डेय ने काव्य रचना की शुरूआत ब्रजभाषा से की, लेकिन नवयुग का स्वर पहिचान कर शीघ्र ही उन्होंने खड़ी बोली की अनगढ़ राह ली। इतना ही नहीं उसे अपने श्रम और प्रतिभा से सरस और प्रवाहमयी बनाया, उसे राष्ट्रीय भावनाओं से ओजस्वी किया।

क्या 2 विदेशी मुल्कों में जंग खत्म करवा पाएगा हिंदुस्तान?

अभिनय आकाश

2024 चला गया और बुधवार से नए साल की शुरुआत हो गई। इस साल भी बहुत कुछ नया होगा। कई बड़े मौके आएंग। नए संकल्प होंगे. नई आशाएं और उम्मीदें भी होंग। आने वाला वर्ष महत्वपूर्ण राजनीतिक, सांस्कृतिक और खेल आयोजनों का वादा करता है जो वैश्विक कथाओं को नया आकार दे सकते हैं। प्रमुख देशों में नेतृत्व परिवर्तन से लेकर धर्म तक और खेल से लेकर विज्ञान तक बहुत कुछ पहली बार होगा, जिन पर सभी की नजरें होंगी। हम आपको सिलसिलेवार ढंग से बताते हैं।

ट्रंप का आधिकारिक कमबैक - सदी का सबसे बड़ा कमबैक, जिसकी कल्पना के रास्ते चार साल पहले बंद हो गए थे। जब दुनिया ने ये मान लिया था कि वो इतना दागदार हो गया है कि दोबारा उस पर दांव भी नहीं लगाया जाएगा। कुछ वक्त पहले तक लग रहा था कि वो जेल जाएगा। तब वक्त के थपेड़ों को झेलते हुए सियासी बाधाओं को पार करते हुए उसने दुनिया की सबसे ताकतवर इमारत व्हाइट हाउस का दरवाजा अपने लिए फिर से खोल लिया है। ट्रंप का राष्ट्रपति पद के लिए शपथ ग्रहण समारोह 20 जनवरी 2025 को होगा, जिसके बाद वो आधिकारिक रूप से राष्ट्रपति पद की शक्ति हासिल कर पाएंगे और जिम्मेदारियां संभालेंगे। इस दिन को इनोग्रेशन डे कहा जाता है। डोनाल्ड ट्रम्प के अप्रत्याशित स्वभाव, मनमानी नीतियों और लोकलुभावन बयानबाजी की वजह से वैश्विक दुनिया में तूफान आना लाजिमी है। ट्रम्प ने यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध और गाजा और पश्चिम एशिया में जारी हिंसा सहित प्रमुख संघर्षों को हल करने की कसम खाई है। हालाँकि, उनका अलगाववादी रुख, जो दूर के संघर्षों में अमेरिका की भागीदारी को सीमित करने को प्राथमिकता देता है, व्यवहार में चुनौतियाँ पैदा करता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मॉस्को दौरे और व्लादिमीर पुतिन को गले लगाती तस्वीर तो आपको याद ही होगी। जिस तस्वीर को देखकर रूस के कट्टर दुश्मन यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलदोमीर जेलेंस्की भड़क गए थे। लेकिन उसके बाद पीएम नरेंद्र मोदी 23 अगस्त को यूक्रेनका दौरा भी किया था। भारत रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग को खत्म करने और शांति बनाए रखने की अपील करता रहा है। भारत और रूस के बीच मजबूत संबंधों का संकेत देते हुए, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने 2025 की शुरुआत में होने वाले शिखर सम्मेलन के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को निमंत्रण दिया है। फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद यह पुतिन की पहली भारत यात्रा होगी। हालांकि यात्रा के लिए विशिष्ट तारीखों को अंतिम रूप दिया जाना बाकी है, क्रेमलिन के विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव ने 2 दिसंबर, 2024 को पुष्टि की कि निमंत्रण प्राप्त हो गया है। यह घटनाक्रम एक अंतर-सरकारी वार्ता के दौरान भारत में विदेश मंत्री एस जयशंकर और रूसी उप प्रधान मंत्री डेनिस मंटुरोव के बीच हाल ही में हुई बैठक के बाद हुआ है।

ट्रूडो के सामने कड़ा और बड़ा इम्तिहान- महामारी प्रबंधन, मुद्रास्फीति की चिंताओं और बढ़ते राजनीतिक ध्रुवीकरण से चिह्नित कई वर्षों के बाद, कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो की लिबरल पार्टी को कंजर्वेटिवों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। अपने कार्यकाल का एक दशक पूरा करने जा रहे ट्रूडो पर पद छोड़ने का दबाव बढ़ रहा है क्योंकि वह अपने चौथे चुनाव की तैयारी कर रहे हैं। चूँकि दोनों प्रमुख पार्टियाँ महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना कर रही हैं, परिणाम अप्रत्याशित बना हुआ है। ट्रूडो का लक्ष्य जून 2025 में जी-7 नेताओं के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करना है। 2025 का कनाडाई संघीय चुनाव 20 अक्टूबर, 2025 से पहले निर्धारित है और यह 45वीं कनाडाई संसद की संरचना का निर्धारण करेगा। 20 सितंबर, 2021 को हुए 2021 के संघीय चुनाव के परिणामस्वरूप 2019 के चुनाव से थोड़ा बदलाव आया। ट्रूडो की लिबरल पार्टी ने सबसे अधिक सीटें हासिल करके अल्पमत सरकार के रूप में अपनी स्थिति बरकरार रखी, लेकिन संसदीय बहुमत हासिल करने या लोकप्रिय वोट जीतने में असफल रही। कंजर्वेटिव, लोकप्रिय वोट जीतते हुए, आधिकारिक विपक्ष के रूप में बने रहे।

यूनुस चुनाव में जाएंगे, हसीना क्या वापस बांग्लादेश में लौटेंगी?- बांग्लादेश का राजनीतिक भविष्य 2025 के चुनावों के साथ अधर में लटका हुआ है। चूंकि शेख हसीना की अवामी लीग को बढ़ते विरोध का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें सत्तावाद और आर्थिक चुनौतियों के आरोप भी शामिल हैं, चुनाव देश की लोकतांत्रिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकते हैं। अगस्त 2024 में छात्र-जन विद्रोह के दौरान हसीना की सरकार को हटाने के बाद चुनाव हो रहा है। आम चुनाव से पहले, एक संविधान सभा चुनाव की योजना बनाई गई है। मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम प्रशासन ने परिवर्तन की निगरानी के लिए संवैधानिक और चुनाव सुधार आयोग का गठन किया है। सरकार ने घोषणा की है कि आम चुनाव 2025 के अंत में होने वाले हैं। बांग्लादेश के दक्षिण एशिया में एक बढ़ता हुआ आर्थिक केंद्र होने के कारण, एक स्वतंत्र और निष्पक्ष प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षक बारीकी से नजर रखेंगे।

जर्मनी का संघीय चुनाव- 23 फरवरी, 2025 को होने वाला जर्मनी का संघीय चुनाव यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के भविष्य को आकार देगा। नवंबर में सत्तारूढ़ गठबंधन के पतन के बाद चुनाव निर्धारित समय से सात महीने पहले हो रहा है। चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ के सोशल डेमोक्रेट्स (एसपीडी), ग्रीन्स और फ्री डेमोक्रेट्स (एफडीपी) सहित ट्रैफिक लाइट गठबंधन में सभी तीन पार्टियों के लिए जनता का समर्थन कम हो गया है।

ऑस्ट्रेलिया में संघीय चुनाव- ऑस्ट्रेलिया के चुनाव उसकी जलवायु नीतियों, व्यापार समझौतों और हिंद-प्रशांत में क्षेत्रीय सुरक्षा प्रतिबद्धताओं की दिशा तय करेंगे। ऑस्ट्रेलिया का अगला संघीय चुनाव 48वीं संसद की संरचना निर्धारित करने के लिए 17 मई, 2025 तक आधे सीनेट के लिए, या 27 सितंबर, 2025 तक प्रतिनिधि सभा के लिए होने वाला है। मतदाता प्रतिनिधि सभा के लिए 150 सदस्यों का चुनाव करेंगे - पिछले चुनावों में 151 से कम - और संभवत: 76 सीनेट सीटों में से 40।

सिंगापुर में चुनाव- सिंगापुर के कड़ाई से नियंत्रित राजनीतिक परिदृश्य में एक और परीक्षा होगी क्योंकि सत्तारूढ़ पीपुल्स एक्शन पार्टी (पीएपी) को आय असमानता और आवास सामर्थ्य पर बढ़ती सार्वजनिक जांच का सामना करना पड़ रहा है। सिंगापुर 15वीं संसद के लिए सदस्यों का चुनाव करने के लिए 23 नवंबर, 2025 तक अपना अगला आम चुनाव कराने के लिए तैयार है। यह 1948 के बाद से देश का 19वां और स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से 14वां आम चुनाव होगा। विशेष रूप से, 2006 के बाद यह पहला आम चुनाव होगा जहां ली सीन लूंग सत्तारूढ़ पीपुल्स एक्शन पार्टी (पीएपी) का नेतृत्व नहीं करेंगे। 15 मई, 2024 को प्रधान मंत्री के रूप में लॉरेंस वोंग और 4 दिसंबर, 2024 को पीएपी महासचिव के रूप में उनके उत्तराधिकार के बाद, वोंग चुनाव में पार्टी का नेतृत्व करेंगे। पीएपी, जिसने आजादी के बाद से हर चुनाव में दो-तिहाई बहुमत बनाए रखा है, का लक्ष्य अपने दीर्घकालिक प्रभुत्व को बनाए रखना होगा।

प्रयागराज कुंभ मेला- दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक, प्रयागराज में होने वाला यह आयोजन लाखों श्रद्धालुओं को आकर्षित करेगा। 2025 प्रयाग कुंभ मेला, जिसे 2025 महाकुंभ भी कहा जाता है, उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती नदियों के पवित्र संगम पर होगा। हर 12 साल में एक बार होने वाला यह भव्य आयोजन 13 जनवरी से 26 फरवरी, 2025 तक चलेगा। 2019 के अर्ध कुंभ के बाद, इसमें अनुमानित 400 मिलियन भक्तों और आगंतुकों के आने का अनुमान है। कुंभ मेला हिंदू धर्म में गहरा आध्यात्मिक महत्व रखता है, जो अमरता के अमृत पर देवताओं और राक्षसों के बीच 12 साल की लड़ाई का प्रतीक है। इसी तरह के उत्सव पारंपरिक रूप से हरिद्वार, उज्जैन और नासिक में भी मनाए जाते हैं।

भारत में 2025 महिला क्रिकेट विश्व कप- 2025 आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के 13वें संस्करण को चिह्नित करेगा और भारत में आयोजित किया जाएगा। 1978, 1997 और 2013 संस्करणों के बाद यह चौथी बार होगा जब भारत ने इस आयोजन की मेजबानी की है।

आज का इतिहास

1972 गुलाब हेइलब्रोन लंदन के ओल्ड बेली में पहली महिला न्यायाधीश बनी।
1973 समर वाइन की अंतिम, दुनिया में सबसे लंबे समय तक चलने वाली सिटकॉम है, जिसका प्रीमियर बीबीसी के कॉमेडी प्लेहाउस के एक एपिसोड के रूप में किया गया था।
1974 हैरी श्वार्ज़ और मैंगसुथु बुटेलेजी ने विश्वास और महालबाटिनीडक्लेरेशन ऑफ फेथ पर हस्ताक्षर किए, जो कि काले और सफेद दक्षिणअफ्रीकन नेताओं द्वारा अहिंसा और गैर-भेदभावपूर्ण आचरण करने के लिए पहली घोषणा थी।
1976 उल्स्टर वालंटियर फोर्स के ट्रबल-वालंटियर्स ने उत्तरी आयरलैंड के काउंटी आर्माग में पांच आयरिश कैथोलिक नागरिकों की गोली मारकर हत्या कर दी।
1990 पाकिस्तान के सिंध प्रांत के पास सांगी गांव में दो ट्रेनों की भयानक टक्कर में करीब 307 लोग मारे गए और 600 घायल हुए।
1991 जन क्रिज़्स्टोफ़ बील्की पोलैंड का प्रमुख बन गया।
1992 टोक्यो डोम ने लगभग 60,000 की 8 वीं सबसे बड़ी कुश्ती भीड़ को दर्ज किया।
1999 पाकिस्तान के इस्लामाबाद में एक मस्जिद में पूजा करने वाले शिया मुसलमानों पर बंदूकधारियों ने खुली आग लगाई, 16 लोग मारे गए और 25 घायल हुए।
2002 इटली के सरडीनिया द्वीप में विश्व के सबसे लम्बी आयु 112 वर्ष वाले पुरुष ऐटोनिया टोडे का निधन हुआ जिसके कुछ ही घंटों बाद विश्व की सबसे वृद्ध 110 वर्ष की महिला मारिया ग्रेज़िया ब्रोकोलों का इटली की राजधानी रोम के दक्षिण में स्थित एक कस्बे में निधन हुआ।।
2004 मिखाइल साकाशविली जॉर्जिया के राष्ट्रपति चुने गए।
2004 नासा मार्स रोवर स्पिरिट, 04:35 यूटीसी पर मंगल पर सफलतापूर्वक उतरा।
2006 इज़राइल के प्रधान मंत्री एरियल शेरोन को एक गंभीर रक्तस्रावी स्ट्रोक का सामना करना पड़ा, जिससे एहुद ओलमर्ट को कार्यवाहक प्रधान मंत्री बना दिया गया।
2007 नैंसी पेलोसी संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष बनीं, जो अमेरिकी सरकार के इतिहास में सबसे अधिक रैंकिंग वाली महिला बन गईं।
2010 बुर्ज खलीफा सबसे ऊंची इमारत दुबई के संयुक्त अरब अमीरात में बनायीं गयी।
2010 दुनिया की सबसे ऊंची इमारत बुर्ज खलीफा को आधिकारिक तौर पर खोल दिया गया है।
2011 कनाडा का कैथरीन ग्रे एक सुपरनोवा की खोज करने वाला सबसे कम उम्र का व्यक्ति बन गया। वह केवल 10 साल का है।
2012 अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार मिट रोमनी ने 2012 IOWA कैन्कस जीता। उन्होंने रिक संपोरम पर 8 वोटों से जीत दर्ज की।

दूरगामी लाभ का निर्णय है जिलों की समाप्ति का निर्णय

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

राजनीतिक लाभ हानि से जुड़े निर्णयों को बदलना किसी भी लोकतांत्रिक सरकार के लिए जोखिम से कम नहीं होता। इस तरह के निर्णय करने में सरकारों को काफी संकोच करना पड़ता है क्योंकि किसी भी निर्णय को बदलते समय राजनीतिक गुणाभाग देखा जाता है और यही कारण है कि कई निर्णय ऐसे होते हैं जिनके लाख चाहने और प्रशासनिक दृष्टि से सही नहीं होने पर भी सरकारें ढ़ोये जाती है। इस मायने में राजस्थान की सरकार की सराहना करनी पड़ेगी कि राजनीतिक दृष्टि से निर्णय लेना मुश्किल व जोखिम भरा होने के बावजूद मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने पूर्व सरकार के समय के जिले बनाने के निर्णय का परीक्षण कर 9 जिले और 3 संभाग समाप्त करने का निर्णय लेने में कोई हिचकिचाहट नहीं दिखाई। अब प्रदेश में 41 जिले और 7 संभाग रह गए हैं। दूदू, केकड़ी, शाहपुरा, नीम का थाना, अनूपगढ़, गंगापुरसिटी, जयपुर ग्रामीण, जोधपुर ग्रामीण और सांचौर जिला और बांसवाड़ा, सीकर और पाली संभाग को समाप्त करने का निर्णय ले लिया। निश्चित रुप से शुरुआत में इसका विरोध होगा, राजनीति से जुड़े लोगों द्वारा हवा भी दी जाएगी पर जब कोई दूरगामी जनहित का निर्णय लिया जाता है तो देर सबेर जनता उसे स्वीकार्य भी कर लेती है। राज्य सरकार द्वारा यही निर्णय नई सरकार बनते ही लिया जाता तो उसके मायने कुछ अलग होते और उस पर राजनीतिक द्वेषता का ठप्पा लगता वह अलग होता। आज भले ही विपक्ष द्वारा इस निर्णय पर प्रश्न उठाये जा रहे हो पर सही मायने में देखा जाए तो यह पूरी तरह से प्रशासनिक निर्णय है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने पूर्व सरकार के नए जिले बनाने के निर्णय का परीक्षण करने के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी डा. ललित पंवार की अध्यक्षता में समिति गठित कर परीक्षण करवाया और फिर राजनीतिक स्तर पर मंत्रीमण्डलीय समिति बनाकर सभी पक्षों का अध्ययन कर रिपोर्ट आने पर मंत्रीमण्डल की बैठक में मोहर लगाई गई। इसलिए एक बात तो साफ हो जानी चाहिए कि यह निर्णय किसी भी मायने में जल्दबाजी या राजनीतिक लाभ के लिए ना होकर पूरी तरह से प्रशासनिक दक्षता के लिए लिया गया निर्णय है। ना ही इसे जल्दबाजी में लिया निर्णय कहा जा सकता है। हांलाकि पूर्व सरकार ने नए जिले बनाने के लिए भले ही प्रशासनिक कमेटी बनाकर रिपोर्ट प्राप्त कर नए जिले बनाने का निर्णय किया पर यह सब अच्छी तरह से साफ हो जाना चाहिए कि चुनाव नजदीक होने के कारण पूर्व सरकार द्वारा नए जिले बनाने के निर्णय को आमलोगों ने पूरी तरह से राजनीतिक निर्णय के रुप में ही देखा गया।

भजन लाल शर्मा ने पूर्व सरकार द्वारा गठित नए जिलों के गठन का प्रशासनिक दृष्टि से परीक्षण करवाया और इसमें कोई दो राय नहीं कि शुरुआत में इन जिलों और संभागों को समाप्त करने के निर्णय का विरोध हो पर यह विरोध इसलिए अधिक असर नहीं दिखा पाएगा कि आमनागरिक यह अच्छी तरह से समझता है कि अधिक और छोटे जिले बनने से सरकारी खर्चें अधिक बढ़ने के अलावा कोई खास प्राप्त होने वाला नहीं है। नए जिलों के लिए शुरुआती दौर में ही एक जिले के लिए कम से कम एक हजार करोड़ की व्यवस्था करनी होगी। जिला कलक्टर और जिला पुलिस एसपी के दफ्तर तो तत्काल शुरु करने के साथ ही अन्य विभागों के भी दफ्तर जिला स्तर पर खोलने से ही वास्तविक लाभ प्राप्त हो सकता है। अब इसे यों देखा जाए कि इस सबके लिए कितना बड़ा प्रशासनिक अमला तैयार करना होगा, कितनी अधिक आधारभूत सुविधाएं विकसित करनी होगी। सरकारी ऑफिस, सरकारी बंगले और ना जाने कितने ही कार्यों के लिए स्थान और आधारभूत संरचना विकसित करने के साथ ही अधिकारियों-कर्मचारियों की नियुक्ति करनी होगी। इसके साथ ही अन्य सुविधाएं और अन्य सेवाएं अलग होगी। हमारे सामने पुराने उदाहरण है जब राजसमंद, प्रतापमढ़, दौसा जिले बनाए गए और करौली व प्रतापगढ़ जिले का गठन किया गया। अब सबके सामने है कि इन जिलों को सही मायने में जिलो का आकार लेने में कितना समय लगा। आज भी कई स्थानों पर फिजिबल नहीं होने के कारण जिला सहकारी बैंक नहीं खुल पाएं है तो कई अन्य सरकारी दफ्तर शुरु नहीं हो पाये हैं। दरअसल जन हितकारी सरकार की पहचान लोकहित में दूरगामी परिणामों को देखते हुए निर्णय लेना होता है। हांलाकि लोकतंत्र में बहुत से निर्णय राजनीतिक प्रतिबद्धता के कारण न चाहते हुए भी लेने होते हैं तो कई बार ऐसा भी लगता है कि ऐन केन प्रकारेण सत्ता में बने रहने के लिए इस तरह के निर्णय ले लिए जाते हैं।

प्रशासनिक दक्षता और लोकहितकारी सरकार की पहचान जनहित में कड़बे निर्णय लेने में भी संकोच नहीं करना होता है। सरकार की संवेदनशीलता और प्रशासनिक दक्षता का भी इसी से पता चलता है। खासतौर से राजनीतिक लाभ हानि से लिए गए निर्णय से अधिक भला नहीं हो पाता है। सरकार की प्रशासनिक और लोकहितकारी होने का इसी से पता चलता है कि वह जनहित में जोखिम भरे निर्णय लेने में भी कोई संकोच ना करें। लोकतंत्र में जनता और जनता का हित बड़ी बात होनी चाहिए क्योंकि सरकार द्वारा निर्णयों का असर दूर तक जाता है। कड़बे निर्णय यदि लोकहित में होते हैं तो जनता ऐसे निर्णयों को हाथोंहाथ लेती है। इसलिए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने सरकार बनने के पहले साल में ही बड़े निर्णय कर सबको चौंका दिया है। राजनीतिक लाभ हानि से परे हटकर मुख्यमंत्री ने 9 जिले और 3 संभाग समाप्त करने का निर्णय व्यापक जनहित में ही देखा जाना चाहिए।

आर्थिक विश्लेषकों को मानना है कि सरकार को अपने प्रशासनिक खर्चों को एक सीमा तक रखना चाहिए। हांलाकि सब कुछ जानते हुए भी होता इसके विपरीत ही है। सरकार राजस्व का अधिकांश खर्चा अपने प्रशासनिक दायित्वों वेतन-सुविधाओं में ही खर्च कर देती है वहीं नए जिले और संभाग बनने से प्रशासनिक खर्च बढ़ना स्वाभाविक है। दूसरी बात यह है कि नए जिले या संभाग बनाने के स्थान पर सरकारों को प्रशासनिक सेवाओं में सुधार और डिलीवरी सिस्टम को मजबूत बनाने पर जोर देना चाहिए। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने राजनीतिक जोखिम लेते हुए प्रशासनिक दृष्टि से सराहनीय निर्णय किया है। इससे मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और उनकी सरकार ने प्रशासनिक दृष्टि से परिपक्वता का परिचय दिया है। हो सकता है कि निर्णय को लेकर विरोध देखने को मिले पर विरोध के खिलाफ भी सरकार को सख्ती दिखानी होगी इससे आमजन में सरकार और सरकार द्वारा लिए जाने वाले निर्णयों को सराहा ही जाएगा। सरकारों को राजनीतिक लाभ हानि के साथ ही व्यापक जनहित को भी ध्यान देना चाहिए और निर्णय लेने में किसी तरह का संकोच नहीं करना चाहिये। आज लोग निर्णय लेने वाली सरकार को पसंद करती है नाकि निर्णयों को टालने वाली सरकार को। इस मायने से भजन लाल शर्मा के एक साल के कार्यकाल का भी मूल्यांकन किया जाना चाहिए क्योंकि यह सरकार निर्णयों की सरकार बन गई है।

नए साल में करें नई शुरूआत

ओ.पी. सिंह

31 दिसंबर की रात जब घड़ी 12 बजाती है, आसमान रंग-बिरंगी आतिशबाजी से जगमगा उठता है। घर, सड़कें, रेस्तरां और क्लब उत्सव के माहौल में डूबे होते हैं। हर तरफ मुस्कानें बिखरती हैं, परिवार और दोस्त मिलते हैं, एक-दूसरे को शुभकामनाएं देते हैं। आखिर साल की आखिरी रात को लोग नए साल के लिए साहसिक और प्रेरणादायक संकल्प क्यों करते हैं? कोई कहता है, 'मैं रोज सुबह 5 बजे उठूंगा,' तो कोई कहता है, 'इस साल मैं अपनी फिटनैस पर ध्यान दूंगा।' लेकिन कुछ हफ्तों बाद, शायद फरवरी तक, ये संकल्प धूमिल हो जाते हैं। अलार्म घड़ी का गला घोंट दिया जाता है और फिटनैस का लक्ष्य भूल जाता है। धीरे-धीरे जीवन पुराने ढर्रे पर लौट आता है। अक्सर बेहद यह महत्वाकांक्षी संकल्प अव्यावहारिक होते हैं। इन्हें क्षणिक उत्साह और जोश के लिए लिया जाता है लेकिन इन्हें लंबे समय तक निभाने की तैयारी नहीं होती। एक खुशहाल नया साल किसी बड़े बदलाव या पूरी तरह से नए जीवन की मांग नहीं करता। इसकी कुंजी है छोटे-छोटे, लेकिन टिकाऊ बदलाव। जो चीजें काम कर रही हैं, उन्हें बनाए रखें, जो नहीं कर रहीं उन्हें छोड़ दें। छोटे और स्थायी बदलाव ही आपको बेहतर जीवन की ओर ले जाते हैं।

नए साल का एहसास विशेष होता है। इसे मनोवैज्ञानिक 'फ्रैश स्टार्ट इफैक्ट' कहते हैं। पहली जनवरी जन्मदिन या किसी सप्ताह का पहला दिन हमें मानसिक रूप से एक नई शुरूआत करने का अहसास देते हैं। यह महसूस होता है कि अब हम अपने जीवन में एक नई दिशा तय कर सकते हैं। शायद इसी कारण हम नए साल के शुरूआती दिनों में नए प्लानर खरीदते हैं, जिम की सदस्यता लेते हैं, या बड़े-बड़े लक्ष्य तय करते हैं। लेकिन केवल उत्साह सफलता की गारंटी नहीं देता। बिना उचित योजना और आत्ममंथन के ये अच्छे इरादे जल्द ही दम तोड़ देते हैं।

एक खुशहाल नए साल की शुरूआत आत्ममंथन से होती है। यह आत्ममंथन असफलताओं पर पछताने का नहीं, बल्कि उत्सुकता और समझदारी से जीवन का मूल्यांकन करने का है। पिछला साल आपके लिए कैसा रहा? क्या ऐसी चीजें थीं, जिन्होंने आपको खुशी दी या प्रगति के लिए प्रेरित किया? हो सकता है, आपने परिवार के साथ अधिक समय बिताया हो, एक शाम की सैर की आदत बनाई हो या अपने समय का बेहतर प्रबंधन किया हो। वहीं दूसरी तरफ, ऐसी कौन-सी चीजें थीं, जिन्होंने आपको थका दिया? शायद काम का अधिक बोझ, समय की बर्बादी या हर किसी को खुश करने की कोशिश। मनोवैज्ञानिक 'सैल्फ-डिस्टैंस्ड रिफ्लैक्शन' की सलाह देते हैं। इसका अर्थ है, अपनी जिंदगी को किसी और की नजर से देखना। यह जानने की कोशिश करें कि यह व्यक्ति अपने प्लान क्यों छोड़ देता है? वह उन चीजों को क्यों करता है, जिनसे उसे खुशी नहीं मिलती? यह दृष्टिकोण आपको यह समझने में मदद करता है कि कौन-सी आदतें आपके लिए फायदेमंद हैं और कौन-सी छोड़ देनी चाहिएं। लेकिन केवल स्पष्टता से ही जीवन आसान नहीं होता।

जीवन कभी सीधी रेखा में नहीं चलता। योजनाएं बदलती हैं और असफलताएं स्वाभाविक हैं। जो लोग इन बाधाओं का सामना कर पाते हैं, वे सफल होते हैं। उनमें खुद को हालात के हिसाब से ढालने और फिर से खड़े होने की क्षमता होती है। ऐसी क्षमता विकसित करने का पहला सबक है कृतज्ञता जो हमें यह सिखाती है कि जो हमारे पास है, उसकी सराहना करें। छोटी-छोटी सकारात्मक बातों को पहचानना हमारे दिमाग को समस्याओं की बजाय अवसरों पर ध्यान केंद्रित करना सिखाता है। दूसरा है 'माइंडफुलनैस' यानी वर्तमान में जीना। चाहे किसी महत्वपूर्ण बातचीत पर ध्यान देना हो या शांत सुबह का आनंद लेना, यह अभ्यास तनाव को कम करता है और आपको अपने जीवन में बेहतर जुड़ाव देता है। तीसरा, असफलताओं को नए दृष्टिकोण से देखना। जब आपके लक्ष्य पूरे न हों, तो इसे हार नहीं, बल्कि 'फीडबैक' मानें। उदाहरण के लिए, अगर आपने हर दिन व्यायाम करने की योजना बनाई थी, लेकिन हफ्ते में केवल दो बार कर पाए, तो यह भी प्रगति है।

अच्छे रिश्ते खुशहाल जीवन का एक महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। सच्चे रिश्ते केवल व्हाट्सएप संदेशों या फॉरवर्ड किए गए शुभकामना संदेशों से नहीं बनते। ये रिश्ते उपस्थिति और सहभागिता पर आधारित होते हैं। अपने दोस्तों को कॉल करें, बिना किसी बाधा के उनकी बात सुनें और जब संभव हो अपने प्रियजनों से मिलने जाएं। रिश्तों को मजबूत करने के लिए यह जरूरी है कि आप उनके साथ समय बिताएं और अपने जुड़ाव को गहरा बनाएं। नया साल कोई जादुई समय नहीं है। यह केवल एक मानसिक संकेत है, जो हमें रुकने, सोचने और अपने जीवन को फिर से दिशा देने का मौका देता है। इसकी असली कीमत इसमें है कि आप इसे कैसे उपयोग करते हैं। परिपूर्णता की बजाय प्रगति पर ध्यान दें। जो काम कर रहे हैं उसे दोहराएं,जो विफल रहा उससे सीखें। रिश्तों में निवेश करें और वर्तमान में जिएं। अगर फरवरी तक आपके संकल्प थोड़े लडखड़ाएं, तो चिंता न करें। हर दिन एक नई शुरूआत का मौका है।

महाराष्ट्र की सियासत में होगा बड़ा बदलाव?

बशु जैन

महाराष्ट्र की सियासत में एक बार फिर बड़ा उलटफेर होने जा रहा है? हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में महायुति की बंपर जीत के बाद विपक्षी महाविकास अघाड़ी में शामिल दलों के सुर बदलने लगे हैं। ताजा मामला उद्धव ठाकरे की शिवसेना के मुखपत्र सामना की संपादकीय में छपी सीएम देवेंद्र फडणवीस की तारीफ के बाद सामने आया है। संपादकीय में नए साल के मौके पर सीएम देवेंद्र फडणवीस के गढ़चिरौली के दौरे की तारीफ की गई है। इसके बाद शिवसेना के सांसद संजय राउत ने भी सीएम की तारीफ को लेकर जवाब दिया है।

सामना में छपे संपादकीय में लिखा गया है कि फडणवीस ने नए साल में काम की शुरुआत गढ़चिरौली जिले से की। फडणवीस ने गढ़चिरौली से विकास के एक पर्व की शुरुआत की। नए साल के मौके पर फडणवीस ने नक्सल प्रभावित जिले में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। फडणवीस ने जो कहा है अगर वह सच है तो यह गढचिरौली ही नहीं, पूरे महाराष्ट्र के लिए पॉजिटिव होगा।

संपादकीय में यह भी लिखा गया है कि शिवसेना को यकीन है कि देवेंद्र फडणवीस गढ़चिरौली में कुछ नया करेंगे। गढ़चिरौली में गरीबी की वजह से नक्सलवाद बढ़ा। पढ़-लिखकर पकौड़े तलने के बजाय, हाथों में बंदूकें लेकर आतंक मचाने, दहशत फैलाने की ओर युवाओं का झुकाव हुआ। इस संघर्ष में केवल खून ही बहा। पुलिस वाले भी मारे गए और बच्चे भी मारे गए। अब अगर मुख्यमंत्री गढ़चिरौली में इस तस्वीर को बदलने का निर्णय लेते हैं तो हम उन्हें बधाई देते हैं। हमें उम्मीद है कि फडणवीस गढ़चिरौली में कुछ नया करेंगे और आदिवासियों की जिंदगी बदल देंगे। अगर गढ़चिरौली में संविधान का राज आ रहा है तो मुख्यमंत्री फडणवीस प्रशंसा के पात्र हैं।

सामना में छपे संपादकीय को लेकर शिवसेना उद्धव के नेता संजय राउत ने कहा कि मैंने 10 नक्सलियों के हथियार डालने और भारतीय संविधान को स्वीकार करने की तस्वीरें देखी हैं। अगर कोई ऐसा करता है तो इसकी सराहना की जानी चाहिए। अगर गढ़चिरौली जैसे जिले का विकास होता है तो यह पूरे राज्य के लिए अच्छा है। अगर गढ़चिरौली महाराष्ट्र का स्टील सिटी बन जाता है तो इससे बेहतर कुछ नहीं है। यह सब देवेंद्र फडणवीस की पहल के बाद किया गया है और कोई इसकी सराहना नहीं कर रहा है, तो यह सही नहीं है।

शिवसेना नेता ने कहा कि हम हमेशा अच्छी पहल की सराहना करते हैं। हमने पीएम मोदी की भी आलोचना की है, लेकिन जब वे कुछ अच्छा करते हैं तो हम उसकी सराहना भी करते हैं। आज तक गढ़चिरौली में जो भी उद्योग आता है तो लोग केवल उस उद्योगपति से जबरन वसूली के बारे में सोचते हैं, लेकिन अब ऐसा लगता है कि चीजें बदल रही हैं और इसकी सराहना की जानी चाहिए।

राउत ने कहा कि हमने देवेंद्र फडणवीस की प्रशंसा की है क्योंकि सरकार ने अच्छा काम किया है। महाराष्ट्र हमारा राज्य है और नक्सलवाद से प्रभावित गढ़चिरौली में अगर नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया और सांविधानिक मार्ग चुना तो हम इसका स्वागत करते हैं। पहले के %संरक्षक मंत्री% ऐसा कर सकते थे, लेकिन इसके बजाय उन्होंने अपने एजेंट नियुक्त किए और पैसा इकट्ठा किया। इससे नक्सलवाद बढ़ा। हमने देवेंद्र फडणवीस के साथ काम किया है। लेकिन हम विपक्ष में हैं और हम मुद्दे उठाते रहेंगे।

जिसके मौन ने मचाया शोर.... वो चला गया

डॉ. रमेश ठाकुर

बानवे वर्ष में डॉ मनमोहन सिंह ने दुनिया को अलविदा कह दिया। उनका संपुर्ण मौन व्यक्तित्व ऐसा रहा जिससे देश भी कई मर्तबा अधीर होकर उठ खड़ा हुआ। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ0 मनमोहन सिंह को न सिर्फ भारत ने, बल्कि विश्व विरादरी ने अपना सगा अर्थ-व्यवस्था का विलक्षण कोहिनूर समान वास्तुकार खो दिया। पूरे संसार की आंखे उनके निधन से नम हैं। दो दफे प्रधानमंत्री के रूप में डॉक्टर साहब ने 5 ऐसे महत्वपूर्ण निर्णय लिए जिन्हें मौजूदा क्या, आने वाली पीढ़ियां भी स्मरण करती रहेंगी। 2005 में 'सूचना का अधिकार' और इसी साल 'मनरेगा कानून' को लागू करना। फिर सन-2009 में 'शिक्षा का अधिकार कानून'। वहीं, 2013 में दो बड़े फैसले 'राष्ट्रय खाद् सुरक्षा कानून' और 'भूमि अधिग्रहण कानून' पर अंतिम निर्णय लेने को प्रत्येक भारतवासी सदैव याद करेंगे।

डॉ. सिंह को अर्थव्यवस्था का सूत्रधार कहा गया। आर्थिक उदारीकरण और आर्थिक सर्वेक्षणों में सुधार के लिए उनकी एकाग्रता के सभी काबिल रहे। यूपीए सरकार के दूसरे टर्म में जब प्रधानमंत्री बनाने की बात हुई, तो प्रणब मुखर्जी का नाम सबसे तेज दौड़ा। पर, प्रणब मुखर्जी ने खुद आगे बढ़कर सोनिया गांधी और कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से गुहार लगाई कि देश की अर्थव्यवस्था के लिहाज से आगे बढ़ रही है, उसे डॉ. मनमोहन सिंह से बेहतर दूसरा कोई गति नहीं दे सकता। इसलिए वो गति निरंतर रहे, दोबारा से डॉक्टर साहब को ही कमान सौंपी जाए। उनके कहने के बाद ही यूपीए चेयरपर्सन

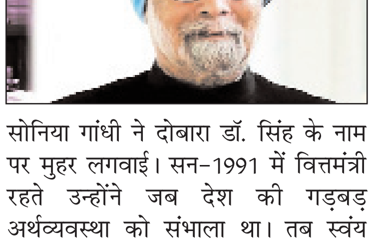

सोनिया गांधी ने दोबारा डॉ. सिंह के नाम पर मुहर लगवाई। सन-1991 में वित्तमंत्री रहते उन्होंने जब देश की गड़बड़ अर्थव्यवस्था को संभाला था। तब स्वंय अटल बिहारी बाजपेई ने उनकी तारीफ की थी। अपने वित्तमंत्री कार्यकाल के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री नरसिंह राव ने भी डॉ. सिंह के फैसलों को सराहा था। दरअसल वो ऐसा दौर था जब दशकों से बंद पड़ी भारतीय अर्थव्यवस्था के दरवारों को खोलने की शुरूआत मनमोहन सिंह द्वारा की गई थी।

वित्तमंत्री रहते लाइसेंस राज को खत्म करने का श्रेय भी उन्हें ही जाता है। उन्होंने सबसे पहले विदेशी निवेश को प्रोत्साहित करने का काम किया और भारत के भीतर विदेशी कारोबार को अपने अर्थ स्टाइल से आकर्षित करवाया। तभी से भारत में बाहरी कंपनियों के आगमन की शुरुआत हुई। ये काम उन्होंने बिना ढोल बजाए किया। न प्रचार किया और शोर-शराबा। जबकि, उनके चुप रहने और शांत भाव की 'मौनता' पर विभिन्न सियासी दलों ने हमेशा असहनीय और अखरने वाली तल्ख टिप्पणियां की। पर, उन्होंने कभी किसी को पलट कर कोई कड़वा जवाब नहीं दिया। उन्होंने व्यक्तिगत रिश्तों के मापदंणों को सियासत से सदैव उपर रखा। हालांकि, बीते एकाध दशक से उन पर ज्यादा ही कटाक्ष होने लगे, तो उनके भीतर का शांत शायर जाग उठा। तब, उन्होंने अपने सियासी विरोधियों को अपने दो शेर के जरिए जवाब दिया। उन शेर को लोग आज उनके न रहने पर खूब गुनगुना और याद कर रहे हैं। उनका पहला शेर था 'माना तेरे दीद के काबिल नहीं हूं मैं, तू मेरा शौक देख, मेरा इंतज़ार देख'। और दूसरा शेर 'हजारों जवाबों से अच्छी मेरी खामोशी, न जाने कितने सवालों की आबरू रखी', था। ये दोनों शेर हमेशा चर्चाओं में रहे।

गौरतलब है कि अर्थव्यवस्था के अलावा डॉक्टर मनमोहन सिंह को उच्च शिक्षा में अमूलचूक परिवर्तन और बड़ा सुधारक भी माना गया। एक मर्तबा खुद उन्होंने स्वीकारा था कि विश्व के उच्च शिक्षा संस्थान में पढ़ने के बाद ही उन्होंने देश में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां को संभालने का अवसर मिला। इसलिए वह उच्च शिक्षा के सदैव पक्षधर रहे। प्रत्येक निर्णयों में उनका धैर्य, संयम, निस्पृहता और उदारता देखने लायक होती थी। प्रेशर में आकर या जल्दबाजी में उन्होंने कभी कोई निर्णय नहीं लिया। 2005 में मनरेगा का जब फाइनल ड्रफ तैयार होकर उनके समक्ष प्रस्तुत किया गया, तो उसमें उन्होंने बदलाव करने को कहा, जिसको लेकर उन्होंने सोनिया गांधी की नाराजगी भी सही। लेकिन बाद में हुआ वही जो मनमोहन सिंह ने चाहा। मनमोहन सिंह सरकार में अरुणा राय उनकी सलाहकार थी, जिन्होंने ही मनरेगा में महत्वपूर्ण बदलाव के सुझाव दिए थे, उनकी राय पर ही डॉक्टर साहब ने रोजगार गारंटी अधिनियम कानून लागू किया गया। उसमें अर्थशास्त्री ज्यां द्रेज की भी महत्वपूर्ण भूमिका थी।

मनमोहन सिंह का व्यक्तित्व निसंदेह करिश्माई था। करिश्माई इसलिए, क्योंकि अस्सी के दशक में जिन्होंने भी विभिन्न भारतीय नोटों में रिजर्व बैंक के गवर्नर के रूप में उनका नाम और हस्ताक्षर देखें होंगे। उन्होंने सपनों में भी नहीं सोचा होगा कि ये व्यक्ति कभी प्रधानमंत्री का औहदा भी संभालेगा। एक दफे उन्होंने लोकसभा का चुनाव लड़ा, लेकिन हार गए। उसके बाद वह बिना कोई चुनाव लड़े देश के शीर्ष पदों पर पहुंचे। डॉ. मनमोहन सिंह रिकॉर्ड 33 वर्ष तक राज्यसभा में सक्रिय सदस्य के रूप में अपनी भूमिका निभाते रहे। वर्ष-1991 में वह पहली बार राज्यसभा पहुंचे। उसके 1995, 2001, 2007 और 2013 में फिर से राज्यसभा के लिए चुने गए। सन 1998 से लेकर 2004 के बीच वह राज्यसभा में नेता विपक्ष का औहदा भी संभाला, केंद्र में एनडीए की हुकुमत हुआ करती थी। इसके अलावा वह वित्त सचिव, मुख्य आर्थिक सलाहकार, योजना आयोग के उपाध्यक्ष, प्रधानमंत्री के सलाहकार, यूजीसी अध्यक्ष और आरबीआई गवर्नर भी रहे। कुलमिलाकर उन्होंने देश के तकरीबन बड़े पदों पर रहकर उनकी सौभाएं बढ़ाई। सभी विधाओं में उनकी भूकिमाएं काबिलेतारीफ रही। वैश्वीकरण, उदारीकरण और निजीकरण के तीनों संस्करणों में उन्होंने अपना बहुमूल्य योगदान दिया, जिसे देश कभी नहीं भूलेगा। डॉ. मनमोहन सिंह देश के बेशकीमती हीरे ही नहीं, बल्कि धरोहर जैसे थे। उनके योगदान के किस्से आने वाली पीढ़ियां तब तक सुनती, पढ़ती रहेंगी। जब तक ये धरा रहेगी। अलविदा, डॉक्टर साहब, मेरी ओर से आपको भावभीनी श्रद्धांजलि।

केन-बेतवा नदी को जोड़ने के गणित में घाटे का नतीजा

पंकज चतुर्वेदी

लगभग 44 साल लगे नदियों को जोड़ने की संकल्पना को मूर्त रूप देने के प्रारब्ध में। इसके लिए चुना गया देश का वह हिस्सा जो सदियों से उपेक्षित, पिछड़ा और प्यास-पलायन के कारण कुख्यात रहा। 44 हजार करोड़ से अधिक का व्यय और आठ साल का समय। एकबारगी लगता है कि किन्हीं दो बहती नदियों को बस जोड़ दिया जाएगा ताकि कम पानी वाली नदी भी सदानीरा हो जाए। असल में हो यह रहा है कि छतरपुर और पन्ना जिले की सीमा पर दौधन में केन नदी पर 77 मीटर ऊंचा बांध बनाया जाएगा। इस बांध की जल एकत्र करने की क्षमता होगी 2853 मिलियन क्यूबिक मीटर। योजना यह है कि यहां एकत्र केन नदी के 'अतिरिक्त पानी' को दौधन बांध से 221 किमी लंबी लिंक नहर के माध्यम से बेतवा नदी में डाल दिया जाएगा। कुल मिलाकर यह उस केन नदी के जल का बंटवारा है जो हर बरसात में उफनती तो है लेकिन साल में छह महीने इसमें घुटनों पानी भी नहीं रहता। यह भी समझना होगा कि बाढ़ हर समय तबाही ही नहीं लाती। बाढ़ नदी के अच्छे स्वास्थ्य के साथ उसके आसपास बसे गांव कस्बों की समृद्धि का भी मार्ग प्रशस्त करती है। इसी जल विस्तार के कारण यहां घने जंगल हैं जो देश में सबसे अधिक बाघों के लिए सुरक्षित स्थान हैं। बाघ अकेले तो जी नहीं सकता, उसके भोजन के लिए जरूरी लाखों-लाख जानवरों का भी यह आश्रय है। इस समूचे इलाके में आदिवासियों की बस्तियां हैं और उनके जीवकोपार्जन का साधन- तेंदूपत्ता, महुआ, चिरोंजी के साथ-साथ सागवान के घने जंगल इसी बाढ़ की देन हैं। देश की सूखी नदियों को सदानीरा नदियों से जोड़ने की बात लगभग आजादी के समय से ही शुरू हो गई थी। प्रख्यात वैज्ञानिक-इंजीनियर सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैय्या ने इस पर बाकायदा शोध पत्र प्रस्तुत किया था। उन दिनों पेड़ को उजाड़ने से सभी डरते थे। सो पर्यावरण को नुकसान, बेहद खर्चीली और अपेक्षित नतीजे न मिलने के डर से ऐसी परियोजनाओं पर क्रियान्वयन नहीं हो पाया। जब देश में विकास के आंकड़ों का आकलन सीमेंट-लोहे की खपत और उत्पादन से आंकने का दौर आया तो अरबों-खरबों की परियोजनाओं के झिलमिलाते सपने दिखाने में सरकारें होड़ करने लगीं। नदियों का पानी समुद्र में न जाए, बारिश में लबालब होती नदियों को गांव-खेतों में घुसने के बजाय ऐसे स्थानों की ओर मोड़ दिया जाए जहां इसे बहाव मिले तथा जरूरत पर इसके पानी को इस्तेमाल किया जा सके- इस मूल भावना को लेकर नदियों को जोड़ने के पक्ष में तर्क दिए जाते रहे हैं। लेकिन यह विडंबना है कि केन-बेतवा के मामले में तो 'नंगा नहाए क्या और निचोड़े क्या' की लोकोक्ति सटीक बैठती है। केन और बेतवा दोनों का ही उद्गम स्थल मध्यप्रदेश में है। दोनों नदियां लगभग समानांतर एक ही इलाके से गुजरती हुई उत्तर प्रदेश में जाकर यमुना में मिल जाती हैं। जाहिर है कि जब केन के जल ग्रहण क्षेत्र में अल्प वर्ष या सूखे का प्रकोप होगा तो बेतवा की हालत भी ऐसी ही होगी।

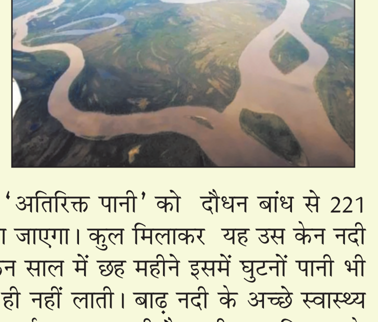

अथिया शेट्टी ने फ्लॉन्ट किया बेबी बंप

पति केएल राहुल के साथ हाथ में हाथ डाले नजर आईं अभिनेत्री

अथिया शेट्टी और केएल राहुल अपने पहले बच्चे के आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। नवंबर में अपनी प्रेग्नेंसी का खुलासा करने के बाद, अथिया ने अपने पति के एल राहुल के साथ हाथ में हाथ डाले टहलते हुए अपना बेबी बंप दिखाते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। पोस्ट के साथ, उन्होंने 'नई शुरुआत' को अपनाने के बारे में एक दिल को छू लेने वाला संदेश भी लिखा।

अथिया शेट्टी ने कुछ ही देर पहले इंस्टाग्राम पर एक दिल को छू लेने वाली पोस्ट शेयर की है। पहली तस्वीर में, वह स्टाइलिश को-ऑर्ड सेट में बेहद खूबसूरत दिखाई दे रही हैं। इस नए लुक में अथिया एक स्लीक पोनीटेल, धूप का चश्मा और एक आरामदायक वाइब के साथ वह केएल राहुल के कंधे पर अपना सिर टिकाए हुए नजर आ रही हैं।

कैजुअल फुल स्लीव टी-शर्ट, डेनिम और कैप पहने क्रिकेटर के एल राहुल भी काफी हैंडसम दिखाई दे रहे हैं। मोनोक्रोमैटिक शॉट में कपल गोल की झलक प्रशंसकों को बेहद पसंद आ रही है। दूसरी स्लाइड में एक वीडियो है, जिसमें अथिया का बेबी बंप साफ दिखाई दे रहा है। इस तस्वीर में उसका चेहरा दिखाई नहीं दे रहा है, लेकिन उसकी उपस्थिति साफ नजर आ रही है। इस शानदार पोस्ट के साथ अथिया ने लिखा, अक्सर धीमे हो जाओ। अपने आशीर्वादों को गिनें। अपने दिल के प्रति दयालु बनो। नई शुरुआत में विश्वास रखो।

अपनी पोस्ट में, अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, 2025, आपका इंतजार कर रही हूं। इस पोस्ट के शेयर करते ही यह प्रशंसकों के बीच वायरल हो गया। प्रशंसकों के अलावा मशहूर हस्तियों ने भी अथिया की इस पोस्ट पर प्यार बरसाया है। टाइगर श्रॉफ ने काले दिल वाले इमोजी के साथ अपनी प्रतिक्रिया दी, जबकि रिया कपूर ने दिल और आंखों वाले इमोजी से अपना प्यार जताया।

अथिया की शानदार तस्वीरों पर प्रशंसकों ने भी जमकर प्यार लुटाया। एक फैन ने लिखा, आप लोग केवल एक ही तस्वीर क्यों शेयर कर रहे हैं? एक और फैन ने लिखा, प्लीज, मेरा दिल मक्खन की तरह पिघल रहा है। एक फैन ने मजाकिया अंदाज में लिखा, ₹बस केएल दो छोटे बच्चों की देखभाल कर रहा है एक और फैन ने लिखा, ₹केएल दो प्यारे बच्चों को पकड़े हुए है।

अथिया ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट के जरिए अपनी पहली प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी। अपनी खुशी शेयर करते हुए इस जोड़े ने खुलासा किया कि उनका बच्चा 2025 में आने वाला है। इस पोस्ट के साथ अथिया ने नोट में लिखा था, ₹हमारा सुंदर आशीर्वाद जल्द ही आ रहा है। 2025 और साथ में प्यारे बच्चे के पैरों की इमोजी भी थी। केएल राहुल ने जनवरी 2023 में बॉलीवुड अभिनेत्री और सुनील शेट्टी की बेटी अथिया शेट्टी के साथ शादी की थी। कथित तौर पर दोनों की मुलाकात 2019 में एक दोस्त द्वारा हुई थी और तब से उनका प्यार जगजाहिर है।

लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड आशना श्रॉफ संग शादी के बंधन में बंधे प्लेबैक सिंगर अरमान मलिक

प्लेबैक सिंगर अरमान मलिक ने आज यानी 2 जनवरी को अपनी लॉन्गटाइम गर्लफ्रेंड आशना श्रॉफ से शादी कर ली। सिंगर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपने वेडिंग डे की कई तस्वीरें शेयर करके मशहूर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर से अपनी शादी की खुशखबरी की घोषणा की। फैंस सिंगर को ढेर सारी शुभकामनाएं दे रहे हैं। सिंगर की वेडिंग फोटोज भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है।

पत्नी आशना मलिक को बताया घर

अरमान ने साल की शुरुआत में ही अपने फैंस को सरप्राइज कर दिया है। हाल ही में, उन्होंने शादी की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, ₹तू ही मेरा घर।₹ बेबी पिंक ड्रेस में अरमान मलिक काफी डैशिंग लग रहे हैं। वहीं, लाल जोड़े में आशना दुल्हन बन काफी सुंदर लग रही हैं। प्रशंसक भी अरमान मलिक को ढेर सारी शुभकामनाएं दे रहे हैं।

प्रशंसकों ने दिया ये रिएक्शन

एक यूजर ने लिखा, 'ये क्या तरीका है सरप्राइज देने का।' दूसरे यूजर ने लिखा, 'आज का दिन तो हमारे लिए ही बड़ा बन गया है। दोनों को खूब शुभकामनाएं। बेहद प्यारी तस्वीरें हैं।' एक और यूजर ने लिखा, 'अरमान ने शादी की तस्वीरें इतनी अचानक से दिखाई है कि मुझे तो अभी तक विश्वास नहीं हो रहा है कि दोनों की शादी हो गई है।'

इन गानों के लिए फेमस हैं सिंगर

अरमान मलिक ने अगस्त 2023 में आशना श्रॉफ को प्रपोज किया था। बाद में, उन्होंने अपनी गर्लफ्रेंड के लिए कसम से - द प्रपोजल नाम से एक म्यूजिक वीडियो भी जारी किया था।

लगभग दो महीने बाद, इस कपल ने आधिकारिक रूप से सगाई भी कर ली थी, जिसकी तस्वीरें भी उन्होंने अपने फैंस के साथ साझा की थी।

क्या करती हैं आशना श्रॉफ?

गायक अरमान मलिक वजह तुम हो, बोल दो ना जरा और बुट्टा बोम्मा जैसे गानों के लिए लोकप्रिय हैं ।अरमान ने इससे पहले ब्रिटिश गायक एड शीरन के गाने 2स्टेप के नए वर्जन पर उनके साथ मिलकर काम किया था।

वहीं, बात करें आशना श्रॉफ की तो आशना श्रॉफ एक फैशन और ब्यूटी ब्लॉगर और यूट्यूबर हैं। उन्हें कॉस्मोपॉलिटन लग्जरी फैशन इन्फ्लुएंसर ऑफ द ईयर 2023 नामित किया गया था।

जब अमिताभ बच्चन ने 'कजरा रे' में दिया जुगलबंदी का आइडिया, शंकर महादेवन ने तुरंत लिख दी थी लाइनें

अमिताभ बच्चन सिनेमा के सबसे चर्चित सितारों में से एक हैं। अमिताभ बच्चन को अभिनय के साथ गाना गाने में भी दिलचस्पी रखते हैं। शंकर महादेवन ने अमिताभ बच्चन को लेकर बात की है। उन्होंने बताया कि 'कजरा रे' गाने में जो जुगलबंदी हुई, उसमें अमिताभ बच्चन का खास रोल था। हाल ही में , शंकर महादेवन ने बताया, 'बच्चन सर स्टूडियो आया करते थे, हमारे साथ बैठते थे। हमारे साथ मस्ती मजाक भी करते थे। कजरा रे गान में 'धिन धिनक धिन...' भी उन्ही का आइडिया था। बातों में जुगल बंदी वाला आइडिया भी उन्ही से आया था। ये गाना मेरा चैन वैन सब उजड़ा से शुरू हो रहा था। उन्होंने कहा कि इससे पहले कुछ जुगलबंदी लेते हैं। मैंने ये पांच मिनट में ही कर दिया। इससे वे बहुत खुश हो गए थे।

शंकर महादेवन की आवाज चाहते थे अमिताभ

शंकर महादेवन ने बताया कि उन्होंने गाने के डमी वर्जन को तैयार किया। वे चाहते थे कि इस गाने को कोई और अभिनेता गाए। इस पर अमिताभ बच्चन ने कहा, तुम किसे फोन करने जा रहे हो? मैंने कहा, और भी गायक आएंगे और इस गाने को गाएंगे। उन्होंने कहा, उसको हाथ लगाओगे तो मैं तुम्हें मार डालूंगा। ये गाना तुम्हारी आवाज में होना चाहिए। मुझे तुम्हारी आवाज बहुत पसंद है।

अमिताभ बच्चन ने भी गाया गाना

गुलजार द्वारा लिखे गए इस कजरा रे गाने को अलीशा, शंकर और जावेद अली ने गाया है और ऐश्वर्या राय, अमिताभ बच्चन और अभिषेक बच्चन पर फिल्माया गया है, जिसकी कोरियोग्राफी वैभवी मर्चेंट ने की है। फिल्म में शंकर की आवाज अमिताभ पर फिल्माई गई है और जावेद की आवाज अभिषेक ने लिप-सिंक की है।

किंग खान ने सॉफ्ट ड्रिंक-स्मोकिंग को लेकर कही यह खास बात? बोले- यह लोगों को जहर दे रहा है

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान, जो अपने बेबाकी के लिए प्रसिद्ध हैं। उन्होंने एक बार सॉफ्ट ड्रिंक्स और धूम्रपान को लेकर अपनी राय शेयर की थी, जिससे सुनने के बाद कोई भी हैरान हो जाएगा। उनका यह वीडियो एक बार फिर से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

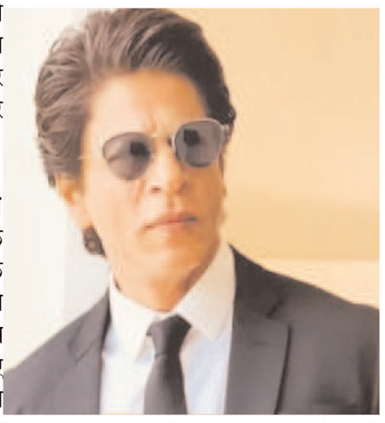

सॉफ्ट ड्रिंक्स को लेकर शाहरुख ने कही थी यह बात

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान शाहरुख खान ने कहा, "अगर कोल्ड ड्रिंक्स वाकई में लोगों के लिए हानिकारक हैं तो उनका उत्पादन पूरी तरह से बंद कर देना चाहिए। अगर आपको लगता है कि यह बच्चों के लिए बुरा है, तो इसे तुंरत रोक दें।" वहीं धूम्रपान को लेकर शाहरुख खान ने कहा, मैं किसी भी अधिकारी से इस तरह की अपील करूंगा। इसे बंद कर दें। इसे हमारे देश में बिकने ना दें। धूम्रपान बुरा है - इस देश में सिगरेट का उत्पादन ना होने दें। अगर आपको लगता है कि कोल्ड ड्रिंक्स खराब हैं, तो उन्हें ना बनने दें। अगर यह हमारे लोगों को जहर दे रहा है, तो इसे भारत में ना बनने दें।

धूम्रपान को लेकर किंग की राय

शाहरुख ने धूम्रपान से होने वाली बड़ी स्वास्थ्य के देखते हुए कहा, पूरा बड़ा मुद्दा यह है कि आज धूम्रपान, कल क्या? और यह आगे कहां जाता है? मैं वास्तव में मानता हूं कि भारतीय जनता इतनी शिक्षित है कि वह जानती है कि धूम्रपान कितना गलत होता है।

अब कोई ऐसा नहीं है कि आप किसी अभिनेता के धूम्रपान करने पर धूम्रपान करना शुरू कर दें। मुझे लगता है कि सत्ता में बैठे लोगों को फिल्मों में धूम्रपान से कहीं बड़े स्वास्थ्य मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। काम की बात करें तो शाहरुख खान निर्देशक सुजॉय घोष की आगामी एक्शन फिल्म किंग में बेटी सुहाना खान के साथ नजर आएंगे।

वरुण धवन की बात पर कीर्ति सुरेश ने दी प्रतिक्रिया

बोलीं- 'किसी ने नंबर मांगा मुझे पता नहीं'

'बेबी जॉन' फिल्म में फेम कीर्ति सुरेश ने वरुण धवन के साथ फिल्म की है। इस फिल्म में कीर्ति को पसंद किया जा रहा है। कीर्ति ने हाल ही में एंटनी थाटिल के साथ शादी की। वे शादी से पहले 15 साल तक रिलेशनशिप में रहे थे। उन्होंने बेबी जॉन फिल्म में अपने सह-कलाकार वरुण धवन के बयान पर प्रतिक्रिया दी है।

एक इंटरव्यू को लेकर कीर्ति सुरेश ने कहा कि कई पुरुष अभिनेताओं ने उनसे उनका नंबर मांगा, लेकिन उन्होंने उन्हें नंबर नहीं दिया क्योंकि उन्हें पता था कि वह सिंगल नहीं हैं। वरुण धवन को लेकर कीर्ति सुरेश ने कहा कि काश उन्होंने मुझे बताया होता। मैं यह पहली बार सुन रही हूं। उन्होंने मुझे कभी नहीं बताया।

प्राइवेसी रखना पसंद करती हैं कीर्ति

कीर्ति ने कहा, किसी को नहीं पता था। सिर्फ बहुत करीबी दोस्तों को ही पता था और इंडस्ट्री में भी, सामंथा को पता था जगदीश शुरू से ही हमारे सफर का हिस्सा रहे हैं। एटली और प्रिया जानते थे, विजय सर जानते थे हम दोनों राज रखने में बहुत अच्छे हैं। दरअसल, हम अप्रैल 2022 से ही इस शादी की योजना बना रहे हैं। मुझे लगा कि यह बहुत पहले ही सामने आ जाएगी। हम दोनों को अपनी प्राइवेसी पसंद है और वे थोड़े शर्मीले भी हैं। हम हाथ पकड़कर नहीं घूमते। इतने सालों से यही चल रहा है।"

कोई न्यूजीलैंड में तो कोई 100 रशियन डांसर्स के साथ हुआ शूट, 75 करोड़ में बने 'गेम चेंजर' के गाने

राम चरण और कियारा आडवाणी की आगामी फिल्म 'गेम चेंजर' इन दिनों चर्चा में है। फिल्म कहानी के साथ अपने संगीत को लेकर भी सुर्खियों में है। इसके चार गानों पर निर्माताओं ने पानी की तरह पैसा बहाया है। फिल्म के संगीत की कुल लागत 75 करोड़ रुपये हैं, जो किसी बड़ी फिल्म के निर्माण बजट से भी ज्यादा है। आइए जानते हैं कि इन गानों में आखिर खास क्या है?

जरागंडी : जरागंडी गाने को बड़े स्तर पर शूट किया गया है। इस गाने की कोरियोग्राफी मशहूर डांसर-कोरियोग्राफर प्रभु देवा ने की है। गाने के सेट को एक विशाल 70 फीट ऊंची पहाड़ी के गांव प तैयार किया गया था। खास बात यह है कि इस गाने में 600 से ज्यादा डांसरों ने काम किया है। इसकी शूटिंग 13 दिनों तक चली। इस गाने में इस्तेमाल किए गए कपड़े पूरी तरह से पर्यावरण के अनुकूल जूट से बनाए गए थे। इसी वजह से यह गाना न सिर्फ भव्य नहीं बल्कि ईको-फ्रेंडली भी है।

रा माचा माचा : इस गाने में भारत की लोक संस्कृति की झलक लोगों को देखने को मिलेगी। गाने की कोरियोग्राफी गणेश आचार्य ने की है। गाने में कुल 1000 डांसर हिस्सा लिया। यह गाना भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता का जश्न मनाता पर्दे पर मनाती नजर आएगी।

ना ना हायराना : ना ना हायराना गान इस फिल्म में काफी ज्यादा खास है। इसमें एक नयए तकनीक का प्रयोग किया गया है। यह भारत का पहला गाना है जिसे इन्फ्रारेड कैमरे से शूट किया गया है। इस गाने में पश्चिमी और कर्नाटक संगीत का अनूठा मिश्रण देखने को मिलेगा। इस गाने को न्यूजीलैंड में शूट किया गया है।

धोप : 'गेम चेंजर' का यह गाना ऊर्जा से भरा हुआ है। इसे जानी मास्टर ने कोरियोग्राफ किया है। इस गाने की खास बात यह है कि इसमें 100 रूसी डांसरों ने डांस किया है। इस गाने की शूटिंग सिर्फ 8 दिनों में की गई, लेकिन इसके बावजूद इसका परफॉर्मेंस और एनर्जी स्तर पर कोई असर नहीं पड़ा। दर्शकों के पंसद को ध्यान में रखते हुए इस गाने को तैयार किया गया है।

'ओटीटी वर्सेज थिएटर' की बहस में 'देसी गर्ल' ने किया सिनेमाघर का चुनाव, बोलीं- यह जादू है

बॉलीवुड से हॉलीवुड का सफर तय कर चुकीं अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा की दीवानगी दुनियाभर में है। प्रियंका ने अपने दम पर यह पहचान बनाई है। बॉलीवुड में सिक्का जमाने वाली देसी गर्ल ने 2017 में हॉलीवुड का रुख किया। अब हाल ही में, अभिनेत्री ने ओटीटी वर्सेज थिएटर की बहस पर अपनी राय दी है और थिएयर में फिल्में देखने के अनुभव को काफी अलग बताया है। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है।

ओटीटी वर्सेज थिएटर पर बोलीं देसी गर्ल

हाल ही में, एक साक्षात्कार में देसी गर्ल ने कहा, मुझे लगता है कि ओटीटी और थिएटर दोनों के अपने अलग मायने हैं और दोनों ही काफी अच्छे भी है। हम एक ऐसे समय में रह रहे हैं, जब हम 24 घंटे, 7 दिन और रात हर संभव तरीके से मनोरंजन तक पहुंच सकते हैं और यह मुझे लगता है कि खुद में काफी अच्छा है।

हालांकि, अभिनेत्री ने सिनेमाघरों में फिल्म देखने के एक्सपीरियंस की खूब सराहना की है और कहा है कि उन्हें आज भी थिएटर जाकर फिल्में देखने में काफी मजा आता है। प्रियंका ने कहा, मुझे लगता है कि थिएटर में जाकर फिल्म देखना मेरे लिए हमेशा खास रहेगा। अंधेरे थिएटर में फिल्म देखने जैसा कुछ नहीं है, न केवल दोस्तों और परिवार के साथ, बल्कि अजनबियों से भरे कमरे में, सभी देखने के अनुभव से जुड़े हुए हैं।

थिएटर में फिल्में देखना पसंद करती हैं अभिनेत्री

प्रियंका ने आगे कहा, बड़ी स्क्रीन का, तेज साउंड इसे लोगों के लिए और अच्छा बना देते हैं। वहां बैठकर ऐसा लगता है कि सच में यह सारे सीन्स हमारे बीच ही हो रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि मूवी थिएटर का जादू कभी फीका पड़ेगा। वर्कफ्रंट की बात करें तो कथित तौर पर निर्देशक फरहान अख्तर की फिल्म 'जी ले जरा' में प्रियंका के साथ कैटरीना कैफ और आलिया भट्ट मुख्य भूमिका में नजर आ सकती हैं। हालांकि, अभी तक इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

क्या बॉयफ्रेंड इब्राहिम संग नए साल का जश्न मनाकर मुंबई लौटी पलक?

कथित लवबड्र्स इब्राहिम अली खान और पलक तिवारी को हाल ही में मुंबई एयरपोर्ट पर मैचिंग आउटफिट में एक साथ देखा गया, जब वे नए साल की छुट्टियां मनाकर वापस मुंबई लौटे।

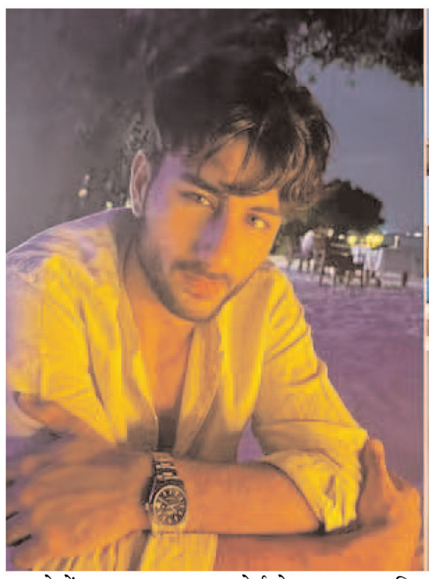

बॉलीवुड सेलेब्रिटीज अपने खास लोगों और परिवार के साथ नए साल 2025 का जश्न मनाने के लिए छुट्टियां मना रहे थे। हाल ही में इब्राहिम अली खान को मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया। उन्हें कथित गर्लफ्रेंड पलक तिवारी के साथ काले रंग की ड्रेस में देखा गया। कथित तौर पर यह जोड़ा गोवा की छुट्टियों से लौटा है।

1 जनवरी, 2025 की शाम को, इब्राहिम अली खान और पलक तिवारी को लगभग एक ही समय पर मुंबई एयरपोर्ट पर पैपराजा ने अपने कैमरे में कैद कर लिया। इब्राहिम को काले रंग की हुडी और मैचिंग पैंट के साथ सफेद जूते पहने देखा गया। इब्राहिम ने अपने लुक को सिल्वर वॉच और ब्लैक शेड्स से पूरा किया। पलक ने फुल-स्लीव ब्लैक टॉप और ब्लू डेनिम जींस के साथ ब्लैक फ्लैट्स पहने हुए थे। उन्होंने अपने बाल खुले रखे थे, ब्लैक ग्लेयर्स और घड़ी पहनी हुई थी।

दोनों अलग-अलग एयरपोर्ट से बाहर आए, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वे दोनों नए साल का जश्न एक साथ मनाकर गोवा से लौटे हैं। इब्राहिम अली खान और पलक तिवारी के डेटिंग की खबरें पिछले कुछ समय से आ रही हैं। हालांकि दोनों ने ही आधिकारिक तौर पर अपने रिश्ते की पुष्टि नहीं की है, लेकिन उन्हें पहले भी कई मौकों पर एक साथ देखा गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान पलक तिवारी की मां और अभिनेत्री श्वेता तिवारी ने कहा कि उनकी बेटी के लिंकअप की अफवाहों से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। काम की बात करें तो पलक तिवारी ने सलमान खान स्टारर 2023 की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस बीच, इब्राहिम अली खान सरजमीन के साथ अपने बॉलीवुड डेब्यू के लिए कमर कस रहे हैं। कायोज ईरानी द्वारा निर्देशित इस एक्शन थ्रिलर में काजोल और पृथ्वीराज सुकुमारन भी अहम किरदार में नजर आएंगे।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इब्राहिम, खुशी कपूर के साथ एक रोमांटिक कॉमेडी में भी काम करने वाले हैं। कथित तौर पर इस फिल्म का नाम नादानियां है। इस फिल्म का निर्देशन शौना गौतम कर रही हैं, जिन्होंने 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में करण जौहर को असिस्ट किया था। निर्माता दिनेश विजन की दिलेर भी इब्राहिम की फिल्मों में शामिल है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

प्रधानमंत्री ने विकास के लिए महाराष्ट्र सरकार को सराहा

नईदिल्ली। राज्य के दुर्गम और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए महाराष्ट्र सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विशेष रूप से सराहना की है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की सोशल मीडिया पोस्ट का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, महाराष्ट्र सरकार द्वारा दुर्गम और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए किए गए प्रयासों की मैं सराहना करता हूं। ये प्रयास लोगों के जीवन में सरलता लाएंगे और अधिक प्रगति सुनिश्चित करेंगे। गढ़चिरौली और आसपास के क्षेत्रों के मेरे सभी भाई-बहनों को विशेष शुभकामनाएं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने प्रधानमंत्री की इस प्रशंसा का जवाब देते हुए कहा, गढ़चिरौली की जनता की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार मानते हुए, उनके निरंतर समर्थन और दूरदर्शी मार्गदर्शन को प्रेरणास्रोत बताया। साथ ही, श्री मोदी के ईज ऑफ लिविंग के दृष्टिकोण से जनता का जीवनस्तर बदलने के तथा उज्ज्वल भविष्य के लिए नए क्षितिज खोलने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त किया।

भारत हमेशा द्वीप राष्ट्र के साथ खड़ा है : एस जयशंकर

नई दिल्ली। भारत और मालदीव ने सीमा पार व्यापार के लिए स्थानीय मुद्राओं के उपयोग को बढ़ावा देने की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया। केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आश्वासन दिया कि भारत हमेशा द्वीप राष्ट्र के साथ खड़ा रहेगा। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में जयशंकर ने मालदीव के अपने समकक्ष अब्दुल्ला खलील से मुलाकात की। बता दें कि मालदीव के विदेश मंत्री गुरुवार को तीन दिवसीय दौरे पर भारत पहुंचे। इस दौरे का लक्ष्य दोनों देशों के बीच समुद्री सुरक्षा, व्यापार और निवेश सहित कई प्रमुख क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के तरीके तलाशना है। जयशंकर ने कहा, मैंने देखा कि सीमा पार लेनदेन के लिए स्थानीय मुद्राओं के उपयोग को बढ़ावा देने की रूपरेखा पर हस्ताक्षर किए गए हैं। हमने कई क्षेत्रों में अपनी सहभागिता बढ़ाई है और मैं यह कहना चाहूंगा कि भारत हमेशा मालदीव के लिए खड़ा है। बता दें कि हिंद महासागर क्षेत्र में मालदीव भारत का प्रमुख पड़ोसी देशों में से एक है।

सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क को हाईकोर्ट से बड़ा झटका

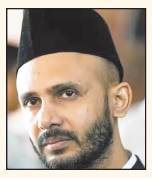

प्रयागराज। संभल की शाही जामा मस्जिद में 24 नवंबर को सर्वे के दौरान हुई हिंसा मामले में समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर्रहमान बर्क को तगड़ा झटका लगा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सपा सांसद के खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द करने की मांग ठुकरा दी है। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में एफआईआर रद्द नहीं होगी और पुलिस की जांच जारी रहेगी। हालांकि हाईकोर्ट ने पुलिस को फिलहाल सांसद बर्क की गिरफ्तार नहीं करने का आदेश दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट में सपा सांसद के मामले पर सुनवाई करते हुए अदालत ने एफआईआर रद्द करने की मांग को ठुकरा दिया है। कोर्ट ने कहा है कि जिन धाराओं में सांसद बर्क के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, उनमें 7 साल से कम की सजा होती है। इस मामले में पुलिस सांसद बर्क को नोटिस जारी करेगी। नोटिस जारी कर उन्हें पूछताछ के लिए बुला सकती है। सांसद बर्क को पुलिस की जांच में सहयोग करना होगा।

कर्नाटक कांग्रेस का खटा खट लूट मॉडल : भाजपा

नईदिल्ली। कर्नाटक सरकार ने गुरुवार को राज्य के स्वामित्व वाले परिवहन निगमों में बस किराए में 15% की वृद्धि की। परिचालन लागत में भारी बढ़ोतरी जैसे ईंधन की कीमतों और कर्मचारियों पर खर्च में वृद्धि को देखते हुए यह निर्णय लिया गया। विपक्षी भाजपा ने बस किराए में बढ़ोतरी के फैसले को लेकर सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर हमला बोला। यह फैसला 5 जनवरी से लागू होगा। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार के बस किराए में बढ़ोतरी के फैसले की आलोचना की और इसे कांग्रेस पार्टी का खटा-खट लूट मॉडल बताया। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस पार्टी का खटा खट लूट मॉडल है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जहां भी जाती है, लूट, महँगाई और अर्थव्यवस्था की बर्बादी होती है। आज कर्नाटक में पानी, पेट्रोल, डीजल, दूध और तमाम तरह की कीमतों में बढ़ोतरी के बाद अब बस किराया भी बढ़ा दिया गया है। उन्होंने मुफ्त बस यात्रा का वादा किया।

रुद्राभिषेक कर सीएम योगी ने की राष्ट्र कल्याण की कामना

लखनऊ। गोरक्ष पीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार की सुबह गोरखनाथ मंदिर में रुद्राभिषेक कर भगवान भोलेनाथ से राष्ट्र कल्याण और सभी नागरिकों के सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। पौष माह की शुक्ल पक्ष चतुर्थी (विनायक चतुर्थी) पर हुए रुद्राभिषेक अनुष्ठान के संपन्न होने पर मुख्यमंत्री योगी ने हवन किया। गोरखनाथ मंदिर स्थित पीठाधीश्वर आवास के प्रथम तल पर शक्तिपीठ में मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने देवाधिदेव महादेव को बिल्व पत्र, कमल पुष्प, दूर्वा, विभिन्नपूजन सामग्री अर्पित करने कर बाद दूध, दही, घी, शर्करा और तीर्थ स्थलों के पवित्र जल से रुद्राभिषेक किया। मठ के पुरोहितगण ने शुक्ल यजुर्वेद संहिता के रुद्राष्टाध्याय के महामंत्रों के साथरुद्राभिषेक का अनुष्ठान पूर्ण कराया। रुद्राभिषेक के बाद मुख्यमंत्री ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन किया। विधि विधान से पूर्ण हुए अनुष्ठान के उपरांत उन्होंने भगवान भोलेनाथ से राष्ट्र के कल्याण के लिए प्रार्थना की।

मैं भी शीशमहल बना सकता था, लेकिन गरीबों को पक्का घर देना मेरा सपना : मोदी

बिना नाम लिए प्रधानमंत्री का केजरीवाल पर तंज

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को (3 जनवरी) दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर कटाक्ष किया और कहा कि मैंने 4 करोड़ लोगों को घर देकर उनके सपनों को पूरा किया और अपने लिए कभी घर नहीं बनाया। उन्होंने तंज भरे लहजे में कहा कि चाहता तो शीश महल में भी बनवा सकता था। दिल्ली सरकार पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने और शहर के निवासियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए, पीएम ने सत्तारूढ़ पार्टी को आपदा करार दिया।

दिल्ली में झुग्गीवासियों के लिए आवास परियोजना की शुरुआत करते हुए पीएम ने कहा, मैं शीशमहल बना सकता था, लेकिन मेरे लिए मेरा सपना था कि मेरे देशवासियों को पक्का घर मिले। आप पर वार करते हुए मोदी ने कहा कि उन्होंने शराब घोटाला, स्कूल घोटाला और प्रदूषण घोटाला किया है। वे खुलेआम भ्रष्टाचार में लिप्त हैं और इसे प्रचारित भी कर रहे हैं। यह दिल्ली के लिए एक आपदा है, और निवासियों ने इस आपदा के खिलाफ युद्ध की घोषणा कर दी है।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि बीते 10 वर्षों से दिल्ली एक बड़ी आप-दा से घिरी है। अन्ना हजारे जी को सामने करके कुछ कट्टर बेईमान लोगों ने दिल्ली को आप-दा में धकेल दिया। शराब के ठेकों में घोटाला, बच्चों के स्कूल में घोटाला, गरीबों के इलाज में घोटाला, भर्तियों के नाम पर घोटाला... ये लोग दिल्ली के विकास की बात करते थे, लेकिन ये लोग आप-दा बनकर दिल्ली पर टूट पड़े हैं। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली वालों ने आप-दा के विरुद्ध जंग छेड़ दी है। दिल्ली का वोटर, दिल्ली को आप-दा से मुक्त करने की ठान चुका है। वो कह रहा है- आप-दा को नहीं सहेंगे, बदल के रहेंगे।

उन्होंने कहा कि मैं तो दिल्ली वालों को मुफ्त इलाज की सुविधा देने वाली आयुष्मान भारत योजना का लाभ देना चाहता हूं। आप-दा सरकार को दिल्ली वालों से बड़ी दुश्मनी है। पूरे देश में आयुष्मान योजना लागू है, लेकिन

इस योजना को आप-दा वाले यहां (दिल्ली) लागू नहीं होने दे रहे। इसका नुकसान दिल्ली वालों को उठाना पड़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली एक सुर में कह रही है, आपदा को नहीं सहेंगे, बदल कर रहेंगे।

आज भारत राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता का प्रतीक

पीएम नरेंद्र मोदी ने स्वाभिमान अपार्टमेंट, अशोक विहार, दिल्ली में इन-सीटू स्लम पुनर्वास परियोजना के तहत झुग्गी झोपड़ी (जेजे) समूहों के लिए 1,675 नवनिर्मित फ्लैटों के उद्घाटन समारोह में भाग लिया। इसके साथ ही उन्होंने झुग्गी झोपड़ी (जेजे) समूहों के निवासियों के लिए नवनिर्मित फ्लैटों के लाभार्थियों को चाबियां सौंपी। प्रधानमंत्री ने इसके अलावा दिल्ली विश्वविद्यालय में 600 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली तीन नयी परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इनमें पूर्वी दिल्ली के सूरजमल विहार में पूर्वी परिसर, द्वारका में पश्चिमी परिसर और नजफगढ़ के रोशनपुरा में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त वीर सावरकर कॉलेज का भवन शामिल है।

इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता का प्रतीक बन गया है। 2025 में भारत की यह भूमिका और भी मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि यह वर्ष विश्व में भारत की स्थिति मजबूत करने का वर्ष होगा। यह भारत को दुनिया के सबसे बड़े विनिर्माण केंद्रों में से एक बनाने का वर्ष होगा। उन्होंने कहा कि आज जब मैं यहां हूं, तो कई पुरानी यादें याद आना स्वाभाविक है। जब देश इंदिरा गांधी की तानाशाही के खिलाफ लड़ रहा था, तो मेरे जैसे कई लोग जो भूमिगत आंदोलन का हिस्सा थे, उनके लिए अशोक विहार मेरे रहने की जगह हुआ करती थी।

मोदी ने कहा कि आज पूरा देश विकसित भारत के निर्माण के मिशन में एकजुट है। हमारा संकल्प यह सुनिश्चित करना है कि हर नागरिक के पास पक्का घर हो और हम इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली इस परिकल्पना को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, यही कारण है कि भाजपा की केंद्र सरकार ने मलिन बस्तियों को स्थायी आवास से बदलने की पहल शुरू की है। उन्होंने कहा कि ये वर्ष विश्व में भारत में अंतरराष्ट्रीय छवि को और सशक्त करने का होगा। ये वर्ष भारत को दुनिया का बड़ा मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने का वर्ष होगा। ये वर्ष युवाओं को नए स्टार्टअप और एंटरप्रेन्योरशिप में आगे बढ़ाने का होगा। ये वर्ष कृषि क्षेत्र में नए कीर्तिमानों का होगा। ये वर्ष महिलाओं के नेतृत्व में विकास के हमारे मंत्र को नई ऊंचाई देने का होगा। ये वर्ष जीवन जीने में आसानी और जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने का होगा।

प्रधानमंत्री ने रिमोट का बटन दबाकर दो शहरी पुनर्विकास परियोजनाओं, नौरोजी नगर में विश्व व्यापार केंद्र (डब्ल्यूटीसी) और सरोजिनी नगर में जनरल पूल आवासीय आवास (जीपीआरए) टाइप-II क्वार्टर का भी उद्घाटन किया। स्वाभिमान अपार्टमेंट में इन नवनिर्मित फ्लैटों के उद्घाटन से दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा दूसरी सफल इन-सीटू स्लम पुनर्वास परियोजना पूर्ण हो गई। इस परियोजना का उद्देश्य दिल्ली में झुग्गी बस्तियों के निवासियों को उचित सुख-सुविधाओं से सुसज्जित बेहतर और स्वस्थ परिवेश प्रदान करना है। केंद्र सरकार द्वारा एक फ्लैट के निर्माण पर 25 लाख रुपये खर्च किए जाते हैं। पात्र लाभार्थी कुल राशि का सात प्रतिशत से कम भुगतान करते हैं, जिसमें मामूली योगदान के रूप में 1.42 लाख रुपये और रखरखाव के पांच साल के लिए 30,000 रुपये शामिल हैं।

गडकरी ने पांच वर्षों में दिल्ली को प्रदूषण मुक्त करने का किया वादा

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने अगले पांच सालों में दिल्ली को प्रदूषण से मुक्त करने का वादा किया है। उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी के परिवहन नेटवर्क को विकसित करने और आने वाले दिनों में प्रदूषण के स्तर को कम करने के लिए 12,500 करोड़ रुपये के निवेश का एलान किया है। दिल्ली में नवंबर से ही प्रदूषण का स्तर काफी ऊंचा बना हुआ है और वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) बहुत खराब श्रेणी से ऊपर बना हुआ है। प्रदूषण को कम करने के लिए, अन्य उपायों के अलावा, पिछले दो महीनों में दिल्ली में बीएस 3 पेट्रोल और बीएस 4 डीजल कारों पर दो बार प्रतिबंध लगाया गया।

दिल्ली में एक बार फिर प्रदूषण का स्तर बहुत ज्यादा है और एक्यूआई 350 पॉइंट के आसपास है। वायु गुणवत्ता

प्रबंधन आयोग अपने ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान स्टेज 3 के तहत प्रतिबंधों को वापस ला सकता है। इसका मतलब होगा बीएस 3 पेट्रोल और बीएस 4 डीजल कारों पर वाहनों पर फिर से प्रतिबंध लग जाएगा। दिल्ली में प्रदूषण के सबसे बड़े कारणों में से एक वाहनों से निकलने वाला उत्सर्जन माना जाता है।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने दिल्ली के परिवहन नेटवर्क को बेहतर बनाने और शहर में प्रदूषण तथा भीड़भाड़ को कम करने के लिए 12500 करोड़ रुपये की घोषणा की। उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी के लिए 1200 करोड़ रुपये के अतिरिक्त सीआरआईएफ फंड का भी एलान किया।

गडकरी ने बताया कि दिल्ली में प्रदूषण कम करने के लिए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय कौन-कौन सी परियोजनाएं शुरू करेगा। उन्होंने कहा, दिल्ली वायु प्रदूषण और ट्रैफिक जाम से बहुत परेशान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सड़क निर्माण मंत्रालय ने दिल्ली को प्रदूषण से मुक्त करने और भीड़भाड़ कम करने के लिए कई परियोजनाएं शुरू की हैं और उन्हें लागू किया है। उन्होंने कहा कि नई सड़क परियोजनाओं से दिल्ली में प्रवेश करने वाले वाहनों का दबाव कम करने में मदद मिलेगी।

गडकरी ने दिल्ली में प्रदूषण कम करने के लिए स्वच्छ ईंधन पर भी जोर दिया। हम सीएनजी (वाहन) भी लेकर आए और हम 5 साल में दिल्ली को प्रदूषण से मुक्त कर देंगे।

पटना में प्रशांत किशोर का आमरण अनशन

पटना। बिहार लोक सेवा आयोग की 70वीं पीटी परीक्षा रद्द कर री-एग्जाम लेने की मांग लेकर विरोध प्रदर्शन जारी है। जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर भी इस प्रदर्शन में शामिल हैं। हालांकि वह पटना के गांधी मैदान में धरना पर बैठे हैं। उन्होंने दो जनवरी से आमरण अनशन का एलान किया था। आज उनके अनशन का दूसरा दिन है। पीके के साथ सैकड़ों अभ्यर्थी भी प्रदर्शन कर रहे हैं। गांधी मैदान में बापू की मूर्ति के नीचे बैठकर सभी लोग री-एग्जाम की मांग कर रहे हैं। अभ्यर्थियों ने इस दौरान नारेबाजी भी की। वह री-एग्जाम..हम लेकर रहेंगे के नारे लगा रहे। प्रशांत किशोर की टीम की ओर से कहा गया है कि आज हमलोगों के प्रदर्शन का दूसरा दिन है। जब तक नीतीश सरकार हमारी मांगों को मान नहीं लेती तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा। आंदोलन का माहौल इतना गर्म हो चुका है कि आयोग अब खुद को अभ्यर्थियों और प्रशांत किशोर की चुनौती के सामने घिरा महसूस कर रहा है। मैदान में डटे सैकड़ों युवा यह साफ कर रहे हैं कि अब न्याय की लड़ाई किसी भी सूरत में रुकेगी नहीं। पीके की ओर से कहा कि बीपीएससी अभ्यर्थियों के साथ बिहार की ध्वस्त शिक्षा व्यवस्था के खिलाफ 5 मांगों को लेकर लगातार दूसरे दिन पटना के गांधी मैदान में आमरण अनशन पर बैठे हुए हैं।

खेल
प्रमुख समाचार

पहले दिन भारत से 176 रन पीछे ऑस्ट्रेलिया

सिडनी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहले दिन का खेल खत्म हो गया है। भारत ने पहली पारी में 185 रन बनाए थे। जवाब में स्टंप तक ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में एक विकेट गंवाकर नौ रन बना लिए हैं। दिन के खेल की अंतिम गेंद पर जसप्रीत बुमराह ने उस्मान ख्वाजा को केएल राहुल के हाथों कैच कराया। ख्वाजा के आउट होने के साथ ही स्टंप की घोषणा कर दी गई। वह दो रन बना सके। ऑस्ट्रेलिया की टीम फिलहाल 176 रन पीछे चल रही है। फिलहाल क्रीज पर सैम कोंस्टास सात रन बनाकर नाबाद हैं।

पहली पारी में सस्ते में आउट होने के बाद कोंस्टास और ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलिया पारी का आगाज किया। कोंस्टास ने एक चौका लगाकर टीम को तेज शुरुआत देने की कोशिश की, लेकिन बुमराह ने ख्वाजा को आउट कर भारतीय कैंप को खुश होने का मौका दिया। ऑस्ट्रेलियाई पारी के तीसरे ओवर की पांचवीं गेंद के बाद बुमराह जैसी ही रन अप लेने लगे, तभी ख्वाजा ने रुकने का इशारा किया। ख्वाजा ने चाल चलते हुए खेल को धीमा करने की कोशिश की। बुमराह ने इसका विरोध किया, क्योंकि भारत ज्यादा से ज्यादा ओवर करना चाहता था। ख्वाजा के ऐसा करने से बुमराह नाखुश दिखे। इस पर नॉन स्ट्राइकर एंड पर खड़े कोंस्टास भड़क गए और उन्होंने बुमराह से कुछ कहा। इस पर बुमराह ने भी कोंस्टास को कारा जवाब दिया और उनकी ओर बढ़े। हालांकि, अंपायर ने बीच बचाव किया और दोनों को अलग किया। इसके बाद अगली ही गेंद पर बुमराह ने ख्वाजा को कैच आउट कर दिया। जैसे ही ख्वाजा आउट हुए। पूरी भारतीय टीम ने कोंस्टास को घेर लिया और एकसाथ चीयर किया। कोंस्टास चुप चाप वहां से चले गए। बुमराह भी विकेट लेने के बाद कोंस्टास की तरफ मुड़े लेकिन फिर चुप हो गए।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 720 अंक टूटा निफ्टी 24,005 पर बंद

नईदिल्ली। घरेलू शेयर बाजार सप्ताह के आखिरी ट्रेडिंग सेशन यानी शुक्रवार (3 जनवरी) को बड़ी गिरावट में बंद हुए। प्रमुख बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी मामूली बढ़त में खुलने के बाद लाल रंग में ही रहे। निवेशकों ने सोमवार (7 जनवरी) से शुरू हो रहे कंपनियों के तीसरी तिमाही के नतीजों से पहले मुनाफावसूली की जिसकी वजह से बाजार लाल निशान में बंद हुआ। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुक्रवार (3 जनवरी) को 80 हजार के पार खुला लेकिन कुछ ही देर में लाल निशान में फिसल गया। अंत में सेंसेक्स 720.60 अंक या 0.90 प्रतिशत की गिरावट लेकर 79,223.11 पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी मामूली बढ़त लेकर खुला। पर खुलते ही गिरावट में चला गया। अंत में निफ्टी 183.90 अंक या 0.76 प्रतिशत गिरकर 24,004.75 पर क्लोज हुआ।

भारतीय शेयर बाजार में बढ़ा चीनी निवेश

नईदिल्ली। भारतीय शेयर बाजार तेजी से उभरते वैश्विक बाजारों में एक प्रमुख स्थान रखता है। देश और विदेश के निवेशकों के बीच इसकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। दिलचस्प बात यह है कि पड़ोसी देश चीन के निवेशकों का रुझान भी भारतीय कंपनियों की ओर काफी बढ़ा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, चीन का केंद्रीय बैंक पीपल्स बैंक ऑफ चाइना (पीबीओसी) ने भारतीय शेयर बाजार में बड़े पैमाने पर निवेश करना शुरू कर दिया है। पीबीओसी ने कैलेंडर वर्ष 2024 के अंत तक 35 भारतीय कंपनियों में 40,000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया है। चीन की ओर से आने वाले 17 विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक भारत में रजिस्टर्ड हैं, जिनमें बेस्ट इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन जैसे बड़े सरकारी संस्थान शामिल हैं। यह कॉरपोरेशन वैश्विक स्तर पर 870 बिलियन डॉलर की संपत्ति का मैनेजमेंट संभालते हैं।

दमानी पोर्टफोलियो स्टॉक में जोरदार उछाल

नईदिल्ली। डीमार्ट ब्रांड नाम से रिटेल चेन चलाने वाली कंज्यूमर सेक्टर कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट के शेयर शुक्रवार (3 जनवरी) को इंट्रा-डे ट्रेड में 15 प्रतिशत तक उछल गए। कंपनी के शेयरों में यह जोरदार तेजी दरअसल तीसरी तिमाही के अपडेट जारी करने के बाद आई है। भारत के दिग्गज उद्योगपति और जाने माने इन्वेस्टर राधाकिशन दमानी की कंपनी डीमार्ट ने गुरुवार (2 जनवरी) को वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही का अपना अपडेट जारी किया। शेयर बाजार को दी गई सूचना के मुताबिक, 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए डीमार्ट का स्टैंडअलोन रेवेन्यू सालाना आधार पर 17 प्रतिशत बढ़कर 15,565.23 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 11,304.58 करोड़ रुपये का स्टैंडअलोन रेवेन्यू रहा था। तीसरी तिमाही का अपडेट जारी करने बाद शुक्रवार को कंपनी के शेयरों जोरदार खरीदारी देखने को मिली।

जनवरी-जून छमाही के लिए आरबीआई ने तय किए इंटरेस्ट

नईदिल्ली। नए वर्ष यानी 2025 की पहली तिमाही जनवरी-मार्च 2025 के लिए छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज निर्धारण के बाद आरबीआई ने Floating Rate Savings Bond, 2020 (Taxable) के लिए भी ब्याज दरों का ऐलान कर दिया है। सरकार ने जनवरी-मार्च 2025 तिमाही के लिए एनएससी समेत 12 छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। मतलब इन छोटी बचत योजनाओं में निवेश करने वालों को इस कैलेंडर ईयर की पहली तिमाही के लिए वही ब्याज मिलेगा जो उन्हें अक्टूबर-दिसंबर 2024 तिमाही के लिए मिल रहा था। आप सोच रहे होंगे कि आखिर 12 लघु बचत योजनाओं में सिर्फ एनएससी का जिक्र क्यों। एनएससी का जिक्र इसलिए क्योंकि इसी स्कीम पर मिलने वाले ब्याज के आधार पर RBI Floating Rate Savings Bond, 2020 (Taxable) के लिए ब्याज का निर्धारण किया जाता है।

जमा राशि में कमी बैंकों के लिए एक चेतावनी

दीप मुखर्जी

1998 के बाद से, कम से कम 6 ऐसे अवसर आए हैं जब जमा वृद्धि ने ऋण वृद्धि को पीछे छोड़ दिया। इसलिए, जमा संकट पर हालिया हो-हल्ला आश्चर्यजनक था, यह देखते हुए कि यह छठा था, जो अप्रैल 2022 से अक्टूबर 2024 तक बढ़ा था। ऋण और जमा वृद्धि के बीच बेहतर संरेखण के कारण सापेक्ष आराम भी आश्चर्यजनक है। पिछले 5 उदाहरणों में, जमा-ऋण वृद्धि संरेखण जमा वृद्धि में वृद्धि और ऋण वृद्धि में गिरावट दोनों का परिणाम था। वर्तमान संरेखण ऋण वृद्धि में गिरावट और जमा वृद्धि में कोई सुधार नहीं होने के कारण है।

यह चिंताजनक है। यह परिवारों के बचत व्यवहार में अधिक संरचनात्मक परिवर्तनों का अग्रदूत हो सकता है। यदि बैंकिंग प्रणाली 2016 से पहले 14-16 प्रतिशत जमा वृद्धि दर पर वापस जाने की इच्छा रखती है, तो उसे जमाकर्ताओं के साथ अलग व्यवहार करना पड़ सकता है।

जमा राशि की कमी से ऋण वृद्धि पर कोई असर नहीं पड़ता - यह प्रचलित धारणा कि जमा राशि की कमी से ऋण वृद्धि बाधित होती है, गलत है और बैंकिंग अर्थशास्त्र की किसी भी बुनियादी समझ पर आधारित नहीं है। चालू और बचत खाते बैंकों के लिए वित्तपोषण का सबसे सस्ता स्रोत हैं। यहां तक कि खुदरा सावधि जमा भी बैंकों द्वारा पूंजी बाजार आधारित उधारी से सस्ता पड़ता है। इस प्रकार, जमा राशि की कमी से बैंकों के लिए निधियों की लागत बढ़ जाती है। इसलिए, शोर-शराबा सस्ते फंड की अनुपलब्धता और कम होते मार्जिन की चिंता को लेकर है। बैंकिंग निरंतर वित्तीय दमन की धारणाओं पर भरोसा नहीं कर सकती। वैश्विक स्तर पर बहुत सी अर्थव्यवस्थाएं

वित्तीय दमन का पालन करती हैं। वित्तीय दमन, अन्य बातों के अलावा, यह भी दर्शाता है कि बचतकर्ताओं को अक्सर मुद्रास्फीति दर से कम रिटर्न मिलता है (यानी, उनकी वास्तविक ब्याज दर नकारात्मक होती है)। इससे कॉर्पोरेट और सरकार को सस्ते ऋण उपलब्ध कराकर आर्थिक गतिविधि को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

यहां तक कि अमरीका जैसी बाजार-संचालित अर्थव्यवस्थाओं ने भी द्वितीय विश्व युद्ध के बाद और हाल ही में कोविड के दौरान अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय दमन का सहारा लिया। बचत खातों पर ब्याज दरों को बहुत पहले ही नियंत्रणमुक्त कर दिया गया था। हालांकि, वित्तीय दमन की जड़ता अभी भी जारी रह सकती है। हाल ही तक, भारतीय अर्थव्यवस्था के पास बहुत सारे विकल्प नहीं थे। बैंक में जमा की जाने वाली अधिकांश बचत पर नकारात्मक वास्तविक ब्याज दरें हैं। लेकिन हालात बदल रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आर.बी.आई.) के पूर्व गवर्नर शक्तिकांत दास ने कई बार बैंकों में जमा राशि जुटाने में कमी के बारे में अपनी चिंता व्यक्त की है क्योंकि जमाकर्ता तेजी से पूंजी बाजार और अन्य वित्तीय मध्यस्थों की ओर रुख कर रहे हैं। 2013 और 2023 के बीच, घरेलू वित्तीय परिसंपत्तियां सकल घरेलू उत्पाद (जी.डी.पी.) के 41 प्रतिशत से बढ़कर 46 प्रतिशत हो गई हैं। इसके अलावा, जमा और मुद्रा का वार्षिक परिसंपत्ति आबंटन वित्तीय परिसंपत्तियों के 67 प्रतिशत से घटकर 45 प्रतिशत हो गया है (स्रोत:बैंकिंग फॉर ए विकसित भारत, बी.सी.जी. रिपोर्ट)। यह बचतकर्ताओं के व्यवहार में एक संरचनात्मक बदलाव हो सकता है।

एफ.डी.पी., क्रैडिट कार्ड और परिचालन व्यय को हटाकर आय को घटाया जाता है। पैक में जोकर एफ.टी.पी. है। यदि यह फंड की वास्तविक लागत से प्रेरित है, जो कि आर्थिक रूप से अनुचित है, तो बी.यू.(बिजनैस यूनिट) को दिए गए फंड की वास्तविक अवसर लागत से प्रभावित होता है। यकीनन, उधार देने वाली बी.यू. को उच्च मार्जिन दिखाने का मौका मिलता है, ऋण को बेहतर कीमत देने की कम प्रेरणा होती है और फिर भी उन्हें पुरस्कृत किया जाता है। लेकिन जमा जुटाने वाले बी.यू. को अक्सर जमा जुटाने की परिचालन लागत के अलावा जमा जुटाने के लिए कुछ मामूली प्रोत्साहन मिलता है।

मुख्यमंत्री ने आबकारी विभाग के कार्यों की समीक्षा की

अवैध मदिरा पर करें कड़ी कार्रवाई: साय

सीमावर्ती जिलों में स्थापित आबकारी चेक पोस्ट को रखें क्रियाशील

आसवनियों, बॉटलिंग इकाईयों, होटल, बार, क्लब की नियमित सघन जांच सुनिश्चित की जाए

महुआ संग्राहकों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से अन्य राज्यों की महुआ नीति का अध्ययन करने के निर्देश

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रदेश में अवैध मदिरा के विनिर्माण, धारण, परिवहन एवं विक्रय पर प्रभावी नियंत्रण के लिए पुलिस विभाग के समन्वय से कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश आबकारी विभाग के अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के सीमावर्ती जिलों में स्थापित आबकारी चेक पोस्ट को क्रियाशील रखें। राज्य में स्थित आसवनियों, बॉटलिंग इकाईयों, होटल, बार, क्लब की नियमित सघन जांच सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री श्री साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में आबकारी विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक के दौरान यह निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य में देशी मदिरा की नवीन बॉटलिंग इकाई हेतु प्राप्त आवेदनों पर नियमानुसार त्वरित कार्यवाही की जाए तथा छत्तीसगढ़ के बाहर निर्मित मदिरा की विनिर्माण इकाईयों को छत्तीसगढ़ में स्वयं के विनिर्माण संयंत्र लगाये जाने के लिये प्रोत्साहित किया जाए। इसके लिए उन्हें कार्य अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराया जाए, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार प्राप्त हो सके। मुख्यमंत्री ने आबकारी विभाग के रिक्त पदों पर भर्ती की कार्यवाही शीघ्र करने के निर्देश दिए।

उन्होंने महुआ संग्राहक वनवासियों को आय के बेहतर साधन उपलब्ध हो सकें, इस उद्देश्य से अन्य राज्यों में प्रचलित महुआ नीति का अध्ययन करने के निर्देश दिये गये। विभाग द्वारा मदिरा दुकानों में कार्यरत कार्मिकों की उपस्थिति के संबंध में लागू आधार सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली (श्वक्र) की मुख्यमंत्री ने सराहना की। इसी तरह देशी-विदेशी मदिरा के उपभोक्ताओं को उनकी पसंद अनुरूप मदिरा उपलब्धता की जानकारी प्राप्त करने हेतु प्रारंभ किये गये 'मनपसंद ऐप' में उपयोगकर्ता के डाटा की गोपनीयता बनाए रखने एवं ऐप में प्राप्त सुझाव एवं शिकायत पर त्वरित कार्यवाही के निर्देश बैठक में दिये गये। मदिरा दुकानों में आवश्यक साफ-सफाई रखने, मदिरा के ब्राण्ड-लेबल का समुचित प्रदर्शन किये जाने तथा निर्धारित पंजियों का अद्यतन संधारण सुनिश्चित किये जाने के निर्देश भी बैठक में दिये गये।

बैठक में मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मुकेश कुमार बसंल, श्री राहुल भगत, श्री पी. दयानंद और श्री बसवराजू एस., सचिव सह आयुक्त आबकारी सुश्री आर. संगीता, छत्तीसगढ़ स्टेट बेवरेजेस कार्पोरेशन एवं छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिटेड के प्रबंध संचालक श्री श्याम लाल धावड़े, विशेष सचिव (आबकारी) श्री देवेन्द्र सिंह भारद्वाज तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

अग्निवीर हितेश ने बृजमोहन से की सौजन्य मुलाकात

रायपुर। राजधानी रायपुर निवासी और भारतीय सेना के गौरवशाली अग्निवीर श्री हितेश साहू ने आज सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल से सौजन्य मुलाकात की।

हितेश साहू , अपनी ट्रेनिंग पूरी कर चुके है, और बीकानेर, राजस्थान में पहली पोस्टिंग मिली है, जहां रवाना होने से पहले उन्होंने सांसद श्री बृजमोहन से मुलाकात कर अपनी सेवाओं और अनुभवों के बारे में जानकारी साझा की और देश की सेवा में अपना योगदान देने के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की। सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने अग्निवीर हितेश साहू के साहस और देशभक्ति की सराहना की। उन्होंने कहा, अग्निवीर योजना भारतीय सेना और देश के युवाओं के लिए एक दूरदर्शी कदम है। इस योजना के माध्यम से न केवल सेना को युवा, उत्साही और तकनीकी रूप से सक्षम सैनिक मिल रहे हैं, बल्कि युवाओं को अनुशासन, कौशल और सेवा का अद्वितीय अवसर भी प्राप्त हो रहा है।

किसानों के लिए उपयोगी है कृषि दर्शिका: नेताम

कृषि मंत्री ने कृषि विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशितकृषि दर्शिका 2025 का किया विमोचन

रायपुर। कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने आज यहां नया रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित कृषि दर्शिका 2025 का विमोचन किया। कृषि मंत्री ने कहा कि कृषि दर्शिका में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किये जा रहे अनुसंधान एवं विस्तार कार्यों के साथ ही नवीनतम कृषि प्रौद्योगिकी तथा किसानों के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारियों को शामिल किया गया है। यह कृषि दर्शिका किसानों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि कृषि विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ के किसानों के हित में इसी प्रकार निरंतर प्रयासरत रहे। मंत्री श्री नेताम ने कृषि दर्शिका के प्रकाशन हेतु इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल एवं उनके सहयोगियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कृषि मंत्री को विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित कृषि दर्शिका 2025 के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित कृषि दर्शिका में छत्तीसगढ़ राज्य की सामान्य जानकारी, कृषि क्षेत्रफल, प्रमुख कृषि फसलों, उनकी उत्पादन तकनीक, कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किये जा रहे अनुसंधान एवं विस्तार कार्य योजनाओं, गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी शामिल किया गया है। दर्शिका में विभिन्न खरीफ एवं रबी फसलों जिनमें अनाज, दलहन, तिलहन, लघु धान्य फसलें, चारा फसलें, औषधीय एवं सुगंधित फसलें तथा फल, फूल एवं सब्जी वाली फसलों की उन्नत कृषि कार्यमाला प्रकाशित की जाती है। इसके साथ ही कृषि विश्वविद्यालय की विगत वर्ष की गतिविधियों एवं उपलब्धियों, विश्वविद्यालय द्वारा विकसित विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों तथा विश्वविद्यालय द्वारा विकसित एवं प्रसारित कृषक उपयोगी प्रौद्योगिकी की जानकारी भी प्रकाशित की जाती है। विभिन्न फसलों के प्रमुख कीट एवं प्रमुख रोग तथा उनका प्रबंधन भी शामिल किया जाता है। इसके साथ ही केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा किसानों के लिए संचालित विकास एवं कल्याण योजनाओं, उनके तहत दी जाने वाली सुविधाओं एवं अनुदान के संबंध में जानकारी दी जाती है। कृषि दर्शिका में कृषि विश्वविद्यालय, कृषि तथा संबंधित विभागों एवं किसानों के लिए उपयोगी अन्य संपर्क सूत्रों की जानकारी भी प्रकाशित की गई है। विमोचन समारोह में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के निदेश विस्तार सेवाएं डॉ. एस.एस. टुटेजा, डॉ. नीता खरे, डॉ. ज्योति भट्ट, डॉ. दीप्ति झा एवं संजय नैयर उपस्थित थे।

कलेक्टर ने यातायात दुरूस्त करने ली समीक्षा बैठक

रायपुर । कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आज यातायात दुरूस्त करने के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों की कलेक्टोरेट स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में बैठक ली। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि जिन-जिन स्थानों पर यातायात बाधित करने वाले पुरानी गाड़ियां सड़कों पर खड़ी है, उन्हें हटाया जाएं। साथ ही पुराने खंबे एवं बिजली के बॉक्स, पेड़ों की छटाई जल्द से जल्द किया जाएं। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि जिन-जिन स्थानों पर यातायात बाधित हो रहा है, उन स्थानों को चिंहाकित कर कार्रवाई की जाएं। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि ज्यादातर प्रमुख मार्गों में फ्लैक्स रखने की वजह से भी यातायात बाधित होता है, ऐसे में उन फ्लैक्स एवं बैनरों को हटाने की कार्रवाई की जाएं। साथ ही पेड़ की छटाई जिन-जिन स्थानों पर नहीं हुई है, उन पेड़ों की छटाई जल्द से जल्द की जाएं। कलेक्टर ने कहा कि शहर में बिजली के तारों पर पेडों की टहनियां लटकने पर तत्काल छटाई की कार्रवाई की जाएं।

कलेक्टर ने यातायात को दुरूस्त करने के लिए चैक-चैराहों पर अस्थायी रोटरी लगाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप, आरटीओ श्री आशीष देवांगन, समेत अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

खाद्य संचालक जितेंद्र शुक्ला ने धान खरीदी केन्द्रों का लिया जायज़ा

बिलासपुर। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के संचालक जितेंद्र शुक्ला ने आज जिले का दौरा कर धान खरीदी और पीडीएस प्रणाली के कार्यों का निरीक्षण किया गया।

खाद्य संचालक श्री शुक्ला ने लिंगियाडीह स्थित छ0ग0 स्टेट वेयर हाउसिंग कार्पोरेशन के गोदाम का निरीक्षण किया गया। गोदाम में भण्डारित चावल की गुणवत्ता का निरीक्षण किया। गोदाम में भण्डारित 02 माह के सार्वजनिक वितरण प्रणाली के चावल की उपलब्धता का निरीक्षण किया गया। गोदाम में उपलब्ध चावल शासन द्वारा निर्धारित गुणवत्ता के अनुरूप एवं गोदाम से संलग्न उ0मू0 दुकान अनुसार 2 माह के सार्वजनिक वितरण प्रणाली चावल का भंडारित होना पाया गया।

श्री शुक्ला इसके बाद सेन्दरी पहुंचे और धान उपार्जन केन्द्र का निरीक्षण किया गया। आज की स्थिति में उपार्जन केन्द्र में उपार्जित धान की मात्रा 39,585 क्विंटल, जारी डी0ओ0 की मात्रा 22160 क्विंटल एवं उपार्जन केन्द्र में उठाव 56 प्रतिशत होना पाया गया। केन्द्र में धान विक्रय करने हेतु आये किसानों से चर्चा की गई। रैण्डम रूप से बोरो का तौल कर वजन की जाँच की गई। आर्द्रतामापी यंत्र द्वारा नमी की मात्रा की जाँच की गई, जो कि निर्धारित

मानकों के अनुरूप पाया गया। शासन द्वारा निर्धारित गुणवत्ता के अनुरूप धान उपार्जन करने के निर्देश केन्द्र प्रबंधक और प्रभारी को दिये गए।

धान उपार्जन केन्द्र बिरकोना का भी निरीक्षण किया गया। वर्तमान में उपार्जन केन्द्र में उपार्जित धान की मात्रा 28,532 क्विंटल, जारी डीओ की मात्रा 17,500 क्विं0 एवं उपार्जन केन्द्र में उठाव का प्रतिशत 61.33 होना पाया गया। उपार्जन केन्द्र बिरकोना में विगत खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में 2388 क्विंटल धान (5.7 प्रतिशत) का शॉर्टेज था। कलेक्टर महोदय द्वारा विगत वर्ष केन्द्र में पदस्थ प्रबंधक एवं समस्त स्टॉक को हटाए जाने के निर्देश दिये जाने के पश्चात् प्रबंधक को हटाते हुए पूर्व वर्ष में पदस्थ लिपिक को ही प्रबंधक का प्रभार सौंपा जाना पाया गया।

निरीक्षण के दौरान विगत वर्ष

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

अब प्रदेश में पत्रकार भी सुरक्षित नहीं है : दीपक बैज

रायपुर। बस्तर के बीजापुर में पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या की प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कड़ी निंदा करते हुये कहा कि प्रदेश में पत्रकार भी सुरक्षित नहीं है। प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था अब असहनीय हो चुकी है। राजधानी से शुरू हुआ हत्याओं का खौफनाक मंजर

अब बस्तर तक पहुंच गया है। मुख्यमंत्री की बस्तर में मौजूदगी के दौरान ही जगदलपुर में एक चिकित्सक की पत्नी की हत्या हो गयी। प्रदेश की बिगड़ चुकी कानून व्यवस्था का शिकार अब लोकतंत्र का चौथा स्तंभ भी हो रहा है। पत्रकार को अपनी निष्पक्ष पत्रकारिता की कीमत जान देकर चुकानी पड़ रही है। पत्रकार का शव साय राज में सेप्टिक टैंक में मिल रहा है।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि 48 घंटे में राजधानी में पांच हत्या की घटना हुई है, रोज हो रही हत्याओं से पूरे प्रदेश में भय का माहौल, प्रदेश में हत्या और चाकूबाजी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है। जब से राज्य में भाजपा की सरकार बनी है, प्रदेश के सभी जिलों में रोज हत्या हो रही है। राजधानी रायपुर में औसतन रोज तीन हत्या हो रही है। हर शहर में ऐसा कोई दिन नहीं होता, जब भयावह हत्या की एक-दो घटनाएं न होती हो, अपराधी इतने बेखौफ हो गये है।

कलेक्टर ने जारी की आम सूचना

बिलासपुर। त्रिस्तरीय पंचायत राज संस्थाओं में विभिन्न पदों के लिए आरक्षण की कार्यवाही 8 जनवरी 2025 को संपन्न होगी। जिला कार्यालय बिलासपुर के मंथन सभाकक्ष और जनपद पंचायतों के सभाकक्ष में इस दिन आरक्षण की कार्यवाही की जायेगी। दोपहर 12 बजे जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में जिला पंचायत सदस्यों और जनपद पंचायतों के आरक्षण की कार्यवाही शुरू होगी। वहीं सभी जनपद पंचायतों के सभाकक्ष में सवेरे साढ़े 10 बजे से जनपद पंचायत सदस्य, सरपंच एवं पंच पदों के लिए नियमानुसार आरक्षण किया जायेगा। कलेक्टर अवनीश शरण ने आरक्षण की कार्यवाही संपन्न कराने के लिए अधिकारियों की नियुक्ति करते हुए इसके लिए आम सूचना जारी कर दी है। जिला स्तर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष एवं जिला पंचायत सदस्यों के आरक्षण की कार्यवाही संपन्न कराने के लिए अपर कलेक्टर श्री शिवकुमार बनर्जी को प्रभारी अधिकारी बनाया गया है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बिलासपुर श्री पीयूष तिवारी, उप संचालक पंचायत श्रीमती शिवानी सिंह एवं जिला अंकेक्षक एके धिरही उन्हें सहयोग करेंगे। इसी प्रकार सभी अनुविभागीय राजस्व अधिकारी अपने अनुविभाग में आरक्षण की प्रक्रिया पूर्ण करने के लिए प्रभारी अधिकारी बनाये गये है। संबंधित तहसीलदार एवं जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उन्हें इस कार्य में सहयोग करेंगे।

आम जनता को भी डीजल खरीदी में छूट दे सरकार: ठाकुर

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा सरकार उद्योगपतियों की तरह ही किसान, ट्रांसपोर्ट व्यवसायी, बस, टैक्सी, होटल व्यवसायी, कार, टेक्टर, सहित डीजल का उपयोग करने वाले आम जनता को भी

डीजल खरीदी में छूट दे। सरकार दोहरी रवैया न अपनाये। राहत देने में भेदभाव न करे। सरकार का उद्योगपतियो को वैट में राहत देने का फैसला भाजपा के जन विरोधी होने प्रमाण है। प्रदेश सरकार ने उद्योगपतियों को डीजल खरीदी में वैट टैक्स में 8 प्रतिशत राहत दिया गया है 24 प्रतिशत की जगह उनसे 17 प्रतिशत वैट लिया जायेगा। उद्योगपतियों के अलावा अन्य वर्ग को डीजल में 24 प्रतिशत वैट देना होगा। ये अन्याय है। डीजल में 17 प्रतिशत वैट आम जनता के लिए भी लागू हो। साथ ही पेट्रोल में भी वैट की दर कम किया जाये।पेट्रोल डीजल की महंगे दरो से हर वर्ग आफत में है। लेकिन भाजपा सरकार की नीति मां और मौसी वाली है। भाजपा को चंदा देने वालों को लाभ पहुंचाया जा रहा है। प्रदेश की तीन करोड़ आबादी को सामने रखकर सरकार को फैसला करना चाहिए।सरकार तत्काल डीजल में 17 प्रतिशत वैट सभी के लिए लागू। गरीब जनता को लूटना बंद करे।

148 जोड़ें दाम्पत्य बंधन में बंधे, मंत्री राजवाड़े ने दिया आशीर्वाद

रायपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े आज गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले के प्रवास पर रहीं। जहां उनके मुख्य आतिथ्य में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत आयुष कॉलेज परिसर मरवाही में 148 जोड़ें परिणय सूत्र में बंधे। श्रीमती राजवाड़े ने सभी वर-वधुओं को दाम्पत्य सूत्र में बंधने पर बधाई दी और उनके सुखद जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि परिवार को साथ लेकर चलना है, अपने माता-पिता की तरह सास-ससुर को सम्मान देना है, परेशानियों एवं अभावों में संयम से रहना है और सुख-दुख में एक-दूसरे को साथ देना है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने इस अवसर पर विभागीय योजनाओं पर आधारित कैलेण्डर का विमोचन किया। उन्होंने समारोह में उपस्थित सभी लोगों को बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ बनाने 18 वर्ष से कम उम्र के लड़कियों और 21 वर्ष से कम उम्र के लड़कों का विवाह नहीं कराने की शपथ दिलाई।

वय वंदन योजना: विशेष शिविर में बनाए जा रहे कार्ड

बिलासपुर। देश के सभी 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत विशेष स्वास्थ्य सहायता प्रदान की जा रही है। आयुष्मान वय वंदन कार्ड के माध्यम से बुजुर्गो को यह स्वास्थ्य सेवा दी जा रही है जिसके तहत उन्हें 5 लाख रूपए की चिकित्सा सहायता प्राप्त होगी। बुजुर्गो ने इस योजना को वरदान बताया है और प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री का आभार जताया है।बुजुर्ग श्री झाड़ूराम कश्यप ने बताया कि उनकी उम्र 77 वर्ष हो गई है और यह योजना हम जैसे बुजुर्गो के लिए वरदान है। उम्र के इस पड़ाव पर हमें अनेक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझना पड़ता है। सरकार की इस संवेदनशील पहल से उन जैसे लाखों बुजुर्गो को राहत मिल रही है। 5 लाख की स्वास्थ्य सहायता मिलने से अब उनकी अस्पताल के खर्चो की चिंता समाप्त हो गई है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आभार जताया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रमोद तिवारी ने बताया कि इस नई योजना के तहत सभी 70 वर्ष और उससे अधिक के नागरिकों का वय वंदन कार्ड बनाया जा रहा है जिससे उन्हें 5 लाख रूपए तक के इलाज की सुविधा मिलेगी। जिन वरिष्ठ नागरिकों का नाम पहले से आयुष्मान कार्ड में दर्ज है उन्हें इस योजना के तहत दोबारा पंजीकरण कराना होगा।

योजनाओं का जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन करें : रजवाड़े

महिला-बाल विकास मंत्री ने सक्ती जिले में ली समीक्षा बैठक

रायपुर । महिला-बाल विकास तथा समाज कल्याण विभाग मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने शुक्रवार को सक्ती जिले के कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में सभी विभागों के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में मंत्री राजवाड़े ने जिले में केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनहितकारी योजनाओं का जमीनी स्तर पर बेहतर क्रियान्वयन करते हुए आमजन को ज्यादा से ज्यादा लाभान्वित कराने के निर्देश दिए। मंत्री ने विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों को विभिन्न ग्राम पंचायतों में जाकर स्व-सहायता समूह को स्वच्छ भारत मिशन सहित अन्य कार्यों के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए है।

मंत्री राजवाड़े ने समीक्षा बैठक में सक्ती जिले में अब तक किये गए पौधरोपण के कार्यों की जानकारी लेते हुए रोपित किये गए पौधों की देख रेख करने के निर्देश दिए। मंत्री ने समीक्षा बैठक में जिले के विभिन्न ग्रामों में मनरेगा अंतर्गत कौन-कौन से कार्य चल रहे है तथा कितने लोगों को मनरेगा अंतर्गत कार्य उपलब्ध कराया गया है की विस्तारपूर्वक जानकारी ली। श्रीमती राजवाड़े ने जिले के किसानों को धान के बदले अन्य फसल लेने के लिए, कृषि विभाग के मैदानी अमलों द्वारा जमीनी स्तर पर जागरुक करते हुए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने खाद्य अधिकारी से धान खरीदी कार्यो की जानकारी ली। जिले में बारदानो की उपलब्धता, धान उठाव की स्थिति, संग्रहण केन्द्रों की भण्डारण क्षमता, छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत जारी किये गए राशनकार्ड की संख्या सहित अन्य कार्यों की विस्तारपूर्वक जानकारी लेते हुए सुव्यवस्थित रूप से धान खरीदी कार्य कराये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में विभिन्न निर्माण कार्यों को गुणवत्तापूर्ण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने समीक्षा बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत पूरक पोषण आहार कार्यक्रम, गर्भवती महिलाओ की संख्या, शिशुवती माताओं की संख्या, मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना, पोषण पुनर्वास केंद्र, नोनी सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, सुकन्या समृधि योजना सहित अन्य विभिन्न विभागीय योजनाओं व कार्यों की विस्तार से जानकारी ली। मंत्री ने सक्ती जिले में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका भर्ती प्रक्रिया के वर्तमान स्थिति की जानकारी ली तथा उक्त भर्ती प्रक्रिया को पूरी पारदर्शिता और उचित ढंग से नियमानुसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने महतारी वंदन योजना के लक्ष्य और उसके विरुद्ध किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली।

अवैध रुप से भंडारित 327 क्विंटल धान जब्त

बिलासपुर। संयुक्त टीम ने आज फिर 3 ठिकानों पर दबिश देकर अवैध रूप से भंडारित 327 क्विंटल धान जब्त किया। जब्त धान की कीमत 10 लाख रुपए से ज्यादा की है। कलेक्टर के निर्देश पर कोचियों और दलाल किस्म के लोगों पर कार्रवाई लगातार जारी है। राजस्व, खाद्य और मंडी के अधिकारी मिलकर कार्रवाई को अंजाम दे रहे हैं। मॉल जब्त होने के साथ साथ परिवहन करते गाड़ियों पर भी कठोर कार्रवाई की जा रही है। बताया गया कि भोले भाले किसानों को झांसे में लेकर इस धान को खपाने की मंशा थी। उसके पहले वे पकड़ा गए।

जिला खाद्य अधिकारी अनुराग भदौरिया ने बताया कि तहसील बेलगहना के ग्राम कुसुमखेड़ा में राजस्व एवं मण्डी विभाग के अधिकारियों द्वारा जॉच अभियान चलाया गया। जाँच के दौरान ग्राम कुसुमखेड़ा में सेवक राम धृतलहरे पिता मंगल सिंह के घर पर 180 बोरी धान (लगभग 72 क्विंटल) अवैध रूप से भण्डारण किया जाना पाया गया। उपरोक्तानुसार धान की मण्डी अधिनियम के तहत् जब्त कर कार्रवाई की गई। तहसील बेलगहना के ही ग्राम कोनचरा में राजस्व एवं मण्डी विभाग के

अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से जॉच अभियान चलाया गया। जाँच के दौरान ग्राम कोनचरा में जीतू गुप्ता पिता विजय कुमार गुप्ता के घर पर 50 क्विंटल धान अवैध रूप से भण्डारण किया जाना पाया गया। उपरोक्तानुसार धान की मण्डी अधिनियम् के तहत् जप्त की गई। अनुविभागीय राजस्व अधिकारी कोटा के नेतृत्व में विकासखण्ड कोटा में जॉच के दौरान श्रीराम राईस मिल में 513 कट्टी (205 क्विंटल) धान के संबंध में मण्डी शुल्क प्रस्तुत नहीं करने के कारण उपरोक्तानुसार धान की मण्डी अधिनियम् के तहत् जप्त की कार्यवाही की गई। भविष्य में भी इसी प्रकार अवैध धान विकय, परिवहन एवं व्यापार पर इसी प्रकार कार्यवाही जारी रहेगी।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.